RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रुबरु

smarthalchal.com

# स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 | अंक-365 | जयपुर, मंगलवार, 30 जून 2026 | मूल्य-4 रूपये

## पुणे में 65 साल के रेप-मर्डर के दोषी को फांसी

**पुणे।** महाराष्ट्र के पुणे जिले में 3 साल की बच्ची से रेप और हत्या के मामले में विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट ने 65 साल के दोषी भीमराव कांबले को फांसी की सजा सुनाई है। अदालत ने इस मामले को रेयरेस्ट ऑफ रेयर श्रेणी का बताते हुए कहा कि आरोपी का कृत्य बेहद क्रूर, अमानवीय और बर्बर था। सोमवार सुबह 11 बजे कड़ी सुरक्षा के बीच आरोपी को अदालत में पेश किया गया था। कांबले पेशे से मजदूर हैं। वह 7 बच्चों का पिता और 11 बच्चों के दादा हैं।

## जमीनी विवाद में महिला की हत्या भतीजों ने ताई पर ट्रैक्टर चढ़ाया

**जोधपुर (नि.स.)।** फलोदी के राणेरी गांव में जमीनी विवाद में भतीजों ने ताई पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया। घटना में महिला की मौत हो गई। मारपीट में आरोपित पक्ष की लडकी भी घायल हुई है। विवाद खेत जोतने को लेकर हुआ था। मृतका के बेटे ने 6 लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया है। घटना सोमवार सुबह सात बजे की है। बाप थानाधिकारी रमेश ढाका ने बताया कि राणेरी गांव में दो भाई सावराराम और मगनाराम के बीच दो साल से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था।

# राम मंदिर दान चोरी मामले में आठ आरोपी 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे

### अयोध्या के वकील पैरवी नहीं करेंगे, ट्रस्ट की बैठक 5 दिन पहले होगी

अयोध्या/लखनऊ

राम मंदिर ट्रस्ट की 11 जुलाई को होने वाली बैठक अब 6 जुलाई को अयोध्या में होगी। सूत्रों के अनुसार, यह बैठक मणि रामदास जी की छावनी की जगह कारसेवक पुरम में हो सकती है। दिन और जगह क्यों बदला गया, इस बारे में पता नहीं चल पाया है।

वहीं, चढ़ावा चोरी मामले में पूर्व पदाधिकारियों चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव से पूछताछ की गई। उनके बयान दर्ज किए गए। इसके बाद चंपत राय दिल्ली चले गए।

इस बीच मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। वकील अनूप अवस्थी की CBI जांच की मांग वाली याचिका पर तुरंत सुनवाई से इनकार करते हुए कोर्ट ने पूछा कि इतनी जल्दी क्या है? छुट्टियों के बाद ही मामला सुना जाएगा।

इधर, पुलिस सोमवार सुबह साढ़े 10 बजे जेल में बंद 8 आरोपियों के खाते खंगालने के लिए स्बक्क्ष की अयोध्या धाम ब्रांच पहुंची। 7 आरोपियों के खाते इसी ब्रांच में हैं। पुलिस ने बैंक स्टेटमेंट लिए। अब यह जांच की जाएगी कि मंदिर में नौकरी के बाद से उनके खातों में कितना पैसा आया। पुलिस ने बैंक के 2 कर्मचारियों को भी नोटिस दिया है।

इस बीच, सभी 8 आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस आरोपियों की रिमांड नहीं मांगी। फिर कोर्ट ने सभी आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अगली सुनवाई 13 जुलाई को होगी। तब तक आरोपी जेल में ही रहेंगे।

हालांकि, इससे पहले ही अयोध्या के वकीलों ने बड़ी बैठक की। इसमें फैसला लिया कि चढ़ावा चोरी के आरोपियों का केस कोई भी वकील नहीं लड़ेगा। साथ ही, चंपत राय, गोपाल राव और अनिल मिश्रा के अयोध्या छोड़ने की मांग की। नहीं छोड़ने पर आंदोलन की चेतावनी दी।

### पुलिस ने SBI कर्मचारियों की बैंक खातों की डिटेल मांगी

राम मंदिर दानराशि चोरी मामले की जांच कर रही पुलिस ने जांच का दायरा और बढ़ा दिया है। इसी क्रम में पुलिस ने भारतीय स्टेट बैंक की अयोध्या और अयोध्या धाम क्षेत्र स्थित तीन से अधिक शाखाओं में कार्यरत कर्मचारियों के बैंक खातों का विवरण तलब किया है।

सूत्रों के अनुसार, जांच एजेंसियां आरोपियों के बैंक लेनदेन और संभावित वित्तीय नेटवर्क की पड़ताल कर रही हैं। इसी कड़ी में संबंधित शाखाओं के कर्मचारियों के खातों से जुड़े दस्तावेज और लेनदेन का ब्योरा मांगा गया है।

पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि दानराशि की कथित हेराफेरी से जुड़े धन का प्रवाह किन-किन खातों तक पहुंचा और क्या इस मामले में किसी अन्य व्यक्ति की भी भूमिका रही है। जांच के तहत बैंकिंग रिकॉर्ड, खातों में हुए लेनदेन और अन्य वित्तीय पहलुओं का भी विश्लेषण किया जा रहा है।

हालांकि, पुलिस अधिकारियों की ओर से इस संबंध में अभी कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

### राम मंदिर में तैनात आरएमओ अर्जुन देव हटाए

राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण में आरोपियों के घर छापेमारी और पूछताछ के बीच श्रीराम जन्मभूमि में 17 वर्षों से तैनात रेडियो ऑपरेशन अधिकारी (आरएमओ) अर्जुन देव को राम मंदिर से हटा दिया गया है।काउंटिंग रूम में चढ़ावे की गणना के दौरान लगे सीसीटीवी कैमरों के साथ पूरे मंदिर परिसर में लगे करीब 1600 कैमरों की निगरानी की जिम्मेदारी उन्हीं के पास थी। ऐसे में एसआईटी व पुलिस यह पता लगा रही है कि इतनी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद करोड़ों रुपये के चढ़ावे की चोरी कैसे होती रही और निगरानी तंत्र कहां नाकाम रहा। अर्जुन देव वर्ष 2009 से लगातार अयोध्या में तैनात थे। इस दौरान कई बार उनके तबादले के आदेश हुए, लेकिन हर बार किसी न किसी स्तर पर रुक गए। हाल में लखनऊ तबादले का आदेश भी निरस्त हो गया था। एसआईटी अब यह भी खंगाल रही है कि आखिर उनके तबादले बार-बार किसके स्तर से रुकवाए गए और एक ही जिले में 17 वर्ष तक तैनाती की वजह क्या रही।

# पेट्रोल-डीजल की बिक्री पर लिमिट 1 जुलाई से हटेगी

### कॉमर्शियल बायर्स रीटेल पंपों से फ्यूल खरीद सकेंगे

सरकार ने पेट्रोल-डीजल की खरीद पर लगाई गई सभी इमरजेंसी पाबंदियों को 1 जुलाई से हटाने का फैसला किया है। नए आदेश के बाद अब पेट्रोल पंपों पर एक गाड़ी में एक दिन में सिर्फ 200 लीटर डीजल भरने की सीमा खत्म हो जाएगी, यानी अब आप अपनी गाड़ी में जितना चाहें उतना डीजल भरवा सकेंगे। इसके साथ ही फैक्ट्रियों और कमर्शियल खरीदारों पर लगी रोक भी हटा दी गई है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने 11 जून को पेट्रोल-डीजल की किल्लत की वजह से ये पाबंदियां लगाई थीं, जिन्हें सप्लाई सुधरने के बाद 29 जून के नए आदेश के जरिए वापस ले लिया गया है। पिछले 18 दिन से बड़े उपभोक्ता सिर्फ बल्क सेल पॉइंट्स से ही ईंधन खरीद रहे थे।

सरकार ने 1 जुलाई से कॉमर्शियल और इंडस्ट्रियल (औद्योगिक) ग्राहकों पर पेट्रोल-डीजल खरीदने के लिए लगी पाबंदियां पूरी तरह से हटा ली हैं। अब ये ग्राहक रीटेल पेट्रोल पंपों से सामान्य रूप से फ्यूल खरीद सकेंगे। इसके अलावा आम गाड़ियों या ट्रकों के लिए एक दिन में अधिकतम 200 लीटर डीजल खरीदने की लिमिट को भी खत्म कर दिया गया है। मंत्रालय ने देश में पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स की मौजूदा सप्लाई स्थिति की समीक्षा की है। सरकार का कहना है कि अब देश में ईंधन की सप्लाई व्यवस्था में सुधार हो गया है। ऐसे में जनहित को ध्यान में रखते हुए इन पाबंदियों की जरूरत नहीं है।

अमेरिका-ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण ग्लोबल लेवल पर एनर्जी मार्केट्स और कच्चे तेल की सप्लाई प्रभावित हुई थी।

## राज्यसभा के 8 नवनिर्वाचित सदस्यों ने ली शपथ

**नई दिल्ली।** राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने सोमवार को राज्यसभा में सात नवनिर्वाचित एवं पुनर्निर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई। शपथ लेने वाले सदस्यों में मानसिंह परमार, तरुण चुघ, डॉ. अलका सिंह, जितेंद्र मेघजीभाई कंजारिया, राजेंद्र हीरालाल जैन, एम. नागराजा तथा अधिकारिमायुम शारदा देवी शामिल हैं। साथ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी राज्यसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। वे कर्नाटक से लगातार दूसरी बार राज्यसभा सदस्य बने हैं। इनमें 5 सदस्यों ने हिन्दी, एक सदस्य ने कन्नड़, एक ने पंजाबी तथा एक ने मणिपुरी भाषा में शपथ लिया।

# जयपुर-अजमेर हाईवे पर ट्रक की टक्कर से बस पलटी, तीन की मौत, तीन गंभीर

### हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार

जयपुर

जयपुर-अजमेर राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर सोमवार सुबह एक तेज रफ्तार ट्रक द्वारा सड़क किनारे खड़ी बस को टक्कर मारने से हुए हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद बस सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। पुलिस के अनुसार हादसा सुबह करीब 5 बजे दूदू क्षेत्र के मोखमपुरा थाना इलाके में महला गांव के पास



हुआ। बस में करीब 20 लोग सवार थे, जो चित्तौड़गढ़ स्थित सांवरिया सेठ मंदिर के दर्शन कर जयपुर लौट रहे थे।

मोखमपुरा थाना अधिकारी सुरेश कुमार गुर्जर ने बताया लौटते समय बस का एक्सेल टूट गया था। इसके बाद चालक ने बस को सड़क किनारे खड़ा कर उसकी मरम्मत का प्रयास किया। इसी दौरान पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने बस को टक्कर मार दी। टक्कर से बस सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। उन्होंने बताया कि दुर्घटना में मधुराज (30) पुत्र सतीश, निवासी घाट की गुनी (जयपुर), राहुल हरिजन (29) पुत्र अनिल, निवासी चांदपोल (जयपुर) तथा बस चालक साताराम (30) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं तीन अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए।

# रिसॉर्ट की दीवार गिरी, 3 की मौत, 12 घायल

जयपुर

जयपुर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर चंदवाजी थाना क्षेत्र के ताला मोड़ स्थित निर्माणाधीन अरावली पैलेस रिसॉर्ट में सोमवार दोपहर बड़ा हादसा हो गया। इस हादसे में दो महिलाओं समेत तीन मजदूरों की मौत हो गई, जबकि बारह से अधिक मजदूर घायल हो गए। इनमें तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है।

जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया जिले के चंदवाजी थाना इलाके में सोमवार दोपहर 12:50 बजे रिसॉर्ट परिसर में सीवरेज गड्ढे में 24 से अधिक मजदूर कार्य कर रहे थे। इसी दौरान मिट्टी की भराई के



समय अचानक कंपन और मिट्टी धंसने से दीवार ढह गई। देखते ही देखते सीमेंट के ब्लॉक और मिट्टी का भारी मलबा मजदूरों पर आ गिरा, जिससे मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल राहत व बचाव अभियान शुरू किया गया। जेसीबी और अन्य संसाधनों की सहायता से मलबा हटाकर दबे मजदूरों को बाहर निकाला गया।

इस हादसे में रिंकू (32) पत्नी मनदीप, सविता पत्नी मनोज कुमार व बिहार निवासी रामजी मांझी (28) पुत्र रामप्रवेश की मौत हो गई। घायलों को निम्स अस्पताल में भर्ती कराया, जहां तीन मजदूरों का उपचार जारी है, जबकि अन्य को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। घटना के बाद निर्माण कार्य का ठेकेदार मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। प्रारंभिक जांच में निर्माण स्थल पर सुरक्षा मानकों के पालन को लेकर भी सवाल उठे हैं। पुलिस और प्रशासन यह जांच कर रहे हैं निर्माण कार्य के दौरान निर्धारित सुरक्षा उपाय अपनाए गए थे या नहीं। घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाले जाएंगे।

# इंडिगो की अहमदाबाद-मुंबई फ्लाइट की सूरत में इमरजेंसी लैंडिंग

### उड़ान के दौरान 3 साल का बच्चा बेहोश हुआ

सूरत

अहमदाबाद से मुंबई जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6श्च-7018 में सोमवार शाम 3 साल का बच्चा बेहोश हो गया। उसकी हालत बिगड़ने पर पायलट ने मेडिकल इमरजेंसी घोषित की। फ्लाइट की सूरत एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। बच्चे को सूरत के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

बच्चे की पहचान सौरभ के रूप में हुई है। फ्लाइट में मौजूद दो डॉक्टरों ने उसे प्राथमिक इलाज देने की कोशिश की, लेकिन हालत में सुधार नहीं हुआ। इसके बाद पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क कर सूरत एयरपोर्ट पर उतरने की अनुमति मांगी।

मेडिकल इमरजेंसी की सूचना मिलते ही सूरत एयरपोर्ट को अलर्ट कर दिया गया। एयरपोर्ट की मेडिकल टीम और इंडिगो की ग्राउंड टीम ने पहले से तैयारी कर ली। विमान के उतरते ही डॉक्टर अंदर पहुंचे। बच्चे को प्राथमिक इलाज देने के बाद एम्बुलेंस से प्राइवेट हॉस्पिटल भेज दिया गया।

### सीबीएसई ने तीन भाषा नीति लागू करने के लिए जारी किए दिशा-निर्देश

# बोर्ड ने कहा- मौजूदा 10वीं के छात्रों पर लागू नहीं होगी नई व्यवस्था, वे 'दो भाषाओं' के साथ देंगे बोर्ड परीक्षा

नई दिल्ली

केंद्रीय माध्य. शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप शैक्षणिक सत्र 2026-27 से संबद्ध स्कूलों में तीन-भाषा नीति लागू करने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान शैक्षणिक सत्र में कक्षा 10 के विद्यार्थियों पर नई व्यवस्था लागू नहीं होगी और वे पहले की तरह केवल दो भाषाओं के साथ अपनी बोर्ड परीक्षा देंगे।

सीबीएसई के अनुसार, कक्षा 9 (2026-27) में प्रवेश लेने वाले सभी विद्यार्थियों को तीन भाषाओं का अध्ययन करना होगा, जिनमें कम से कम दो भारतीय भाषाएं अनिवार्य होंगी। यदि कोई छात्र पहले से एक भारतीय भाषा और एक विदेशी भाषा पढ़ रहा है तो उसे तीसरी भाषा के रूप में भारतीय भाषा चुननी होगी। पहले से दो विदेशी भाषाएं पढ़ रहे छात्रों को एक बार की विशेष छूट के तहत उन दोनों भाषाओं के साथ एक अतिरिक्त भारतीय भाषा जोड़ने की अनुमति दी गई है।

बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया है कि वर्तमान में कक्षा 7, 8 और 9 में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए तीसरी भाषा का मूल्यांकन केवल स्कूल स्तर पर आंतरिक आकलन के माध्यम से होगा। जब ये विद्यार्थी कक्षा 10 में पहुंचेंगे, तब तीसरी भाषा की कोई सीबीएसई बोर्ड परीक्षा नहीं होगी।

# 22 राज्यों तक पहुंचे मानसून की रफ्तार धीमी पड़ी

नई दिल्ली

मानसून ने 24 जून तक देश के 22 राज्यों को कवर कर लिया है, लेकिन बीते 5 दिन से इसकी रफ्तार धीमी पड़ी है। यह मध्य प्रदेश, गुजरात और उत्तर प्रदेश के कई क्षेत्रों में आगे नहीं बढ़ पा रहा है।

मौसम विभाग के मुताबिक, मानसून 5 जुलाई तक बाकी राज्यों को कवर कर सकता है। 6 राज्यों मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली के कई इलाकों में प्री-मानसून बारिश जारी है।

विभाग ने असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल के निचले इलाकों और सिक्किम में आज तेज बारिश

और कुछ जगहों के लिए बहुत तेज बारिश की चेतावनी जारी की है।

मध्य प्रदेश में रविवार को बड़वानी के सेंधवा में उफनाए पुल पार करते समय एक ट्रैक्टर और उसका ड्राइवर बह गया। ड्राइवर अभी भी लापता है।

जयपुर। जयपुर और अलवर के कई इलाकों में सुबह-सुबह बारिश हुई। इससे लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली। उधर, उदयपुर संभाग के जिलों में पिछले दो-तीन से हो रही आंधी-बारिश की वजह से गर्मी कम हुई है। राज्य में तीन दिन 25 जिलों में आंधी-बारिश की चेतावनी है।

### केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में यमुना जल परियोजना का एमओए

# शेखावाटी क्षेत्र को अब मिल सकेगा यमुना का पानी

### राजस्थान के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि, शेखावाटी को मिलेगा यमुना का पानी

जयपुर

राजस्थान और हरियाणा के बीच दशकों से लंबित यमुना जल परियोजना को लेकर सोमवार को नई दिल्ली स्थित कर्तव्य भवन में ऐतिहासिक समझौता (एमओए) संपन्न हुआ। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुए इस समझौते पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल, राजस्थान के मुख्यमंत्री



भजनलाल शर्मा तथा हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हस्ताक्षर किए। इस समझौते के साथ ही राजस्थान को अपने हिस्से का यमुना जल उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त हो गया है, जिससे विशेष रूप से शेखावाटी क्षेत्र की वर्षों पुरानी पेयजल समस्या के समाधान की उम्मीद जगी है।

करीब 34,102 करोड़ रुपये की लागत वाली इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से लगभग 295.5 किलोमीटर लंबी भूमिगत पाइपलाइन बिछाकर राजस्थान के चूरू जिले के हंसियावास जलाशय तक यमुना का पानी पहुंचाया जाएगा। परियोजना में तीन भूमिगत पाइपलाइन, निरीक्षण मार्ग, कृत्रिम जलाशय और आधुनिक जल प्रबंधन प्रणाली का निर्माण किया जाएगा। राजस्थान सरकार परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) केंद्रीय जल आयोग को भेज चुकी है, जबकि हरियाणा सरकार पाइपलाइन अलाइनमेंट को सैद्धांतिक स्वीकृति दे चुकी है। परियोजना के निर्माण एवं संचालन के लिए राजस्थान-हरियाणा यमुना वाटर एसपीवी का गठन भी किया जाएगा।

समझौते के अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने इसे सहकारी संघवाद का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए कहा कि इससे हरियाणा और राजस्थान के लोगों की लगभग तीन दशक पुरानी जल समस्या का समाधान होगा। उन्होंने कहा कि यह समझौता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सहकारी संघवाद की सोच को साकार करता है। उन्होंने कहा कि परियोजना से विशेष रूप से राजस्थान में पेयजल संकट कम होगा और लोगों के साथ-साथ धरती की प्यास भी बुझेगी।

अमित शाह ने बताया कि समझौते में वित्तीय जिम्मेदारी, लागत साझेदारी, जल आवंटन, जल छोड़ने के प्रोटोकॉल, संचालन, रखरखाव, निगरानी तंत्र, पारदर्शिता और विवाद समाधान जैसे सभी महत्वपूर्ण पहलुओं को वैज्ञानिक तरीके से शामिल किया गया है। उनका कहना था कि यह मॉडल आने वाले वर्षों में अंतरराज्यीय जल प्रबंधन के लिए आदर्श उदाहरण बनेगा।

यमुना जल समझौते को राजस्थान की जल सुरक्षा मजबूत करने की दिशा में मील का पत्थर माना जा रहा है। इसके सफल क्रियान्वयन से शेखावाटी क्षेत्र के लाखों लोगों को दीर्घकालिक पेयजल उपलब्ध होगा तथा भविष्य में ऊपरी यमुना बेसिन की प्रमुख भंडारण परियोजनाएं पूरी होने के बाद सिंचाई सहित अन्य आवश्यकताओं के लिए भी जल उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त होगा।

# अमेरिका और ईरान एक-दूसरे पर हमले रोकने पर राजी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

अमेरिका और ईरान ने फिलहाल एक-दूसरे पर सैन्य हमले रोकने पर सहमति जताई है। दोनों देशों के बीच पिछले 3 दिनों से हमले जारी थे।अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, अमेरिका-ईरान में 17 जून को हुए समझौते के सभी बिंदुओं पर बातचीत जारी रहेगी। इसी सिलसिले में मंगलवार को कतर में दोनों देशों के प्रतिनिधि तकनीकी स्तर की वार्ता करेंगे।समझौते के तहत होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले व्यावसायिक जहाजों की आवाजाही नहीं रोकी जाएगी। हाल के दिनों में इसी जलमार्ग को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया था।

अमेरिका ने ईरान के मिसाइल और रडार ठिकानों पर कार्रवाई की थी, जबकि ईरान ने जवाब में कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया था। इसके बाद दोनों देशों ने फिलहाल सैन्य कार्रवाई रोककर बातचीत के जरिए समाधान तलाशने पर सहमति जताई है।

अमेरिका ने कहा है कि ईरान के साथ मंगलवार को कतर की राजधानी दोहा में उच्चस्तरीय बैठक होगी। इसमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दो करीबी सहयोगी स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर हिस्सा लेंगे। इसके साथ ही दोनों देशों की तकनीकी टीमों के बीच भी अलग से बातचीत होगी।

## धर्मांतरण के लिए 6 दिन तक बंधक बनाकर किया प्रताड़ित

कानपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कानपुर से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहाँ एक नाबालिग लड़की को बंधक बनाकर उसके साथ बर्बरता की गई और जबरन धर्मांतरण का प्रयास किया गया। कल्याणपुर के रावतपुर की रहने वाली 17 वर्षीय किशोरी को बेकनगंज में छह दिन तक बंधक बनाकर यातनाएं दी गईं। आरोप है कि अरमान नाम के युवक और उसके घरवालों ने किशोरी से जबरन कलमा पढ़वाया, उसे बुर्का पहनाकर रखा और धर्मांतरण का दबाव बनाया। जब किशोरी ने विरोध किया, तो उसे गर्म चिमटों से दागा गया और प्रतिबंधित मांस खिलाने का भी प्रयास किया गया। यह घटना पूरे शहर में सनसनी फैला रही है। किशोरी ने अपनी आपबीती बताते हुए कहा कि कुछ दिन पहले मोतीझील में उसकी मुलाकात बेकनगंज निवासी अरमान से हुई थी। अरमान ने दोस्ती का झांसा देकर उससे फोन पर बात करना शुरू किया। 21 जून को जब वह नमक फैक्ट्री चौराहा पहुंची, तो अरमान अपनी कार से वहाँ आया और उसे मिलने बुलाया। किशोरी के अनुसार, जब वह कार के पास पहुंची, तो अरमान के साथ उसके दो अन्य साथी भी मौजूद थे। सभी ने उससे कारगिल पार्क घूमने चलने की बात कही और उसे जबरन कार में बिठा लिया। इसके बाद, अरमान उसे घर छोड़ने के बहाने अपने घर बेकनगंज ले गया और वहीं बंधक बना लिया। बंधक बनाने के बाद, अरमान और उसके परिवार के सदस्यों ने किशोरी पर धर्मांतरण का लगातार दबाव बनाना शुरू कर दिया। किशोरी के मुताबिक, घर में उसे बुर्का पहनाकर रखा जाता था और जबरन कलमा पढ़वाया जाता था। जब उसने कलमा पढ़ने या बुर्का पहनने से इनकार किया, तो आरोपी और उसके परिवार वाले, जिनमें घर की महिलाएं और युवतियां भी शामिल थीं, उसके साथ बेरहमी से मारपीट करते थे। विरोध करने पर उसे गर्म चिमटों से भी दागा गया, जिससे उसके शरीर पर गहरे चोट के निशान पड़ गए। इतना ही नहीं, उसे भूखा रखा गया और सऊदी अरब ले जाकर बेचने की धमकी भी दी गई, ताकि वह उनके दबाव में आकर धर्मांतरण कर ले।

## 7 वर्षीय बच्ची के अपहरण की कोशिश की आशंका, ग्रामीणों की सतर्कता से सकुशल परिजनों तक पहुंची शिवांगी

पश्चिमी सिंहभूम (एजेंसी)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर थाना क्षेत्र के कोटूवां गांव की 7 वर्षीय शिवांगी हेम्ब्रम शनिवार सुबह रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गई। बच्ची के अचानक गायब होने से परिवार और पूरे गांव में हड़कंप मच गया। परिजनों एवं ग्रामीणों ने काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। शनिवार दोपहर करीब 11 बजे कराईकेला थाना क्षेत्र के बैंगटांगर गांव निवासी जेना होनहागा ने बच्ची को गांव के समीप रोते हुए देखा। उन्होंने मानवता का परिचय देते हुए बच्ची को अपने घर ले जाकर सुरक्षित रखा। क्षेत्र में नेटवर्क नहीं होने के कारण वे पूरे दिन किसी को इसकी सूचना नहीं दे सके। शनिवार रात करीब 10 बजे नेटवर्क उपलब्ध होने पर जेना होनहागा ने मुखिया कुश पूर्ति सहित अन्य लोगों को सूचना दी। इसके बाद मुखिया ने सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से बच्ची की जानकारी साझा की। रविवार सुबह सूचना मिलने पर शिवांगी के परिजन बैंगटांगर पहुंचे और ग्रामीणों के साथ कराईकेला थाना पहुंचे। वहां थाना प्रभारी प्यारे हसन की मौजूदगी में आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद बच्ची को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। ग्रामीणों के अनुसार, आशंका है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने मोटरसाइकिल से बच्ची के अपहरण का प्रयास किया। बताया जा रहा है कि बच्ची के लगातार रोने पर उसे बैंगटांगर के समीप छोड़कर आरोपी फरार हो गया। कोटूवां से बैंगटांगर की दूरी लगभग 12 किलोमीटर है और बच्ची इस क्षेत्र से पूरी तरह अनजान थी। ऐसे में ग्रामीणों का मानना है कि वह इतनी दूरी अकेले पैदल तय नहीं कर सकती। फिलहाल बच्ची सदमे में होने के कारण घटना के बारे में स्पष्ट रूप से कुछ नहीं बता पा रही है। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और घटना के जिम्मेदार लोगों की पहचान कर सच्चाई सामने लाने का प्रयास कर रही है।

## जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटे, उनका राशन बंद, पश्चिम बंगाल सरकार का आदेश

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद मतदाता सूची से नाम हटाए जाने का विवाद लगातार गहराता जा रहा है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पहले लगभग 63 लाख नाम अंतिम सूची से हटाए गए थे और बाद की जांच प्रक्रिया में करीब 27 लाख मतदाताओं के नाम भी अयोग्य घोषित किए गए। इनमें से लगभग 27 लाख प्रभावित लोगों ने अपीलीय ट्रिब्यूनलों का रुख किया है। इसी बीच राज्य सरकार के खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने निर्देश जारी कर कहा है कि जिन व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची से हट चुके हैं, उनके राशन कार्ड निष्क्रिय किए जाएं। हालांकि जिनकी अपील ट्रिब्यूनल में लंबित है या अन्य निर्धारित श्रेणियों में आते हैं, उन्हें निर्णय होने तक राशन मिलता रहेगा। इस फैसले के बाद प्रभावित परिवारों में नाराजगी बढ़ गई है। कई लोगों का कहना है कि अपील लंबित रहने के दौरान राशन जैसी बुनियादी सुविधा को मतदाता सूची से जोड़ना उचित नहीं है। मामले को लेकर कानूनी और राजनीतिक बहस भी तेज हो गई है। जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटे,उनका राशन बंद.

## तेजस्वी यादव के आवास में शिफ्ट होंगे लालू-राबड़ी

पटना (एजेंसी)। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव फिलहाल नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के सरकारी आवास में शिफ्ट होंगे। राबड़ी देवी को आवंटित 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास खाली करने की अंतिम तिथि सोमवार, 29 जून निर्धारित की गई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सरकार की ओर से राबड़ी देवी को 39 हार्डिंग रोड स्थित नया आवास आवंटित किया गया है, लेकिन बताया जा रहा है कि वहां निर्माण और मरम्मत का कार्य अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। सूत्रों के अनुसार नए आवास का लगभग 70 प्रतिशत कार्य ही पूरा हो पाया है। ऐसी स्थिति में लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी फिलहाल अपने पुत्र और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के 1 पोलो रोड स्थित सरकारी आवास में रहेंगे। पूरा परिवार कुछ समय तक इसी आवास में रहेगा। राजनीतिक हलकों में इस घटनाक्रम को लेकर चर्चा बनी हुई है। हालांकि राष्ट्रीय जनता दल की ओर से इसे पूरी तरह प्रशासनिक और आवासीय व्यवस्था से जुड़ा विषय बताया गया है।

# 5 सांसद पाला बदलने को तैयार, शिंदे गुट में शामिल होने पर फंसा पेंच

### शरद पवार के खेमे में टूट की आशंका

**मुंबई (एजेंसी)।** महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर बड़े उलटफेर और बगावत की सुगबुगाहट तेज हो गई है, जिससे राज्य का राजनीतिक परिदृश्य गरमा गया है। हाल ही में उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना (यूबीटी) के छह लोकसभा सांसदों के एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल होने के बाद, अब राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा जोरों पर है कि अगला निशाना शरद पवार की पार्टी एनसीपी (एसपी) हो सकती है। सूत्रों के अनुसार, शरद पवार गुट के कम से कम पांच लोकसभा सांसद विपक्षी महाविकास अघाड़ी (एमवीए) का साथ छोड़कर सत्ताधारी महायुति गठबंधन का दामन थामने की तैयारी में हैं, जिससे एनडीए की लोकसभा सीटों में और इजाफा हो सकता है।हालांकि, इस संभावित टूट के पीछे एक बेहद दिलचस्प और जटिल पेंच फंसा हुआ है। आमतौर पर किसी पार्टी में टूट होने पर उसके बागी सांसद या विधायक अपने ही विरोधी धड़े में शामिल होते हैं, लेकिन इस मामले में चौंकाने वाली बात यह है कि एनसीपी (एसपी) के इन सांसदों को अजीत पवार के नेतृत्व वाले पारंपरिक विरोधी गुट द्वारा नहीं, बल्कि एकनाथ शिंदे की शिवसेना द्वारा पाले में लाने की कोशिश की जा रही है।

बता दें कि एनसीपी की कमान अब सुनेत्रा पवार के हाथों में है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इसके पीछे अजीत पवार की पार्टी के भीतर चल रही अंदरूनी कलह और अस्थिरता सबसे बड़ी वजह है। अजीत पवार के गुट में जारी संगठनात्मक उथल-पुथल और नेतृत्व की कमजोर स्थिति उसे दूसरी पार्टी में बड़ी सेंधमारी करने की स्थिति में नहीं छोड़ रही है। अजीत पवार की पार्टी में इस समय अंदरूनी खींचतान चरम पर है, जिसकी मुख्य वजह उनके बेटे पार्थ पवार का तेजी से बढ़ता वर्चस्व माना जा रहा है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि पार्थ पवार वरिष्ठ और कद्दावर नेताओं जैसे कि प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे को भरोसे में लिए बिना संगठन से जुड़े बड़े और महत्वपूर्ण फैसले ले रहे हैं। इस रवैए के कारण पार्टी के पुराने और अनुभवी नेताओं में भारी नाराजगी और असहजता का माहौल है। बात सिर्फ पार्टी संगठन तक ही सीमित नहीं है, आरोप यह भी लग रहे हैं कि पार्थ पवार अब देवेंद्र फडणवीस सरकार में शामिल एनसीपी कोटे के मंत्रियों के कामकाज और उनके विभागों में भी सीधा दखल देने लगे हैं। सूत्रों के अनुसार, एनसीपी के कुछ मंत्रियों ने शीर्ष स्तर पर शिकायत दर्ज कराई है कि पार्थ पवार उनके अधीन आने वाले विभागों द्वारा जारी किए जाने वाले टेंडरों की विस्तृत और गोपनीय जानकारी मांग रहे हैं, जिससे उनके कामकाज में अनावश्यक हस्तक्षेप बढ़ रहा है। महाराष्ट्र के राजनीतिक घटनाक्रम पर बारीक नजर रखने वाले जानकारों का कहना है कि पार्थ पवार अपने पिता की राजनीतिक विरासत पर पूरी तरह से नियंत्रण हासिल करने के लिए बहुत तेजी से कदम बढ़ा रहे हैं। वे पार्टी के भीतर खुद को निर्विवाद नेता के रूप में स्थापित करने की कोशिश में जुटे हैं। उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं सिर्फ महाराष्ट्र तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे दिल्ली में भी अपनी जमीन मजबूत कर रहे हैं। हाल ही में पार्थ पवार ने दिल्ली का दौरा किया और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कई शीर्ष नेताओं से मुलाकात की। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, इस बैठक के दौरान पार्थ पवार ने बीजेपी नेतृत्व के सामने एक बड़ी मांग रखी है। उन्होंने अनुरोध किया है कि भविष्य में बीजेपी और एनसीपी के बीच होने वाली सभी राजनीतिक वार्ताओं, सीट शेयरिंग या किसी भी तरह के समन्वय को केवल उन्हीं के जरिए रूट किया जाए। यानी वे खुद को बीजेपी और अपनी पार्टी के बीच एकमात्र आधिकारिक संपर्क सूत्र के रूप में स्थापित करना चाहते हैं, जो उनकी बढ़ती महत्वाकांक्षाओं और पार्टी के भीतर उनके बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है।

## खान सर के गार्ड ने अवैध हथियार से चलाई थी गोली

-दोनों बॉडीगार्ड्स के हथियारों के वेरिफिकेशन के बाद हुआ खुलासा

पटना (एजेंसी)। पटना पुलिस की जांच में फैजल खान (खान सर) के दोनों बॉडीगार्ड्स के हथियारों के वेरिफिकेशन के दौरान अहम जानकारियां सामने आई हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक जिस हथियार से गोली चलवाई गई थी, वह तालेबर सिंह (34), निवासी कासगंज (यूपी) का है, लेकिन उसके नाम पर जारी हथियार लाइसेंस का परमिट पूरे भारत के लिए मान्य नहीं पाया गया। आरोप है कि उत्तर प्रदेश से बिहार में हथियार लेकर आने, हथियार लेकर सुरक्षा ड्यूटी करने के लिए तालेबर सिंह के पास वैध अनुमति नहीं थी। फिर भी वह बिहार में बॉडीगार्ड की नौकरी कर रहा था। पुलिस ने फायरिंग में इस्तेमाल किए गए हथियारों और उनके लाइसेंस की जांच के बाद कई बिंदुओं को अपडेटेड केस डायरी में शामिल किया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक तालेबर सिंह गैर कानूनी तरीके से हथियार लेकर बिहार में बॉडीगार्ड की नौकरी कर रहा था। जांच में यह भी सामने आया कि बिहार में हथियार के साथ नौकरी करने की जानकारी स्थानीय प्रशासन, आर्म्स मजिस्ट्रेट या संबंधित थाने को नहीं दी गई थी, जो कानूनन अपराध है। बिना अनुमति के हथियार लेकर बिहार में काम करना कानून के दायरे में जांच का विषय है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खान सर ने तालेबर सिंह को बॉडी गार्ड के तौर पर हायर किया, उन्होंने भी कभी इसका पुलिस वेरिफिकेशन नहीं कराया। उन्हें एक रिस्पॉन्सिबल व्यक्ति होने के चलते कानूनी प्रक्रिया को पूरा करना चाहिए था।

## टीएमसी के बागी गुट ने फिर की बैठक, नाम, चुनाव चिह्न किया इस्तेमाल

**-नहीं लगाई ममता बनर्जी की तस्वीर, नगर निगम चुनाव को लेकर की चर्चा**

**कोलकाता (एजेंसी)।** तृणमूल कांग्रेस के बागी गुट ने एक हफ्ते में दूसरी बार बैठक की। इसमें 47 पूर्व पार्षदों शामिल हुए। बैठक पूर्वी कोलकाता के टॉपसिया इलाके में हुई। इससे पहले 22 जून को न्यू टाउन में भी बागी गुट की बैठक हुई थी। दोनों बैठकों में टीएमसी का नाम और चुनाव चिह्न इस्तेमाल किया गया, लेकिन ममता बनर्जी की तस्वीर नहीं लगाई गई। इधर ममता बनर्जी गुट की डोला सेन ने न्यू टाउन और प्रगति मैदान थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में फर्जी दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक संदेश प्रसारित करने के साथ बिना अनुमति बैठक करने का भी आरोप लगाया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बागी विधायक संदीपन साहा ने कहा कि उनकी ही असली तृणमूल कांग्रेस है। हमारे पास पर्याप्त संख्या है। हम विधानसभा में प्रमुख विपक्ष हैं। साहा ने कहा कि राष्ट्रीय कार्यसमिति का गठन हो चुका है और जल्द ही राजनीतिक कार्यक्रमों की घोषणा की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक बैठक में कोलकाता नगर निगम चुनाव की तैयारी पर चर्चा हुई। इस साल दिसंबर में चुनाव हो सकते हैं। दरअसल 8 जून को कोलकाता नगर निगम का बोर्ड भंग कर दिया गया था। इसके बाद सभी पार्षदों, चेयरपर्सन और मेयर-इन-काउंसिल के सदस्यों का कार्यकाल खत्म हो गया। प्रशासनिक जिम्मेदारी प्रशासक को सौंप दी गई। पूर्व मेयर फिरहाद हकीम इस बैठक में शामिल नहीं हुए।

21 जुलाई को शहीद दिवस पर होने वाली रैली के लिए ममता बनर्जी गुट और बागी गुट, दोनों ने कोलकाता के धर्मतला में कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति मांगी है। ममता गुट का कहना है कि वह पिछले 33 सालों से वहीं रैली करता आ रहा है। वहीं बागी गुट ने भी उसी जगह रैली करने के लिए आवेदन देने की बात कही है। हालांकि, अनुमति नहीं मिलने पर उसने वैकल्पिक स्थान पर कार्यक्रम करने का संकेत दिया है। बागी विधायक अखरुज्जमान ने कहा कि इस बार शहीदों के परिजनों को केंद्र में रखकर कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा कि पार्टी का सिंबल और जनसमर्थन ममता बनर्जी के नेतृत्व से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि कुछ विधायक, सांसद या पार्षद पार्टी छोड़ दें, इससे जनादेश नहीं बदलता।

# धर्मेंद्र प्रधान का बदलेगा मंत्रालय, सीतारमण संभालेंगी?

### मोदी कैबिनेट में जल्द होगा संभावित फेरबदल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कैबिनेट में जल्द ही एक बड़े फेरबदल की अटकलें तेज हो गई हैं, जिसे संसद के मॉनसून सत्र से पहले अंजाम दिया जा सकता है। राजनीतिक गलियारों में इस बात की जोरदार चर्चा है कि कई मंत्रियों को बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है, जबकि कुछ विवादों में घिरे मंत्रियों के विभागों में बड़े बदलाव हो सकते हैं। इन बदलावों के केंद्र में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का नाम प्रमुखता से लिया जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, वर्तमान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को शिक्षा मंत्रालय का महत्वपूर्ण जिम्मा सौंपा जा सकता है, जबकि पूर्व आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास को देश का नया वित्त मंत्री बनाया जा सकता है। शिक्षा मंत्रालय में इस संभावित बदलाव की मुख्य वजह हाल ही में हुए नीट पेपर लीक मामले को माना जा रहा है, जिसने देश भर में व्यापक विरोध प्रदर्शनों को जन्म दिया है। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग लगातार उठ रही है, और सरकार पर इस मामले में कड़े कदम उठाने का दबाव है। ऐसे में, यदि प्रधान से शिक्षा मंत्रालय वापस लिया जाता है, तो यह सरकार के लिए एक मजबूत संदेश हो सकता है कि वह जनभावनाओं के प्रति संवेदनशील है। वित्त मंत्रालय के लिए शक्तिकांत दास का नाम कई मायनों में महत्वपूर्ण है। 69 वर्षीय दास, जो पूर्व आईएएस अधिकारी और भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रह चुके हैं, के पास सरकार के साथ काम करने और वित्तीय मामलों का लंबा अनुभव है। यदि वे वित्त मंत्री बनते हैं, तो वे पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह और पूर्व वित्त मंत्री सीडी देशमुख जैसी शख्सियतों की श्रेणी में शामिल हो जाएंगे, जिन्होंने आरबीआई गवर्नर के रूप में कार्य करने के बाद देश के वित्त मंत्री का पद संभाला।

दास को कर, निवेश और आर्थिक नीति की गहरी समझ है, और उन्होंने वित्त मंत्रालय में रहते हुए आठ केंद्रीय बजटों को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 2018 से 2024 तक आरबीआई गवर्नर के रूप में उनके कार्यकाल में उन्हें वैश्विक स्तर पर पहचान मिली और उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर के कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। हालांकि, चूंकि शक्तिकांत दास वर्तमान में किसी सदन के सदस्य नहीं हैं, इसलिए उन्हें छह महीने के भीतर राज्यसभा भेजा जा सकता है। अटकलें हैं कि उन्हें उत्तर प्रदेश से राज्यसभा भेजा जा सकता है, जहां नवंबर 2026 में 10 राज्यसभा सीटें खाली होंगी। आगामी कैबिनेट फेरबदल में उत्तर प्रदेश और पंजाब जैसे राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों को भी ध्यान में रखा जा रहा है। पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनावों के मद्देनजर, पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी की जगह पंजाब से किसी सिख चेहरे को, जैसे राघव चड्ढा को केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है। वर्तमान में पंजाब से रवनीत सिंह बिट्टू केंद्रीय मंत्रिमंडल का हिस्सा हैं। इसके अलावा, बिहार से नीतीश कुमार, महाराष्ट्र से श्रीकांत शिंदे (जो उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बेटे हैं और शिवसेना यूबीटी के 6 सांसदों को एनडीए के साथ लाए हैं), और टीएमसी छोड़कर एनसीपीआई में शामिल हुए सुखेंदु शेखर राय जैसे नए चेहरों को भी केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह मिलने की संभावना है। वहीं, अनुराग ठाकुर को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। कुछ मंत्रियों के पोर्टफोलियो में बदलाव या उन्हें बाहर का रास्ता दिखाए जाने की भी संभावना है, जिनमें मनोहर लाल खट्टर, अश्विनी वैष्णव, हरदीप सिंह पुरी और नितिन गडकरी जैसे नाम शामिल हैं। विशेषकर नौकरशाही से आए दो मंत्रियों, अश्विनी वैष्णव और हरदीप सिंह पुरी की भूमिकाओं में कमी की जा सकती है। राजनीतिक जानकारों का यह भी मानना है कि मंत्रिमंडल में होने वाले फेरबदल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की पसंद का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा, जिसकी झलक हाल ही में भाजपा और आरएसएस पदाधिकारियों की बैठक में मिली थी।

# जंतर-मंतर पर सोनम वांगचुक की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू

**-शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग**

**-नीट पेपर लीक और सीबीएसई गड़बड़ियों के विरोध में आंदोलन हुआ तेज**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** देश के प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने रविवार को जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी। नीट पेपर लीक, परीक्षा रद्ध और री-एग्जाम के साथ ही सीबीएसई से जुड़ी कथित अनियमितताओं के विरोध में चल रहे आंदोलन को इससे नया बल मिला है। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व में चल रहे इस प्रदर्शन का रविवार को नौवां दिन रहा।

यहां बताते चलें कि सीजेपी पिछले 20 जून से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन कर रही है। रविवार को सोनम वांगचुक के भूख हड़ताल शुरू करते ही जंतर-मंतर पर बड़ी संख्या में छात्र, युवा और प्रदर्शनकारी जुटने लगे। आंदोलन में कई किसान संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। भूख हड़ताल शुरू करने से पहले सोनम वांगचुक और पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने राजघाट पहुंचकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद दोनों जंतर-मंतर पहुंचे और आंदोलन को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर अभिजीत दीपके ने कहा कि जब तक शिक्षा मंत्री का इस्तीफा नहीं होता और परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित नहीं की जाती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि परीक्षा प्रणाली में लगातार सामने आ रही अनियमितताओं ने छात्रों के भविष्य को प्रभावित किया है। प्रदर्शन स्थल पर छात्रों ने परीक्षा व्यवस्था में सुधार, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग भी उठाई। प्रशासन की ओर से जंतर-मंतर क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है।

# पुणे मर्डर केस में घटनास्थल पर सीन रीक्रिएट, पुलिस ने की गहन जांच

### लोहगढ़ किले पर आरोपियों को ले जाकर घटना दोहराई

**पुणे (एजेंसी)।** चर्चित पुणे मर्डर केस की जांच में पुलिस ने रविवार को महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए लोहगढ़ किले पर घटनास्थल का सीन रीक्रिएट किया। पुलिस टीम सुबह केतन मडर केस की आरोपी सिया गोयल और चेतन चौधरी को किले पर लेकर पहुंची, जहां लगभग ढाई घंटे तक जांच प्रक्रिया चली।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, केतन के समान वजन की एक डमी तैयार की गई थी, जिसके माध्यम से घटना को दोहराकर यह समझने का प्रयास किया गया कि कथित वारदात किस प्रकार अंजाम दी गई। डीएसपी गजानन टोंपे ने बताया कि आरोपी सिया गोयल के बताए अनुसार पूरे घटनाक्रम का पुनर्निर्माण किया गया। जांच के दौरान पुलिस को कई महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य भी मिले हैं। अधिकारियों के मुताबिक, सिया और चेतन ने कथित तौर पर गूगल पर लोहगढ़ किले के खतरनाक स्थानों और गहरी खाइयों से संबंधित जानकारी खोजी थी। पुलिस का दावा है कि आरोपियों ने इंटरनेट पर ऐसे सवाल भी सर्च किए, जिनमें पुलिस जांच से बचने, सबूत मिटाने और पूछताछ के दौरान जवाब देने से जुड़ी जानकारियां शामिल थीं। साथ ही, व्हाट्सएप संदेशों को हटाने संबंधी गतिविधियों की भी जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार, चेतन चौधरी ने घटना वाले दिन अपनी पहचान छिपाने के लिए अपना मोबाइल फोन एक दुकान पर छोड़ दिया था और दूसरे मोबाइल का इस्तेमाल किया था। डिलीट किए गए व्हाट्सएप संदेशों की फोरेंसिक जांच कराई जा रही है। हालांकि पुलिस ने कहा है कि मामले की जांच अभी जारी है और अंतिम निष्कर्ष सभी वैज्ञानिक एवं फोरेंसिक साक्ष्यों के विश्लेषण के बाद ही सामने आएंगे।

# किसी ने मंहगी जमीन व फ्लैट खरीदे तो किसी ने लक्जरी गाड़ियां, बन गए धनवान

**-खुलासा : राम मंदिर चढ़ावा की गणना से जुड़ते ही आरोपियों की बदली आर्थिक स्थिति**

**अयोध्या (एजेंसी)।** राम मंदिर की कई व्यवस्थाओं से जुड़ने के उपरांत चढ़ावा चोरी में पकड़े गए आरोपितों की आर्थिक स्थिति सुधरती चली गई थी। किसी ने महंगी जमीनें खरीदीं, तो किसी ने फ्लैट। किसी ने लग्जरी वाहन खरीद लिए, तो किसी ने बना बनाया घर। यही नहीं गणना कार्य से इन कर्मियों को जोड़ा गया, तो इसमें ज्यादा लाभ को देखकर कइयों ने अपने रिश्तेदारों को भी ट्रस्टियों से पैरवी करके रखवा दिया गया। इससे भी बात नहीं बनी, तो स्थानीय जनप्रतिनिधियों से अनुशंसा करा दी।

जानकारी के मुताबकि आरोपित लाभ कमाते रहे, अपने रिश्तेदारों और परिजनों की भी यदा-कदा सहायता करते रहे। आरोपितों के जेल चले जाने के बाद अब इनके परिजनों में मायूसी है, तो कुछ मंदिर से जुड़े अन्य लोगों की भी इसमें संलिप्तता की बात कह कर न्याय मिलने की आस संजोए हैं। मिल्कीपुर के बसावां गांव के रहने वाले अनुकल्प मिश्रा का परिवार पहले जैसे-तैसे गुजर-बसर करता रहा। बताते हैं जब उसे एक ट्रस्टी व कुछ स्थानीय जनप्रतिनिधियों की निकटता का लाभ मिला और वह एक कर्मी के रूप में मंदिर की व्यवस्थाओं से जुड़ा तो कुछ ही समय में पूरे परिवार की आर्थिक स्थिति बदल गई और इसका परिवार गांव में धनी परिवारों में शामिल हो गया।

अनुकल्प मिश्रा की चाची नेहा मिश्रा की मानें तो उसने अपने अन्य चाचा की भी मदद की और रिश्तेदारों की भी। स्वयं नोएडा के एक अपार्टमेंट में फ्लैट लिया और रिश्तेदार को लखनऊ में बीबीडी कालेज के सामने भूखंड खरीदवाया। उसने लोकगायक दिवाकर द्विवेदी के कौशलपुरी स्थित आवास को करीब 62 लाख रुपए में खरीद लिया और यहीं अपने परिवार के साथ रहने लगा। वहीं, इसका बहनोई रुदौली के फगौली ठाकुरान निवासी लवकुश मिश्र पहले एक साधारण कार मिस्त्री रहा।

इसी तरह अयोध्याधाम के स्वर्गद्वार मोहल्ले का रहने वाला रामशंकर यादव टिन्नू विश्व हिंदू परिषद में रहने के बाद जब मंदिर की व्यवस्थाओं से जुड़ा तो ट्रस्ट महासचिव के साथ उसकी निकटता का उसे काफी लाभ मिला। वह मंदिर की प्रत्येक व्यवस्थाओं में दखल देने लगा। यहां तक कि नकदी की गणना जहां होती थी, वहां भी वह बेधड़क पहुंचता रहा। एसआइटी जांच में उसके पास दानपात्रों की चाबियां मिलने से यह प्रमाणित भी हो गया। इसी कारण उसने चार-पांच महीने पहले अपने भतीजे मनीष यादव को भी न केवल ट्रस्ट का कर्मी बनवा दिया था, बल्कि उसे भी गणना में रखवा दिया। दोनों के जेल चले जाने के बाद अब इसके परिवार के लोग हैरान व परेशान हैं।

हालांकि टिन्नू यादव की पत्नी पूनम यादव तो अभी भी पति को निर्दोष बताते हुए साजिशन फंसाने का आरोप लगाती हैं। वहीं, अविनाश शुक्ल के बारे में भी बताया जाता है कि उसने अयोध्या में ही कहीं प्लाट खरीद लिया है, लेकिन वह नाका पर किराए के कमरे में रहता था।

# अक्षय पात्र की अनूठी पहलः 11 जिलों में बदली सरकारी स्कूलों की सूरत

## रंग-रोगन और स्वच्छता अभियान से चमके स्कूल, दीवारों पर उकेरे पर्यावरण-अनुकूल रंग

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

सरकारी स्कूलों को निजी शिक्षण संस्थानों जैसा बेहतर शैक्षणिक माहौल देने के लिए अक्षय पात्र संस्था ने प्रदेश के 11 जिलों में विशेष रंगाई-पुताई एवं स्वच्छता अभियान चलाया है। इसके तहत स्कूलों को नया और आकर्षक स्वरूप दिया गया है। अक्षय पात्र राजस्थान के वाइस प्रेसिडेंट रघुपति दास प्रभु के मार्गदर्शन में शुरू हुए इस अभियान के तहत भीलवाड़ा जिले के चार स्कूलों का पूरी तरह कायाकल्प किया गया। संस्था के शाखा प्रबंधक दर्शन सिंह ने बताया कि स्वच्छ और सुव्यवस्थित परिसर

ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की पहली सीढ़ी है। इसी सोच के साथ स्कूल की दीवारों, कक्षाओं और पूरे परिसर की मरम्मत कर पर्यावरण-अनुकूल रंगों से पेंटिंग की गई है।

### इन 4 स्कूलों की बदली सूरत

इस अभियान में स्थानीय ग्रामीणों, स्कूल स्टाफ और संस्था के कर्मियों ने श्रमदान कर सक्रिय भागीदारी निभाई। भीलवाड़ा के जिन चार स्कूलों को चमकाया गया है, उनमें शामिल हैं:

1. राजकीय प्राथमिक विद्यालय, ठगो का खेड़ा 2. राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय, बापू नगर 3. राजकीय प्राथमिक विद्यालय, हीरा जी का खेड़ा 4. राजकीय प्राथमिक विद्यालय, कीरत पुरा

संस्था पदाधिकारियों के अनुसार शिक्षा, स्वच्छता और सामाजिक सरोकार के ऐसे कार्य भविष्य में भी जारी रहेंगे।

# 7 लाख की साइबर ठगी का मास्टरमाइंड मेवात से गिरफ्तार, फर्जी सिम से उड़ाई थी बुजुर्ग की जीवनभर की जमा-पूंजी

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** भीलवाड़ा साइबर थाना पुलिस ने 7.05 लाख रुपये की ऑनलाइन ठगी के मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए मुख्य आरोपी को अलवर-मेवात क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने फर्जी सिम के जरिए यूपीआई आईडी बनाकर एक बुजुर्ग के बैंक खाते से लाखों रुपये ट्रांसफर कर साइबर धोखाधड़ी को अंजाम दिया था।

जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारस जैन के सुपरविजन तथा साइबर थाना प्रभारी रामशरण के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने तकनीकी अनुसंधान के आधार पर आरोपी कायम खान (23) पुत्र रूद्दार खान, निवासी घाटी का बास चांदौली, थाना विजय मंदिर, जिला अलवर को गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार करेडा थाना क्षेत्र के नाथू सिंह (75) पुत्र सुमेर सिंह चुंडावत ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके बैंक ऑफ बड़ौदा, करेडा शाखा स्थित खाते में 5 मार्च 2025 को 7,05,683.06 रुपये शेष थे। 5 जून को बैंक पासबुक अपडेट कराने पर पता चला कि खाते में मात्र 1,063.59 रुपये बचे हैं। जांच में सामने आया कि पूरी राशि यूपीआई के माध्यम से ट्रांसफर कर ली गई, जबकि पीड़ित न तो एंड्रॉयड मोबाइल इस्तेमाल करता है, न एटीएम कार्ड रखता है और न ही किसी को ओटीपी साझा की थी।

प्रकरण में साइबर थाना भीलवाड़ा में धारा 318(4) बीएनएस एवं 66-डी आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर तकनीकी जांच शुरू की गई। जांच में आरोपी की पहचान होने पर पुलिस टीम ने अलवर जिले में दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी रामशरण के साथ कांस्टेबल रामप्रसाद, प्रभुराम एवं कुलदीप की विशेष भूमिका रही। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर साइबर ठगी के नेटवर्क और अन्य सहयोगियों के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

# चित्तौड़गढ़ दुर्ग पर अवैध निर्माण रोकने की मांग, कार्रवाई नहीं तो आंदोलन की चेतावनी

स्मार्ट हलचल | चित्तौड़गढ़

यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल ऐतिहासिक चित्तौड़गढ़ दुर्ग क्षेत्र में कथित अवैध निर्माण एवं अतिक्रमण के विरोध में श्री बालाजी सेवा संस्थान ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। संस्थान ने चेतावनी दी है कि सात दिन के भीतर प्रभावी कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन तथा न्यायालय की शरण ली जाएगी।

ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि दुर्ग की प्राचीर से 200 मीटर के प्रतिबंधित क्षेत्र में होटलों एवं अन्य व्यावसायिक निर्माण किए जा रहे हैं। संस्थान का कहना है कि संबंधित विभागों की लापरवाही एवं कथित मिलीभगत के कारण संरक्षित क्षेत्र में अतिक्रमण लगातार बढ़ रहा है। ज्ञापन में धार्मिक स्थलों के विस्तार तथा कुछ स्थानों पर पक्के निर्माण के माध्यम से भूमि पर कब्जे के भी आरोप लगाए गए हैं। संस्थान ने जिला प्रशासन से मांग की है कि प्रतिबंधित क्षेत्र में चिन्हित सभी अवैध निर्माणों को हटाया जाए, संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाए।

# सुवाणा-कोटड़ी सड़क बनी 'गड्ढों का हाईवे', बारिश ने खोली पोल

## प्रधानमंत्री ई-बस इसी मार्ग से गुजर रही, लेकिन बदहाल सड़क पर जिम्मेदारों की चुप्पी; हादसों का खतरा बढ़ा

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** जिले के सुवाणा से कोटड़ी कस्बे को जोड़ने वाली मुख्य सड़क इन दिनों बारिश के बाद बदहाल स्थिति में पहुंच गई है। जगह-जगह बने गहरे गड्ढों, उखड़ी डामर परत और जलभराव ने इस मार्ग को राहगीरों के लिए मुसीबत बना दिया है। बावजूद इसके जिम्मेदार विभाग अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पाए हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि

बारिश के बाद सड़क की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि वाहन चालकों को हर पल दुर्घटना का डर सताता है। दोपहिया वाहन चालक सबसे अधिक परेशान हैं, जबकि रात के समय गड्ढे दिखाई नहीं देने से हादसों की आशंका और बढ़ जाती है।

हैरानी की बात यह है कि इसी मार्ग पर प्रधानमंत्री ई-बस सेवा का संचालन भी हो रहा है। रोजाना बड़ी संख्या में यात्री इस सड़क से सफर करते हैं, लेकिन सड़क की जर्जर हालत के बावजूद मरम्मत कार्य शुरू नहीं किया गया है। इससे यात्रियों की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

क्षेत्रवासियों ने आरोप लगाया कि कई बार संबंधित विभाग का ध्यान इस ओर आकर्षित कराया गया, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी आंखें मूंदे बैठे हैं। समय रहते सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो बरसात के दौरान बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता।

ग्रामीणों और वाहन चालकों ने जिला प्रशासन एवं लोक निर्माण विभाग से मांग की है कि सुवाणा-कोटड़ी मार्ग की तत्काल मरम्मत कर गड्ढों को भरवाया जाए, ताकि आमजन को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।

### जिला कलक्टर के सख्त निर्देश

# पेयजल, बिजली और स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू ने सोमवार को जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग कार्यालय में पेयजल, विद्युत एवं स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पेयजल आपूर्ति, बिजली व्यवस्था और चिकित्सा सेवाओं में लापरवाही किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं की जाएगी।

बैठक में संपर्क पोर्टल पर लंबित प्रकरणों और राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर ने सभी विभागों को समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि लंबित मामलों की नियमित समीक्षा होगी और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

संधू ने पीएचईडी अधिकारियों को ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में निर्धारित समयानुसार पेयजल आपूर्ति तथा खराब हैंडपंप और ट्यूबवेल की शीघ्र मरम्मत के निर्देश दिए। वहीं चिकित्सा विभाग को अस्पतालों में शुद्ध पेयजल, जीवनरक्षक दवाओं की उपलब्धता, आपातकालीन सेवाएं, विद्युत वायरिंग की सुरक्षा जांच और फायर सेफ्टी व्यवस्था सुनिश्चित करने के आदेश दिए। नगर निगम को शहर में बेहतर साफ-सफाई बनाए रखने तथा विद्युत विभाग को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में पीएचईडी, एवीवीएनएल, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

# फार्म हाउस पर चल रहे जुआ रैकेट का भंडाफोड़: बड़लियास पुलिस और डीएसटी ने 9 जुआरियों को रंगेहाथ दबोचा, सवा लाख कैश व दो कारें जब्त

## सवाईपुर सरहद में नेशनल हाईवे के पास बने जगदीश सुवालका के फार्म हाउस पर पुलिस का छापा

स्मार्ट हलचल| बड़लियास

भीलवाड़ा जिला पुलिस अधीक्षक श्री सागर राणा द्वारा जिले में सक्रिय संगठित अपराधियों, सटोरियों और अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़लियास थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम ने एक संयुक्त मेगा एक्शन लेते हुए बड़े जुआ नेटवर्क को ध्वस्त किया है। पुलिस और डीएसटी की संयुक्त टीम ने सवाईपुर सरहद में नेशनल हाईवे-758 के पास स्थित एक फार्म हाउस पर घेराबंदी कर दबिश दी, जहाँ बंद कमरे में संगठित रूप से 'घोड़ी दाने' पर लाखों का दांव लगा रहे 9 नामी जुआरियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से 1,31,590 रुपये की जुआ राशि, दो लग्जरी कारें और जुआ उपकरण जब्त किए हैं।

### डीएसटी की इनपुट पर पुलिस ने चारों तरफ से घेरा फार्म हाउस:

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय भीलवाड़ा पारस जैन एवं पुलिस उप अधीक्षक वृत मांडलगढ़ योगेश शर्मा के सुपरविजन में बड़लियास थानाधिकारी जसवंत सिंह (पु.नि.) के नेतृत्व में यह पूरी कार्रवाई अंजाम दी गई। 28 जून 2026 को थानाधिकारी जसवंत सिंह मय जाप्ता क्षेत्र में गश्त पर थे, तभी भीलवाड़ा डीएसटी टीम से पुख्ता टेलीफोनिक सूचना मिली कि सवाईपुर सरहद में हाईवे रोड से करीब 150 मीटर दूर स्थित जगदीश सुवालका के फार्म हाउस पर कुछ लोग समूह बनाकर घोड़ी दाने पर बड़े पैमाने पर जुआ खेल रहे हैं। कुछ संदिग्ध लोग बाहर खड़े होकर पुलिस की निगरानी भी कर रहे हैं। सूचना मिलते ही थानाधिकारी सवाईपुर चौकी से अतिरिक्त जाप्ता लेकर तुरंत मौके पर पहुंचे और फार्म हाउस को चारों तरफ से घेर लिया।

पुलिस टीम को अपनी तरफ आता देख फार्म हाउस के बाहर निगरानी रख रहे और अंदर मौजूद कुछ जुआरी दीवार फांदकर जंगलों की तरफ भागने में सफल रहे, जिनकी पुलिस सरगर्मी से तलाश कर रही है। वहीं, अंदर कमरे में दबिश देने पर 9 आरोपी ताश के पत्तों और घोड़ी दानों पर एक को लाभ व एक को हानि का संगठित जुआ खेलते रंगेहाथ पकड़े गए। पुलिस ने मौके से नकद 1,31,590 रुपये, 2 प्लास्टिक के घोड़ी दाने और एक प्लास्टिक का गिलास जब्त किया। इसके साथ ही फार्म हाउस के परिसर में खड़ी जुआरियों की दो कारें– टोयोटा इटियोस और मारुति अर्टिगा को नियमानुसार जब्त कर लिया गया। आरोपियों के खिलाफ बड़लियास थाने में प्रकरण संख्या 148/2026 के तहत आरपीजीओ एक्ट की धारा 3/4 व भारतीय न्याय संहिता की धारा 112(2) के तहत मुकदमा दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया है।

### गिरफ्तार हुए आरोपियों की सूची:

पुलिस की गिरफ्त में आए जुआरी अलग-अलग जिलों और राज्यों से आकर यहाँ दांव लगा रहे थे। दिलदार पिता अलीशेख खाँ पठान (उम्र 38 साल) निवासी- भवानी नगर, भीमगंज (भीलवाड़ा)।

प्रकाश चंदवानी पिता गेहीमल सिंधी (उम्र 43 साल) निवासी- भोपालपुरा रोड, कोतवाली (भीलवाड़ा)। कैलाश चन्द्र पिता देवी लाल खटीक (उम्र 50 साल) निवासी- खटीक मोहल्ला, सिटी कोतवाली (चित्तौड़गढ़)। फिरोज पठान पिता अब्दुल हामिद पठान (उम्र 35 साल) निवासी- भवानी नगर, भीमगंज (भीलवाड़ा)। गुणवन्त पिता भैरू लाल शर्मा (उम्र 50 साल) निवासी- भरभड़िया, थाना कैन्ट, नीमच (मध्य प्रदेश)। शरीफ मोहम्मद पिता मुबारिक हुसैन (उम्र 40 साल) निवासी- लसडावन, निम्बाहेड़ा सदर (चित्तौड़गढ़)। मोहम्मद जाहिद पिता मोहम्मद सदीक रंगरेज (उम्र 38 साल) निवासी- गलनगरी, सुभाषनगर (भीलवाड़ा)। मोहसीन उर्फ सोनू पिता मुस्ताक मोहम्मद शाह (उम्र 34 साल) निवासी- लावा सरदारगढ़, आमेट (राजसमन्द)। मुज्झफर शेख पिता शेफूदीन (उम्र 44 साल) निवासी- अलीजानगर, थाना सदर (भीलवाड़ा)।

# 1 किलो 460 ग्राम गांजा बरामदगी मामले में आरोपी को 3 साल का कठोर कारावास

## एनडीपीएस विशेष अदालत का फैसला, 30 हजार का अर्थदंड भी लगाया

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा वर्ष 2020 में दर्ज गांजा तस्करी के एक मामले में एनडीपीएस एक्ट की विशेष अदालत ने आरोपी को दोषी करार देते हुए 3 वर्ष के कठोर कारावास तथा 30 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है।

अभियोजन के अनुसार, 3 जनवरी 2020 को थाना सुभाष नगर में तैनात तत्कालीन एसआई रामपाल पुलिस जाप्ते के साथ गश्त पर थे। इसी दौरान मजिस्ट्रेट कॉलोनी स्थित विधि कॉलेज के पास एक व्यक्ति पुलिस को देखकर संदिग्ध रूप से झाड़ियों की आड़ में छिपने का प्रयास

करने लगा। पुलिस ने उसे रोककर पूछताछ की, जिसमें उसने अपना नाम मिठु ओड पुत्र छोगालाल ओड (30 वर्ष), निवासी मारुति कॉलोनी, विधि कॉलेज के पास, थाना सुभाष नगर,भीलवाड़ा बताया।

तलाशी के दौरान आरोपी के हाथ में मौजूद कैरी बैग से 1 किलो 460 ग्राम गांजा बरामद हुआ।पुलिस ने मादक पदार्थ जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया और एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया। जांच पूरी होने के बाद न्यायालय में आरोप पत्र (चार्जशीट) पेश किया गया।मुकदमे की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से विशिष्ट लोक अभियोजक (एनडीपीएस) रामस्वरूप गुर्जर ने 8 गवाहों के बयान तथा 48 दस्तावेजी साक्ष्य न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए।प्रस्तुत साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर विशिष्ट न्यायाधीश, एनडीपीएस एक्ट, भीलवाड़ा ने आरोपी मिठु ओड को दोषी मानते हुए 3 वर्ष के कठोर कारावास एवं 30 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। अर्थदंड जमा नहीं कराने की स्थिति में आरोपी को अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

# बिना स्वीकृति बन रहे कॉम्प्लेक्स पर नगर निगम का शिकंजा, निर्माण कार्य कराया बंद

## बार-बार चेतावनी के बावजूद जारी था निर्माण, निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर की सख्त कार्रवाई

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

नगर निगम ने शहर में अवैध निर्माण के खिलाफ अभियान तेज करते हुए श्याम की सब्जी मंडी क्षेत्र में बिना निर्माण स्वीकृति बनाए जा रहे एक व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स पर कार्रवाई की। निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य रुकवाया और संबंधित पक्ष को नियमों का पालन करने के निर्देश दिए।

जानकारी के अनुसार श्याम की सब्जी मंडी क्षेत्र में रामेश्वर लाल तेली द्वारा बिना नगर निगम की स्वीकृति के व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स का निर्माण कराया जा रहा था। निगम की ओर से पूर्व में कई बार निर्माण

कार्य रोकने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन इसके बावजूद निर्माण कार्य लगातार जारी रखा गया।

लगातार नियमों की अवहेलना किए जाने पर नगर निगम आयुक्त हेमाराम चौधरी के निर्देश पर विशेष टीम का गठन कर कार्रवाई की गई। अभियान में अतिक्रमण प्रभारी मुकेश शर्मा, एईएन सुरेश गर्ग, होमगार्ड प्रभारी जोरावर सिंह सहित निगम अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य बंद कराया।

नगर निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिना स्वीकृति किसी भी प्रकार का निर्माण करना नगर निगम अधिनियम का उल्लंघन है। ऐसे मामलों में नियमानुसार कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। निगम ने शहरवासियों से अपील की है कि किसी भी भवन या व्यावसायिक निर्माण से पहले आवश्यक स्वीकृति प्राप्त करें, अन्यथा अवैध निर्माण के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

# जीएसटी की कार्रवाई में नहीं मिला बड़ा खुलासा, तंबाकू के बजाय निकले कुरकुरे के आइटम

## सूचना पर पहुंची टीम ने होलसेल प्रतिष्ठान की जांच की, बाजार में मची हलचल, कई किराना व्यापारियों ने बंद की दुकानें

स्मार्ट हलचल

**जहाजपुर।** भीलवाड़ा वाणिज्यिक कर (जीएसटी) विभाग द्वारा सोमवार को जहाजपुर में तकिया मस्जिद के सामने स्थित एक होलसेल व्यापारी के प्रतिष्ठान पर की गई छापेमार कार्रवाई को लेकर दिनभर बाजार में चर्चाओं का दौर चलता रहा। विभाग को मिली सूचना के आधार पर असिस्टेंट कमिश्नर ऋतुराज सिंह के नेतृत्व में टीम ने प्रतिष्ठान पर पहुंचकर दस्तावेजों और स्टॉक की जांच की।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार विभाग को सूचना मिली थी कि संबंधित प्रतिष्ठान पर तंबाकू, बीड़ी और सिगरेट का बड़े स्तर पर होलसेल कारोबार किया जाता है। हालांकि जांच के दौरान अधिकांश स्टॉक कुरकुरे सहित अन्य पैकेज्ड खाद्य उत्पादों का मिला। ऐसे में बाजार में यह चर्चा रही कि विभाग को मिली सूचना पूरी तरह सटीक नहीं थी और कार्रवाई से अपेक्षित स्तर की अनियमितताएं सामने नहीं आईं। जीएसटी विभाग की कार्रवाई की खबर फैलते ही जहाजपुर के कई किराना व्यापारियों ने एहतियातन अपनी दुकानें बंद कर दीं। टीम ने प्रतिष्ठान के बिल, खरीद-बिक्री के रिकॉर्ड और जीएसटी से जुड़े दस्तावेजों की जांच की। देर शाम तक विभाग की कार्रवाई जारी रही।

हालांकि विभाग की ओर से कार्रवाई के संबंध में आधिकारिक रूप से किसी कर चोरी या बड़ी अनियमितता की पुष्टि नहीं की गई है।

# चोरों का बेखौफ आतंकःअप्रैल में बिलिया में 30 लाख की सनसनीखेज चोरी के बाद अब जून में खामोर में दिनदहाड़े धावा... तीन साल में एक दर्जन से अधिक वारदातें, पुलिस अब भी खाली हाथ..

स्मार्ट हलचल

**शाहपुरा।** क्षेत्र में दिनदहाड़े चोरी की वारदातें अब आम होती जा रही हैं। चोरों के हौसले इस कदर बुलंद हैं कि वे रात के अंधेरे के साथ-साथ दिनदहाड़े भी आबादी वाले इलाकों में घरों को निशाना बना रहे हैं।जबकि खामोर क्षेत्र में दिनदहाड़े ज्यादा चोरिया हो रही है।पिछले तीन वर्षों में खामोर और आसपास के गांवों में एक दर्जन से अधिक बड़ी चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं,लेकिन एक भी मामलों का खुलासा आज तक पुलिस नहीं कर पाई है। ऐसे में हर नई वारदात के साथ लोगों का पुलिस पर भरोसा कमजोर पड़ता जा रहा है।खामोर के गुर्जर मोहल्ले में 3 साल में यह तीसरी बड़ी चोरी की वारदात है। वहीं छोटी चोरिया तो कई बार जो चुकी हैं ।लोगो का कहना है कि गुर्जर समाज के घर ज्यादा टारगेट हो रहे हैं ,सोमवार दोपहर खामोर के गुर्जर मोहल्ले में अज्ञात चोर ने द्वारका गुर्जर के घर को निशाना बनाया। घर के मुख्य गेट पर ताला नहीं होने का फायदा उठाकर चोर कमरे में रखे बक्से तक पहुंचा और बक्से को खोलकर कपड़े तितर बितर कर उसमें पड़ी 500 ग्राम चांदी की कनकती,500 ग्राम चांदी की खूंगाली, 200 ग्राम चांदी के कूचिया तथा 250 ग्राम चांदी का आंवला चोरी कर फरार हो गया।आभूषण के डिब्बे में पड़े थे चोर उस डिब्बे को भी लेकर फरार हो गए,दिनदहाड़े हुई इस वारदात ने ग्रामीणों में दहशत और बढ़ा दी है।खामोर क्षेत्र में चोरी की यह पहली घटना नहीं है।अक्टूबर 2024 में तेजाजी चौक स्थित दुदाराम

गुर्जर के घर दिनदहाड़े बाइक सवार नकाबपोश बदमाश 90 हजार रुपये नकद और करीब 3 से 4 लाख रुपये के सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर ले गए थे। इसके बाद मार्च 2025 में भीलों का खेड़ा और चौपड़ों का खेड़ा में आधा दर्जन मकानों के ताले तोड़कर लाखों रुपये के आभूषण पार कर दिए गए।अक्टूबर 2025 में चोरों ने फिर खामोर के तेजाजी चौक में कालू गुर्जर के घर से ढाई तोला सोना, 500 ग्राम चांदी और एक लाख रुपये नकद चोरी हो गए, जबकि तहनाल रूपपुरा और खामोर में भी अन्य वारदातों में लाखों रुपये का माल उसी दिन पार कर दिया गया था। इसके दो दिन बाद नई राज्यास में किसान मदन माली के घर से 5.5 तोला सोना,200 ग्राम चांदी और 23,300 रुपये नकद चोरी हो गए।लगातार हो रही इन घटनाओं ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर चोरों में पुलिस का खौफ क्यों नहीं है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि पहले की वारदातों का समय पर खुलासा कर चोर गिरोहों पर सख्त कार्रवाई की जाती, तो आज क्षेत्र में इतनी लगातार चोरियां नहीं होतीं। अब लोगों ने सभी लंबित मामलों के शीघ्र खुलासे, सक्रिय चोर गिरोहों की गिरफ्तारी और पूरे क्षेत्र में प्रभावी गश्त बढ़ाने की मांग की है।ग्रामीणों का कहना है कि वारदात के बाद पुलिस मौके पर आती है मौका मुआयना कर चली जाती है उसके बाद आज तक वापस नहीं आई।अब तो लोग चोरी की वारदात का मुकदमा दर्ज कराने से भी मना करने लगे हैं कहते हैं कि पूर्व में हुई चोरियों का भी आज तक पुलिस खुलासा नहीं कर सकी तो हमारी चोरी का खुलासा क्या करेगी.. वही गांव में सबसे ज्यादा चोरी की वारदाते डाबला रोड साइड के घरों में हो रही है वो भी गुर्जर समाज के घरों को निशाना बनाया जा रहा है।ग्रामीणों ने कहा जल्द चोरी की वारदातों का खुलासा नहीं हुआ तो आंदोलन करेंगे।वही अप्रैल माह में बिलिया गांव में हुई करीब 30 लाख रुपये की सनसनीखेज चोरी ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया था।चोरों ने मकान की पीछे की बाड़े की खिड़की तोड़कर घर में प्रवेश किया और बक्से व अलमारी के ताले तोड़कर 6 लाख 50 हजार रुपये नकद सहित लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषणों पर हाथ साफ कर फरार हो गए..। यह नकदी पीड़ित के साले ने अपने बेटे की शादी के लिए सुरक्षित रखने के लिए जीजा के घर रखी थी,लेकिन चोर वहां भी पहुंच गए।जिसका आज तक खुलासा नहीं हुआ।

# सीए स्पोर्ट्स महोत्सव का समापन, क्रिकेट अंडर-40 फाइनल में सीए हरिकेन्स बनी विजेता

## चार दिनों तक चला रोमांच, 8 टीमों के बीच हुए 15 मुकाबले, सीए जितेंद्र शर्मा बने प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट सीए

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** खेल व्यस्त पेशेवर जीवन में ऐसे आयोजन नई ऊर्जा, उत्साह और सकारात्मकता का संचार करते हैं तथा संतुलित जीवनशैली को बढ़ावा देते हैं। सीए स्पोर्ट्स महोत्सव का उद्देश्य केवल खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करना नहीं, बल्कि सदस्यों के बीच स्वास्थ्य, अनुशासन, टीम भावना और आपसी सौहार्द को मजबूत करना भी है। यह बात सीआईआरसी भीलवाड़ा शाखा के चेयरमैन सीए दिनेश सुथार ने सीए स्पोर्ट्स महोत्सव के समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए कही। इस दौरान उन्होंने सभी प्रतिभागियों की खेल भावना और उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। इससे पुर्व दी इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) के स्थापना दिवस 'सीए डे' के उपलक्ष्य में सीआईआरसी की भीलवाड़ा शाखा द्वारा आयोजित सीए स्पोर्ट्स महोत्सव का भव्य एवं उत्साहपूर्ण समापन हुआ। विटी स्पोर्ट्स क्लब में आयोजित क्रिकेट अंडर-40 टूर्नामेंट ने चार दिनों तक खेल प्रेमियों और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के बीच रोमांच और उत्साह का माहौल बनाए रखा। चार दिवसीय इस आयोजन में कुल 8 टीमों ने भाग लिया और 15 रोमांचक मुकाबले खेले गए। पूरे टूर्नामेंट के दौरान 100 से अधिक चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ने अपनी खेल प्रतिभा, अनुशासन, टीम भावना और खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। मैदान पर प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ आपसी भाईचारा, सहयोग और उत्साह का भी अनूठा संगम देखने को मिला। सचिव सीए पुलकित राठी ने कहा कि स्पोर्ट्स महोत्सव का उद्देश्य सदस्यों के बीच आपसी समन्वय, नेतृत्व क्षमता और सकारात्मक ऊर्जा का विकास करना है। चार दिनों तक चले इस आयोजन में प्रत्येक मैच ने खेल भावना और अनुशासन का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। मुख्य समन्वयक सीए अक्षय सोडानी ने बताया कि पूरे टूर्नामेंट के सफल आयोजन में नवनीत तोतला, दिनेश आगाल, मोहित लढा, भंवर माली और नवीन वागरेचा का विशेष योगदान रहा। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी खिलाड़ियों, अंपायरों, आयोजकों और सहयोगी टीमों का आभार व्यक्त किया। समापन समारोह में उपस्थित सभी चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ने इस आयोजन को सफल, प्रेरणादायक और यादगार बताते हुए भविष्य में भी ऐसे खेल आयोजनों के नियमित आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया। सीए स्पोर्ट्स महोत्सव ने यह साबित कर दिया कि चार्टर्ड अकाउंटेंट्स केवल अपने पेशेवर क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि खेल के मैदान में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की क्षमता रखते हैं। उपाध्यक्ष सीए एसएन लाठी ने बताया की विजेता और उपविजेता टीमों को 1 जुलाई को सीए दिवस के अवसर पर आईसीएआई भवन, भीलवाड़ा में आयोजित मुख्य समारोह में सम्मानित किया जाएगा। इसी दिन रक्तदान शिविर का आयोजन भी किया जाएगा। उन्होंने सभी सदस्यों एवं नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान कर इस मानव सेवा अभियान में सहभागी बनने की अपील की।

टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। फाइनल में सीए हरिकेन्स ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए सीए थंडर्स को 23 रन से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। कप्तान सीए चिन्मय कोगटा के नेतृत्व में सीए हरिकेन्स ने पूरे टूर्नामेंट में संतुलित बल्लेबाजी, अनुशासित गेंदबाजी और बेहतरीन क्षेत्ररक्षण का प्रदर्शन किया। फाइनल में भी टीम ने दबाव की परिस्थितियों में संयम बनाए रखते हुए शानदार जीत दर्ज की। दूसरी ओर, कप्तान सीए अर्चित तोतला के नेतृत्व में सीए थंडर्स ने भी पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया और फाइनल तक का सफर तय कर उपविजेता बनने का गौरव हासिल किया।

### जितेंद्र शर्मा फाइनल के हीरो

फाइनल मुकाबले में सीए जितेंद्र शर्मा ने अपने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया। उन्होंने 29 गेंदों में 35 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली, जिसमें एक चौका और दो छक्के शामिल थे। इसके बाद गेंदबाजी में भी उन्होंने कमाल दिखाते हुए तीन ओवर में मात्र 17 रन देकर 5 विकेट हासिल किए। उनके इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

### कोठारी सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज

पूरे टूर्नामेंट में सीए वैभव कोठारी ने अपने बल्ले से खूब रन बरसाए। उन्होंने कुल 129 रन बनाए, जिसमें एक अर्धशतक, 17 छक्के और 3 चौके शामिल रहे। उनके शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। गेंदबाजी में भी सीए जितेंद्र शर्मा का प्रदर्शन सबसे प्रभावशाली रहा। उन्होंने पांच मैचों में 12 विकेट लिए, 39 डॉट बॉल फेंकी और 4.30 की शानदार इकॉनमी बनाए रखी। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज का पुरस्कार प्रदान किया गया।

# शहरी सेवा शिविर का विधायक व एसडीएम ने निरीक्षण किया

स्मार्ट हलचल

**ब्यावर/बिजयनगर।** बिजयनगर नगरपालिका परिसर में आयोजित शहरी सेवा शिविर का आज सोमवार को स्थानीय विधायक वीरेन्द्रसिंह कानावत, एसडीएम दीपशिखा आदि ने निरीक्षण किया इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष अमित मोदी सहित नेताओं और प्रशासनिक अधिकारियों के इस दौरे का मुख्य उद्देश्य शिविर में मिल रही जनसुविधाओं का जायजा लिया

शिविर में पहुंचने पर नगरपालिका के अधिशासी अधिकारी प्रताप सिंह ने सभी अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। निरीक्षण के दौरान विधायक वीरेन्द्रसिंह कानावत और एसडीएम दीपशिखा ने शिविर में आए आम नागरिकों से सीधा संवाद किया। उन्होंने लोगों की समस्याओं और शिकायतों को बेहद गंभीरता से सुना। जनता को राहत पहुंचाते हुए विधायक और एसडीएम ने मौके पर मौजूद संबंधित अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई और सभी लंबित समस्याओं का तुरंत समाधान करने के आवश्यक निर्देश दिए।

# मांडल में भीषण हादसा, अनियंत्रित ट्रेलर ने फैक्ट्री के गेट और बाइक सवारों को रौंदा

स्मार्ट हलचल

**शाहपुरा (भीलवाड़ा)।** बनेड़ा-भीलवाड़ा जिले के मांडल से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है। मांडल स्थित कंचन फैक्ट्री के गेट नंबर-1 पर एक अनियंत्रित ट्रेलर ने जमकर कहर बरपाया।

ट्रेलर का तांडवः बेकाबू ट्रेलर सीधे फैक्ट्री के मुख्य गेट से जा टकराया।

बाइक सवार चपेट मेंः इस भीषण दुर्घटना में ट्रेलर ने सड़क से गुजर रहे तीन दुपहिया वाहन चालकों को भी अपनी चपेट में ले लिया। घायलों को अस्पताल में भर्तीः घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को उपचार के लिए मांडल स्थित उप-जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हादसे के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही मांडल पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और मोर्चा संभाला। वर्तमान में यातायात को सुचारू करने और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाने के लिए क्रेन की मदद से प्रयास किए जा रहे हैं।

# श्री चारभुजा नाथ मंदिर में द्वितीय नौका विहार महोत्सव, उमड़े भक्त

स्मार्ट हलचल

**शाहपुरा (भीलवाड़ा)।** शाहपुरा-ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा के पावन अवसर पर सोमवार को शाहपुरा स्थित श्री चारभुजा नाथ मंदिर में द्वितीय नौका विहार महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ आयोजित किया गया। महोत्सव के दौरान भगवान श्री चारभुजा नाथ के नौका विहार के दिव्य दर्शन करने के लिए सुबह से देर शाम तक श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। मंदिर परिसर 'जय श्री चारभुजा नाथ' के जयकारों से गूंज उठा और पूरे वातावरण में भक्ति की सरिता बहती रही।

महोत्सव के अवसर पर भगवान श्री चारभुजा नाथ को आकर्षक नौका स्वरूप में विराजित कर मनमोहक एवं विशेष श्रृंगार किया गया। रंग-बिरंगे पुष्पों, विद्युत सज्जा और मनोहारी झांकियों से सुसज्जित नौका में विराजमान ठाकुरजी का स्वरूप श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना रहा। बड़ी संख्या में भक्तों ने नौका विहार के अलौकिक दर्शन कर अपने जीवन को धन्य माना।

मंदिर परिसर को आकर्षक फूलों, बंदनवारों एवं मनोहारी सजावट से अलंकृत किया गया था। विशेष रोशनी और धार्मिक वातावरण ने महोत्सव की भव्यता को और बढ़ा दिया। श्रद्धालु भगवान के दर्शन के साथ-साथ नौका को अपने हाथों से जल में झुलाने का सौभाग्य प्राप्त करने के लिए उत्साहित नजर आए। पूरे आयोजन के दौरान भक्तिभाव और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला।

महोत्सव के दौरान भजन-कीर्तन और धार्मिक स्तुतियों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालु परिवार सहित बड़ी संख्या में मंदिर पहुंचे और भगवान श्री चारभुजा नाथ के समक्ष सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों ने भी पूरे उत्साह के साथ आयोजन में भाग लिया।

आयोजकों ने बताया कि नौका विहार महोत्सव का उद्देश्य भगवान श्री चारभुजा नाथ की सेवा-आराधना के साथ सनातन संस्कृति एवं धार्मिक परंपराओं का संरक्षण और जनमानस में आध्यात्मिक चेतना का प्रसार करना है। महोत्सव के सफल आयोजन में मंदिर समिति, सेवादारों एवं श्रद्धालुओं का विशेष सहयोग रहा।

कार्यक्रम के अंत में महाआरती का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। आरती के पश्चात सभी भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। श्रद्धा, भक्ति और उल्लास से परिपूर्ण यह आयोजन श्रद्धालुओं के लिए अविस्मरणीय बन गया।

# सीता कुंड में आयोजित हुई रावणा राजपूत समाज की बैठक

## सर्वसम्मति से राजेंद्र सिंह तंवर बने तहसील अध्यक्ष

स्मार्ट हलचल

**बिजौलियाँ।** सीताकुंड महादेव में सोमवार को रावणा राजपूत समाज की बैठक आयोजित की गई। बैठक में तहसील अध्यक्ष का चुनाव किया गया। जिला अध्यक्ष नरेंद्र सिंह गुढ़ा व बिजौलियां नगर अध्यक्ष संजय सिंह चौहान की मौजूदगी में सर्वसम्मति से बिजौलियां निवासी राजेंद्र सिंह तंवर को बिजौलियां तहसील अध्यक्ष चुना गया।समाजजनों द्वारा तंवर का साफा पहना कर व माल्यार्पण कर स्वागत किया।इस दौरान भंवर सिंह,भानुप्रताप सिंह,मिठू सिंह,विक्रम सिंह,बाबू सिंह,धर्म सिंह पंवार, घनश्याम कानावत, अमर सिंह राणावत, शंभू सिंह शक्तावत,माधव सिंह तंवर,मुकेश सिंह सांखला, धर्मसिंह कानावत, समेत राणा जी का गुढ़ा, कास्या, भोपतपुरा, खेराड़िया, मालका खेड़ा, धनवाड़ा, मांगटला, दलसिंह जी का खेड़ा, जलिन्द्री और रामपुरिया से आए समाजजन बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

# लायंस व लियो क्लब बिजयनगर का 30वां पद स्थापना व शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

## सपनों की उड़ान में भारत की उड़ान थीम पर शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन, बेस्ट लायन ऑफ द ईयर 2025-26 का अवार्ड एडवोकेट नवीन कुमार सोनी को दिया

स्मार्ट हलचल

**बिजयनगर।** लायंस क्लब बिजयनगर की 30 वीं कार्यकारिणी का पदस्थापन व शपथ ग्रहण समारोह एवं अवार्ड वितरण समारोह दिनांक 28 जून 2026 रविवार को कोगाटा पैराडाइज बिजयनगर में भव्यता के साथ संपन्न हुआ । आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व प्रांत पाल लायन सुरेश गोयल व मुख्य शपथ ग्रहण अधिकारी पूर्व बहू प्रांतीय अध्यक्ष लायन अविनाश शर्मा, नवीन सदस्यों के शपथ ग्रहण अधिकारी उप प्रान्तपाल प्रथम लायन सी पी विजयवर्गीय, डिस्ट्रीक डिग्निटीरी संभागीय अध्यक्ष लायन संजय महावर, डिस्ट्रीक डिग्निटीरी क्षेत्रीय अध्यक्ष रामेश्वर सुवालाका, विशिष्ट अतिथि पूर्व बहु प्रांतीय अध्यक्ष लायन अरविंद चतुर, पूर्व प्रांतपाल लायन पूर्णिमा खंडेलवाल,उप प्रान्तपाल द्वितीय लायन जितेंद्र मित्तल सहित इत्यादि कई पूर्व बहु प्रांतीय अध्यक्ष व पूर्व प्रांतपाल गण के अतिथियों में संपन्न हुए। कार्यक्रम में सर्वप्रथम मेल्विन जोन्स व देव चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया गया।उसके बाद सामूहिक राष्ट्रगान किया गया । ध्वज वंदना लायन दीपिका सोनी द्वारा की गई ।कार्यक्रम में नृत्य का प्रस्तुतीकरण लियो समृद्धि गट्टाणी, लियो प्रियल पंडवार,लायन वर्षा कुमावत, लायन सोनिका महेश्वरी , द्वारा किया। वर्ष भर की सेवा गतिविधियों का विवरण सचिव लायन सुधीर शर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया।लायंस नवीन कार्यकारिणी के अध्यक्ष लायन राजेश गट्टाणी, सचिव महावीर प्रसाद शर्मा, कोषाध्यक्ष आशुतोष माहेश्वरी एवं लियो अध्यक्ष राहुल चोरड़िया, लियो सचिव मयंक कचारा, लियो कोषाध्य श्रणिक जैन के नेतृत्व में नवीन कार्यकारणी को मुख्य शपथ ग्रहण अधिकारी लायन अविनाश शर्मा ने उनके पद के दायित्व व कर्तव्य के निर्वहन हेतु पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। और सत्र 2025- 26 के अध्यक्ष लायन डॉ ऐ.के. विश्वास द्वारा वर्ष भर सर्वश्रेष्ठ सेवा कार्य करने वाले लायंस व लियो क्लब बिजयनगर के पदाधिकारी व सदस्यों को पुरस्कार व अवार्ड देकर सम्मानित किया । जिसमें बेस्ट लायन ऑफ द ईयर एडवोकेट नवीन कुमार सोनी को दिया गया। जिन्होंने वर्ष भर में कई सराहनीय सेवा कार्यों में विशेष सहयोग दिया। नवीन सदस्य के रूप में लायंस नीरज बाल्दी व लायन अनुराग जैन ने शपथ ली। उक्त कार्यक्रम में प्रांत के 18 क्लब के पदाधिकारी व सदस्यों ने अपनी भागीदारी निभाई। कार्यक्रम में निवर्तमान अध्यक्ष डॉ ऐ के विश्वास, पूर्व अध्यक्ष सुधीर गोयल, पूर्व अध्यक्ष चिरंजीलाल नवाल, पूर्व अध्यक्ष राजेश तोषनीवाल ,पूर्व अध्यक्ष राजकुमार लुणावत, पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट नवीन कुमार सोनी, निवर्तमान सचिव सुधीर शर्मा, अनिल कुमावत ,विजय अरोड़ा, हेमंत अग्रवाल सुधीर शर्मा संदेश राठी ,नीरज बाल्दी,अनुराग जैन ,सत्यजीत जेटली,डॉक्टर श्याम सुंदर अग्रवाल, मुकेश पंडावर ,शांतिलाल लोढ़ा, साहब शरण आचार्य, अंजना गट्टाणी, अनीता विश्वास, दीपिका सोनी, सोनिका महेश्वरी, रेखा शर्मा, प्रीति शर्मा, वर्षा कुमावत, अंशु गोयल ,पुष्पा नवाल, प्रीति राठी आभा अग्रवाल, स्नेहा तोषनीवाल,स्नेहा पंडवार, सहित बड़ी संख्या में लायंस व लियो क्लब बिजयनगर के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम में मंच संचालन एडवोकेट विजय अरोड़ा व स्वाति अरोड़ा ने किया। कार्यक्रम संयोजक नवीन कुमार सोनी थे।

# लाडपुरा ग्रामीण शिविर में हंगामाः जमीन विवाद में युवक से मारपीट पर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

## मुख्य अतिथि मुकेश खंडेलवाल ने अधिकारियों को लगाई कड़ी फटकार, टीबी मरीजों को किट वितरित

स्मार्ट हलचल

**लाडपुरा।** राजस्थान सरकार के अभियान के तहत लाडपुरा ग्राम पंचायत के सामुदायिक भवन में सोमवार को आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में हंगामा और जनकल्याणकारी गतिविधियों का मिला-जुला रूप देखने को मिला। शिविर के दौरान जमीन विवाद को लेकर एक युवक के साथ हुई मारपीट के मामले में अधिकारियों की कथित लापरवाही पर ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। समस्त ग्रामीणों ने मांडलगढ़ उपखंड अधिकारी व शिविर प्रभारी प्रभु लाल धाकड़ को ज्ञापन सौंपकर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्य अतिथि मुकेश खंडेलवाल ने मौके पर ही अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई और ग्रामीणों की सभी राजस्व व अन्य समस्याओं का शीघ्र निस्तारण करने के कड़े निर्देश दिए। इस दौरान विशिष्ट अतिथि श्यामलाल अहीर भी मौजूद रहे।

तनाव के बीच शिविर में सामाजिक सरोकार की कई मिसालें भी देखने को मिलीं। महिला अधिकारिता विभाग द्वारा 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' योजना के तहत नारायण गुर्जर की नवजात पुत्री प्रीति गुर्जर का केक काटकर जन्मोत्सव मनाया गया। समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने के उद्देश्य से नन्ही प्रीति को 2500 का चेक भेंट किया गया। इसके साथ ही आंगनबाड़ी पोषाहार की जानकारी दी गई और चिकित्सा विभाग के डॉ. राहुल चौधरी ने दो टीबी मरीजों को पोषण किट वितरित किए।

शिविर में ग्रामीणों को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, दवा वितरण, आधार, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, पेंशन, मनरेगा जॉब कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड और छात्रवृत्ति फॉर्म जैसी प्रमुख डिजिटल व प्रशासनिक सेवाओं का ऑन-द-स्पॉट लाभ मिला। इस अवसर पर ग्राम पंचायत प्रशासक प्रकाश कंवर शक्तावत, ग्राम विकास अधिकारी रतिराम मीणा, पटवारी रामबृर्वेदर गुर्जर, कृषि पर्यवेक्षक रामेश्वरलाल गुर्जर, सहायक सचिव भागीरथ मीणा, पशुधन निरीक्षक देवेंद्र शर्मा, राशन डीलर मुकेश गुर्जर, ई-मित्र संचालक शिवलाल गुर्जर, लाइनमैन शांतिलाल मीणा, उपसरपंच मोहनलाल धाकड़ सहित समस्त वार्डपंच और बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

# 30वें भामाशाह सम्मान समारोह में फूलियाकलां का बढ़ा मान

## शिक्षा व खेल क्षेत्र में योगदान के लिए सुभाषचंद्र लड्ढा दंपती सम्मानित

स्मार्ट हलचल

**शाहपुरा।** भीलवाड़ा जिले के फूलियाकलां कस्बे के लिए गौरव का क्षण उस समय आया जब सोमवार को जयपुर के बिरला ऑडिटोरियम में आयोजित 30वें राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह-2026 में केस परियोजना (सेंटर फॉर एकेडमिक एंड स्पोर्ट्स एक्सीलेंस) को शिक्षा एवं खेल क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए राज्य स्तरीय सम्मान प्रदान किया गया। यह सम्मान राजस्थान के उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा एवं शिक्षा मंत्री मदन दिलावर द्वारा प्रदान किया गया।

भामाशाह सत्यनारायण लड्ढा की ओर से उनके नामित प्रतिनिधि एवं श्री कल्याण सेवा संस्थान, फूलियाकलां के अध्यक्ष सुभाषचंद्र लड्ढा तथा उनकी धर्मपत्नी बीना देवी लड्ढा ने यह सम्मान ग्रहण किया। सम्मान समारोह में जैसे ही फूलियाकलां का नाम पुकारा गया, उपस्थित जनसमूह ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका अभिनंदन किया। इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में हर्ष और गर्व का माहौल है।

यह सम्मान श्री कल्याण राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, फूलियाकलां में संचालित केस परियोजना के अंतर्गत शिक्षा और खेल अवसंरचना के विकास में दिए जा रहे उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया गया। करीब 21 करोड़ रुपए की लागत से विकसित हो रही यह महत्वाकांक्षी परियोजना ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को विश्वस्तरीय शैक्षणिक एवं खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही है।

परियोजना के तहत विद्यालय में आधुनिक शिक्षण संसाधन, स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल लर्निंग सिस्टम, अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं, खेल मैदान और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु कई उन्नत सुविधाओं का निर्माण किया जा रहा है। इसका उद्देश्य ग्रामीण प्रतिभाओं को बेहतर मंच देकर उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाना है।

जयपुर के बिरला ऑडिटोरियम में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित इस भव्य समारोह को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि राजस्थान की गौरवशाली धरती पर भामाशाह परंपरा केवल दान की परंपरा नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व, सेवा और भविष्य निर्माण की महान भावना का प्रतीक रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में भामाशाहों द्वारा किया गया सहयोग हजारों विद्यार्थियों के सपनों को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

उन्होंने कहा कि भामाशाहों के उदार सहयोग से प्रदेश के विद्यालयों में न केवल मूलभूत सुविधाओं का विस्तार हुआ है, बल्कि छात्र-छात्राओं के मन में आगे बढ़ने और कुछ बड़ा करने का आत्मविश्वास भी मजबूत हुआ है। शिक्षा के क्षेत्र में समाज की सहभागिता भविष्य के सशक्त राजस्थान की आधारशिला है।

इस अवसर पर शिक्षा जगत में उल्लेखनीय योगदान देने वाले अनेक भामाशाहों को सम्मानित कर उनका अभिनंदन किया गया। समारोह में स्कूल शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश यादव, माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षाविद् और गणमान्यजन उपस्थित रहे।

फूलियाकलां की केस परियोजना को मिला यह राज्य स्तरीय सम्मान केवल एक संस्थान की उपलब्धि नहीं, बल्कि ग्रामीण शिक्षा के उज्ज्वल भविष्य का प्रतीक है। यह सम्मान उन प्रयासों का अभिनंदन है जो छोटे कस्बों और गांवों के विद्यार्थियों के सपनों को नई उड़ान देने के लिए निरंतर किए जा रहे हैं।

# मोहनपुरा मुख्यालय पर आयोजित हुई ग्राम सभाः आवास योजना के लाभार्थियों की सूची का हुआ अनुमोदन

## प्रशासक रामस्वरूप तेली की मौजूदगी में विकास योजनाओं पर हुआ मंथन; पक्के मकान से वंचित जरूरतमंद परिवारों के नामों पर हुआ विचार-विमर्श, बड़ी संख्या में उमड़े ग्रामीण

स्मार्ट हलचल

**मांडलगढ़।** मांडलगढ़ उपखंड क्षेत्र के निकटवर्ती ग्राम पंचायत मुख्यालय मोहनपुरा पर सोमवार को ग्रामीण विकास और पंचायती राज व्यवस्था के तहत एक महत्वपूर्ण ग्राम सभा का आयोजन किया गया। ग्राम पंचायत प्रशासक रामस्वरूप तेली ने जानकारी देते हुए बताया कि सोमवार को प्रातः 11 बजे मोहनपुरा मुख्यालय पर ग्राम सभा की बैठक विधिवत रूप से शुरू हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारना और गांव के विकास का खाका तैयार करना रहा।

### गरीबों के आशियाने पर लगी मुहर, पात्रों के नामों का हुआ चयनः

इस विशेष ग्राम सभा के दौरान सबसे महत्वपूर्ण कार्य आवास योजना के लाभार्थियों का चयन और उनके नामों का सर्वसम्मति से अनुमोदन करना रहा। बैठक में उपस्थित ग्रामीणों के समक्ष उन पात्र परिवारों की सूची रखी गई जिन्हें सरकारी योजना के तहत आवास (पक्का मकान) आवंटित किया जाना है। प्रशासक और उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने ग्राम सभा में मौजूद ग्रामीणों के साथ मिलकर सूची का बारीकी से सत्यापन किया। इसके साथ ही समाज के अंतिम छोर पर बैठे अन्य कई जरूरतमंद लाभार्थियों के नामों पर भी गंभीरता से विचार किया गया, ताकि कोई भी वास्तविक पात्र व्यक्ति इस बुनियादी सुविधा से वंचित न रह जाए।

### विकास के अन्य कई अहम प्रस्तावों पर भी हुई चर्चा

सदन में आवास के अलावा ग्राम पंचायत क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार को लेकर भी विस्तृत चर्चा हुई। ग्रामीणों ने पेयजल आपूर्ति, उखड़ी सड़कों की मरम्मत, नालियों की साफ-सफाई और आगामी मानसून सत्र को देखते हुए जल संरक्षण के कार्यों से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव सदन के सामने रखे। प्रशासक रामस्वरूप तेली ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि ग्राम सभा में पारित किए गए सभी प्रस्तावों को नियमानुसार उच्च स्तर पर भेजकर जल्द से जल्द प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति कराने के प्रयास किए जाएंगे। इस दौरान मोहनपुरा और आसपास के राजस्व गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण, वार्ड पंच और प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे, जिन्होंने चर्चा में सक्रिय भागीदारी निभाई।

# भगवान शिव को समर्पित 21वें कल्याण महाकुंभ से शिवमय हुई कल्याण नगरी

## 51 कुण्डीय अतिरुद्र महायज्ञ, श्रीलिंग महापुराण कथा, द्वादश ज्योतिर्लिंग दर्शन एवं करोड़ों मंत्र जाप से गूंजेगा शिवत्व का संदेश

स्मार्ट हलचल

**निंबाहेड़ा।** मेवाड़ की पुण्यधरा पर स्थित प्रसिद्ध आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक केंद्र श्री शेषावतार कल्लाजी वेदपीठ द्वारा आयोजित होने वाला 21वां कल्याण महाकुंभ इस वर्ष भगवान शिव को समर्पित होने से संपूर्ण कल्याण नगरी शिवमय वातावरण में रंगती दिखाई दे रही है। नगर में व्याप्त भक्ति, श्रद्धा एवं आध्यात्मिक उल्लास को देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा है मानो स्वयं देवाधिदेव महादेव की कृपा से यह पावन नगरी 'छोटी काशी' के स्वरूप में निरूपित होने जा रही हो। वेदपीठ के पदाधिकारियों के अनुसार आगामी महाकुंभ में श्रद्धालुओं को एक अद्वितीय आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त होगी। इस अवसर पर प्रथम बार श्रीलिंग महापुराण के दिव्य माहात्म्य का रसास्वादन करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। भानपुरा पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी ज्ञानानंद तीर्थ जी महाराज द्वारा भगवान शिव के निराकार स्वरूप, शिवतत्व, पंचावतार एवं उनके अनंत महिमामय स्वरूपों का विस्तृत एवं ज्ञानवर्धक विवेचन किया जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक चेतना का दुर्लभ लाभ प्राप्त होगा।

महाकुंभ के अंतर्गत आयोजित होने वाला पंच दिवसीय 51 कुण्डीय श्री अतिरुद्र महायज्ञ भी पूर्णतः भगवान शिव को समर्पित रहेगा। वैदिक मंत्रोच्चार एवं आहुतियों से यज्ञशाला का वातावरण शिवमय बनेगा। विशेष आकर्षण के रूप में इस वर्ष श्रद्धालुओं को पहली बार यज्ञशाला परिसर में द्वादश ज्योतिर्लिंगों के अनुपम एवं दिव्य दर्शन करने का अवसर प्राप्त होगा, जो निश्चित रूप से भक्तों के लिए आध्यात्मिक आनंद का अनूठा केंद्र बनेगा।

नगर के प्रमुख मार्गों, चौराहों एवं विभिन्न स्थलों पर शाम्ब सदाशिव के आकर्षक स्टीकर लगाए गए हैं, जिनमें भगवान शिव एवं माता पार्वती के पावन चरण चिह्न अंकित किए गए हैं। इन दिव्य प्रतीकों के माध्यम से प्रत्येक नागरिक एवं श्रद्धालु को शिव-पार्वती की कृपा एवं आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव हो रहा है। महाकुंभ का शुभारंभ 1 जुलाई को भव्य शोभायात्रा एवं कलश यात्रा के साथ होगा। यह शोभायात्रा दशहरा मैदान स्थित ढाबेश्वर महादेव मंदिर से प्रारंभ होगी। यात्रा में एक दर्जन से अधिक आकर्षक एवं मनमोहक झांकियां सम्मिलित रहेंगी, जिनमें महाकालेश्वर स्वरूप सहित भगवान शिव के विभिन्न दिव्य रूपों एवं धार्मिक प्रसंगों का सजीव चित्रण किया जाएगा। शिवभक्ति से ओतप्रोत यह शोभायात्रा सम्पूर्ण नगर को भक्ति, श्रद्धा एवं अध्यात्म के रंग में रंग देगी।

महाकुंभ के दौरान श्रीलिंग महापुराण के 111 पारायण तथा भगवान शिव के पंचाक्षरी महामंत्र 'नमः शिवाय' के लगभग पांच करोड़ मंत्र जाप का पुण्य अनुष्ठान भी सम्पन्न किया जाएगा। निरंतर होने वाले मंत्रोच्चार, वैदिक अनुष्ठानों एवं धार्मिक आयोजनों से संपूर्ण वातावरण शिवमय हो चुका है और हर ओर हर-हर महादेव के जयघोष सुनाई दे रहे हैं। भगवान शिव के विविध स्वरूपों, आध्यात्मिक आयोजनों, वैदिक अनुष्ठानों एवं भक्तिमय वातावरण को देखकर यह सहज ही अनुभूति होती है कि वेदपीठ के सतत सद्प्रयासों, श्री कल्लाजी ठाकुरजी की दिव्य प्रेरणा तथा हजारों कल्याण भक्तों एवं नगरवासियों की अटूट श्रद्धा के फलस्वरूप स्वयं भगवान शिव कैलाश धाम से कल्याण नगरी में अवतरित होकर भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करने हेतु पधारे हों। 21वां कल्याण महाकुंभ केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति, वैदिक परंपरा एवं शिवभक्ति के विराट स्वरूप का जीवंत उत्सव बनकर उभर रहा है, जो निंबाहेड़ा को आध्यात्मिक मानचित्र पर नई पहचान प्रदान करेगा।

# तुला के राजकीय विद्यालय को 64 वर्षों बाद मिला पट्टा

स्मार्ट हलचल | उदयपुर

बड़गांव ब्लॉक की ग्राम पंचायत कठार में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर 2026 के अंतर्गत एक विशेष शिविर में ग्राम तुला के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय से जुड़ा लंबे समय से लंबित महत्वपूर्ण मामला समाधान हुआ।

शिक्षा विभाग द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर अवगत कराया गया कि राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, तुला का भवन पिछले लगभग 64 वर्षों से आबादी क्षेत्र में निर्मित होकर संचालित हो रहा है। विद्यालय की स्थापना वर्ष 1962 में हुई थी, किंतु विद्यालय के नाम से भूमि आवंटन अथवा आबादी पट्टा उपलब्ध नहीं था। पट्टा नहीं होने के कारण विद्यालय के नए भवन निर्माण एवं अन्य विकास कार्यों में लगातार बाधा उत्पन्न हो रही थी।

आवेदन प्राप्त होने पर उपखण्ड अधिकारी, बड़गांव के मार्गदर्शन में पंचायतीराज विभाग की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण की। शिविर के दौरान ही विद्यालय का पट्टा तैयार कर विद्यालय प्रशासन को सुपुर्द किया गया। 64 वर्षों से लंबित इस महत्वपूर्ण कार्य के पूर्ण होने पर ग्राम तुला के ग्रामीणों ने प्रसन्नता व्यक्त की तथा शिविर आयोजन एवं प्रशासन के प्रति आभार प्रकट किया। इसके अतिरिक्त, ग्राम पंचायत द्वारा शिविर के दौरान आबादी क्षेत्र के 20 अन्य पट्टे भी जारी किए गए।

# तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण शीघ्र शुरू करने की मांग, शिक्षक संघ ने सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल | चित्तौड़गढ़

राजस्थान शिक्षक संघ (प्रगतिशील) उपशाखा चित्तौड़गढ़ ने तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण शीघ्र प्रारंभ करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री, शिक्षामंत्री, प्रमुख शासन सचिव तथा शिक्षा निदेशक (माध्यमिक एवं प्रारंभिक शिक्षा) के नाम उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। उपशाखा मंत्री राजूलाल तेली ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा हाल ही में स्थानांतरण नीति लागू की गई है, लेकिन तृतीय श्रेणी शिक्षकों को इससे बाहर रखा गया है। उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों से तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण नियमित रूप से नहीं खोले गए हैं, जिससे हजारों शिक्षक अपने परिवारों से दूर कठिन परिस्थितियों में सेवाएं देने को मजबूर हैं।

ज्ञापन में बताया गया कि लंबे समय से स्थानांतरण नहीं होने के कारण शिक्षकों को पारिवारिक, सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। अनेक शिक्षक अपने गृह जिले अथवा निकटवर्ती क्षेत्रों में सेवाएं देने के अवसर से वंचित हैं, जिससे उनका मनोबल भी प्रभावित हो रहा है। शिक्षक संघ ने सरकार से मांग की कि तृतीय श्रेणी शिक्षकों के हितों को ध्यान में रखते हुए शीघ्र पारदर्शी एवं न्यायसंगत स्थानांतरण प्रक्रिया शुरू की जाए, ताकि शिक्षकों को राहत मिल सके।

इस दौरान प्रदेश सचिव शिव कोदली, प्रदेश कोषाध्यक्ष कालूराम खटीक, जिला महामंत्री गोपेश कोदली, जिला प्रवक्ता अनिल बारेसा, भदेसर ब्लॉक अध्यक्ष उमेश चाष्टा, पुष्पेंद्र समदानी, सूर्यकांत तोलम्बिया, विकास वैष्णव, गोवर्धनलाल आचार्य, श्याम सिंह, फतह सिंह सोलंकी सहित बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

# जिला पर्यटन विकास समिति की बैठकः पर्यटन सीजन से पहले उदयपुर में तैयारियों पर मंथन, पर्यटन सुविधाओं के विस्तार पर फोकस

## जल्द शुरू होगी हेरिटेज वॉक, पर्यटन को मिलेगी रफ्तार, मांझी मंदिर में पर्यटकों को वसूली की शिकायत पर होगी जांच

स्मार्ट हलचल | उदयपुर

जिला पर्यटन विकास समिति की बैठक सोमवार को जिला कलक्टर गौरव अग्रवाल के निर्देशन में कलेक्ट्रेट मिनी सभागार में आयोजित हुई। एडीएम सिटी जितेंद्र ओझा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में आगामी पर्यटन सीजन को देखते हुए झीलों की नगरी उदयपुर में पर्यटन सुविधाओं को और बेहतर बनाने सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

प्रारंभ में संयुक्त निदेशक पर्यटन सुमिता सरोच ने सभी का स्वागत किया। उपनिदेशक एवं समिति की सदस्य सचिव शिखा सक्सेना ने गत बैठक कार्यवाही विवरण प्रस्तुत किया। एडीएम श्री ओझा ने बिन्दूवार पालना रिपोर्ट की समीक्षा की। इसमें बताया कि ओल्ड सिटी एरिया में नगर निगम की ओर से पुनः हेरिटेज वॉक प्रारंभ कराई जा रही है। इसके लिए टेण्डर प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है तथा वर्क ऑर्डर जल्द जारी किए जाएंगे। इसके साथ ही हेरिटेज वॉक प्रारंभ हो जाएगी। इससे बाहर से आने वाले पर्यटकों को उदयपुर की ऐतिहासिक विरासतों से रूबरू होने का अवसर मिलेगा। बैठक में प्रमुख पर्यटन स्थलों पर पार्किंग व्यवस्था, सुलभ शौचालय, पर्यटकों की सुरक्षा के लिए अपेक्षित बंदोबस्त आदि पर भी चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। एडीएम श्री ओझा ने गत बैठक में हुए निर्णय की पालना में आगामी एक माह में अपेक्षित स्थलों पर पर्यटकों की सुविधा के लिए आवश्यक संकेतक एवं सूचना पट्ट लगवाना सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में सीईओ जिला परिषद विरमाराम, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, होटल एसोसिएशन, गाइड एसोसिएशन एवं पर्यटन क्षेत्र से जुड़े अन्य प्रतिनिधियों ने भाग लेकर अपने सुझाव प्रस्तुत किए। बैठक में प्राप्त सुझावों के आधार पर पर्यटन सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए आवश्यक कार्ययोजना तैयार करने पर सहमति बनी।

### जांच के निर्देश

बैठक में सदस्यों ने मांझी मंदिर में पर्यटकों से फोटोग्राफी के लिए वसूली किए जाने की शिकायत की। वहीं नागदा स्थित सहस्त्रबाहु मंदिर में प्री वेडिंग शूट करने वालों की ओर से आम पर्यटकों को परेशान किए जाने, ऐतिहासिक धरोहर को नुकसान पहुंचाने जैसी शिकायतें भी सामने आई। इस पर एडीएम श्री ओझा ने मांझी मंदिर के संबंध में देवस्थान विभाग तथा सहस्त्रबाहु मंदिर के विषय में पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग एवं पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर उसकी जांच एवं आवश्यक कार्यवाही कराने के निर्देश दिए।

# एडीजे योगिता ने किया उपकारागृह का निरीक्षण

**बेगूं।** जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव योगिता द्वारा सोमवार को उपकारागृह का निरीक्षण किया गया।

उन्होंने जेल की रसोईघर, बैरक, शौचालय, स्नानागार आदि की साफ-सफाई का निरीक्षण किया तथा बंदी रजिस्टर की। उन्होंने जेल में संचालित बंदी विधिक सहायता क्लिनिक के बारे में जागरूक करते हुए प्रत्येक कैदी से उसके जेल में आने के कारणों एवं उसकी तरफ से कोई वकील पैरवी कर रहा है अथवा नहीं आदि की जानकारी लेकर उन्हें विधिक सहायता आवेदन पत्र भरने हेतु प्रेरित किया गया, ताकि बिना किसी रुकावट के समाज के किसी भी तबके से आने वाले व्यक्ति जो कि जेल में निरुद्ध है, उन्हें अतिशीघ्र न्याय मिल सके। निरीक्षण के दौरान कारापाल किशनलाल मीणा स्टाफ सहित उपस्थित रहे।

# दशनाम गोस्वामी समाज सेवा संस्था की नई कार्यकारिणी का गठन

स्मार्ट हलचल | चित्तौड़गढ़

दशनाम गोस्वामी समाज सेवा संस्था (रजिस्टर्ड) शहर चित्तौड़गढ़ की नई कार्यकारिणी का गठन रविवार को शंकर घाटा स्थित समाज कार्यालय में आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से तीन वर्ष के कार्यकाल के लिए किया गया।

संस्था अध्यक्ष यशवंत पुरी गोस्वामी (एडवोकेट) ने बताया कि बैठक में अध्यक्ष पद पर यशवंत पुरी गोस्वामी, उपाध्यक्ष पद पर सुनील पुरी, चंद्रप्रकाश पर्वत गोस्वामी (एडवोकेट) एवं हितेंद्र पुरी, महामंत्री पद पर गोपाल गिरी, राजेश गिरी (एडवोकेट) और राजू गिरी (एडवोकेट), कोषाध्यक्ष देवेंद्र पुरी, सचिव नरेंद्र पुरी, सहसचिव अल्पेश पुरी (एडवोकेट) तथा संगठन मंत्री के रूप में बालकिशन पुरी, गणेश गिरी, यशवंत पुरी (डीजे) एवं संजय पुरी को जिम्मेदारी सौंपी गई।

मीडिया प्रभारी के रूप में मोहित पुरी एवं विष्णु भारती, अनुशासन समिति में शंभु गिरी, जबकि युवा अध्यक्ष के रूप में रुपेंद्र गिरी (गंभीरी नदी पूर्वी क्षेत्र) एवं प्रवीण पुरी (पश्चिमी क्षेत्र) का चयन किया गया। संरक्षक मंडल में समाज के वरिष्ठजनों को शामिल किया गया।

बैठक में उपस्थित समाजजनों ने नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया। साथ ही निर्णय लिया गया कि महिला अध्यक्ष का चुनाव 26 जुलाई 2026 को समाज कार्यालय में आयोजित बैठक में किया जाएगा। अध्यक्ष यशवंत पुरी ने बताया कि समाज के छात्रावास एवं नोहरे के लिए नगर परिषद अथवा नगर विकास न्यास से भूमि आवंटन कराने के प्रयास किए जाएंगे। साथ ही समाज की शिक्षा, रोजगार एवं सामाजिक जानकारी का डाटा तैयार कर संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए संगठन मंत्रियों एवं युवा अध्यक्षों को विशेष जिम्मेदारियां सौंपी गईं। उन्होंने युवा कार्यकारिणी का शीघ्र गठन करने के भी निर्देश दिए।

# वंडर सीमेंट को लगातार पांचवीं बार मिला 'शिक्षा विभूषण' सम्मान

## राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में 11वीं बार हुआ सम्मानित

स्मार्ट हलचल | निंबाहेड़ा

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान एवं राजकीय विद्यालयों के आधारभूत विकास के लिए किए गए उल्लेखनीय कार्यों पर वंडर सीमेंट लिमिटेड को राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित 30वें राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह-2026 में प्रदेश के सर्वोच्च शिक्षा सम्मान 'शिक्षा विभूषण' से सम्मानित किया गया। यह लगातार पांचवीं बार है जब कंपनी को यह प्रतिष्ठित सम्मान मिला है, जबकि अब तक कुल 11वीं बार राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान से नवाजा जा चुका है।

जयपुर में आयोजित समारोह में उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, प्रारंभिक शिक्षा एवं पंचायती राज विभाग के निदेशक सीताराम जाट तथा अतिरिक्त मुख्य सचिव (शिक्षा) राजेश कुमार यादव ने वंडर सीमेंट के महाप्रबंधक (ब्रांडिंग) प्रवीण मिश्रा एवं वरिष्ठ अधिकारी (सीएसआर) राहुल व्यास को सम्मान प्रदान किया।

वंडर सीमेंट के यूनिट हेड नितिन जैन ने बताया कि वर्ष 2025-26 में कंपनी ने शिक्षा क्षेत्र में 3.97 करोड़ रुपये व्यय कर परियोजना क्षेत्र के राजकीय विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं के विकास एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अनेक कार्य कराए। इनमें विद्यालयों का नवीनीकरण, नए कक्ष एवं बरामदों का निर्माण, इंटरएक्टिव फ्लैट पैनल, कंप्यूटर लैब, प्रार्थना स्थल, मंच, शौचालय, स्वागत द्वार तथा विद्यार्थियों के लिए फर्नीचर उपलब्ध कराना शामिल है। उन्होंने बताया कि वंडर सीमेंट रूरल डेवलपमेंट सेंटर के माध्यम से कक्षा 8वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों तथा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए निःशुल्क कोचिंग एवं अध्ययन सामग्री भी उपलब्ध कराई जा रही है।

समारोह में कंपनी की अनुशंसा पर शिक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्रमोद दशोरा (एडीपीसी, चित्तौड़गढ़), महेश कुमार शर्मा, हरीश टांक, सीमा यादव तथा सुरेश कुमावत को भी प्रेरक सम्मान प्रदान किया गया।

# पैगंबर पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी और धार्मिक स्थलों पर कार्रवाई के विरोध में कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग का प्रदर्शन

स्मार्ट हलचल | चित्तौड़गढ़

जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के नेतृत्व में सोमवार को जिलेभर के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पैगंबर मोहम्मद पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी तथा राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में धार्मिक स्थलों पर की जा रही ध्वस्तीकरण कार्रवाई के विरोध में प्रदर्शन कर जिला कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा।

जिलाध्यक्ष इम्तियाज हुसैन लौहार के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट चौराहे पर नारेबाजी कर विरोध दर्ज कराया। इसके बाद रैली के रूप में जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में सोशल मीडिया पर पैगंबर मोहम्मद के संबंध में की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताते हुए संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की गई। साथ ही आपत्तिजनक सामग्री को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से हटाने की भी मांग उठाई गई।

इसके अलावा ज्ञापन में बाड़मेर, बीकानेर सहित सीमावर्ती क्षेत्रों में मस्जिदों, मदरसों एवं दरगाहों पर चल रही कथित ध्वस्तीकरण कार्रवाई पर भी चिंता व्यक्त की गई। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि किसी भी कार्रवाई से पहले प्रभावित पक्ष को अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाए तथा मामले की निष्पक्ष जांच कर संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप निर्णय लिया जाए।

प्रदर्शन में प्रदेश एवं जिला स्तर के अल्पसंख्यक विभाग के पदाधिकारी, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# महुवा नगर पालिका में शहरी सेवा शिविर के तहत पट्टे सहित अन्य कार्य से आमजन को हो रहा है लाभ

स्मार्ट हलचल

**महुवा।** राज्य सरकार द्वारा संचालित शहरी सेवा शिविर-2026 अभियान के तहत नगर पालिका महुवा में शिविर का आयोजन किया जा रहा है। अभियान अवधि 12 जून 2026 से 15 जुलाई 2026 तक निर्धारित शिविर में लीज राशि में छूट, धारा 69-के, कृषि भूमि नियमन, लघु अवधि लीज/किराये पर दी गई संपत्तियों के फ्रीहोल्ड पट्टे तथा अन्य योजनाओं से संबंधित प्रकरणों का निस्तारण किया जा रहा है।

नगरपालिका कार्यालय परिसर महुवा में आयोजित शिविर में वार्ड संख्या 1 से 35 तक के नागरिकों को सरकार द्वारा निर्धारित कार्यों को शिविर के माध्यम से कर लाभान्वित किया जा रहा है।

प्राप्त जानकारी अनुसार 29 जून 2026 तक कृषि भूमि पर बसी स्वीकृत योजनाओं के अंतर्गत पट्टों के 128 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 57 का निस्तारण किया गया।

इसके अलावा जन्म प्रमाण पत्र, विवाह पंजीयन, मृत्यु प्रमाण पत्र के 67 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें सभी 67 का निस्तारण किया गया। फायर एनओसी के 8 आवेदन प्राप्त हुए और 8 का निस्तारण किया गया। स्ट्रीट लाइट संबंधी 57 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनका भी मौके पर समाधान किया गया। साथ ही प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत बैंकों द्वारा स्वीकृत 10 आवेदनों का निस्तारण कर लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया।

महुवा नगर पालिका अधिशाषी अधिकारी राजेश मीना ने बताया कि शहरी सेवा शिविर के माध्यम से आमजन को विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान करते हुए उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा रहा है।

# डॉ. कनक जैन को मिला राज्य स्तरीय भामाशाह प्रेरक सम्मान

स्मार्ट हलच

**चित्तौड़गढ़।** शिक्षा, साहित्य और पत्रकारिता के क्षेत्र में विगत तीन दशकों से अधिक समय से सक्रिय स्थानीय निवासी डॉ. कनक जैन को शिक्षा विभाग द्वारा सोमवार को जयपुर में राज्य स्तरीय भामाशाह प्रेरक सम्मान से सम्मानित किया गया है।

जानकारी के अनुसार राज्य स्तरीय भामाशाह एवं प्रेरक सम्मान समारोह उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा के मुख्य आतिथ्य में जयपुर के बिड़ला आडिटोरियम में सोमवार को आयोजित हुआ। समारोह में उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा एवं शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, अतिरिक्त शिक्षा सचिव राजेश यादव ने राज्यभर से चयनित 145 भामाशाहों एवं 99 प्रेरकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर राजस्थान के मिड डे मिल आयुक्त विश्व मोहन शर्मा, समसा की राज्य परियोजना निदेशक डॉ. रश्मि शर्मा, शिक्षा निदेशक सीता राम जाट, संयुक्त निदेशक महेन्द्र खींची भी मौजूद थे। राज्य स्तरीय भामाशाह प्रेरक के रूप में सम्मानित हुए डॉ. कनक जैन शिक्षा विभाग में पिछले 35 वर्षों से कार्यरत होकर वर्तमान में जिले के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कंथारिया में प्रधानाचार्य के पद पर कार्यरत हैं। डॉ. जैन ने पिछले वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान चंदेरिया लेड जिंक स्मेल्टर को शिक्षा संबल कार्यक्रम के लिए प्रेरित किया।

# 51 कुण्डीय श्रीराम महायज्ञ में पूर्णाहुति पर उमड़ा जन सैलाब

स्मार्ट हलचल | पावटा

भौनावास स्थित प्राचीन एवं श्रद्धा के प्रमुख केंद्र जोहड़ा धाम श्री गोपाल जी मंदिर में चल रहे 51 कुण्डीय नव दिवसीय श्रीराम महायज्ञ एवं श्रीराम कथा महोत्सव का समापन सोमवार को भण्डारे के साथ हुआ। पूर्व जिला पार्षद धूड सिंह शेखावत ने बताया कि श्री 1008 महामण्डलेश्वर गिरधारी दास जी महाराज के पावन सानिध्य में धार्मिक महोत्सव के तहत बिहारीदास महाराज की अष्टधातु निर्मित मूर्ति एवं चरण पादुका अनावरण, पट्टा अभिषेक तथा संत-महात्माओं के सानिध्य में आयोजित हुआ। इस मौके पर महामण्डलेश्वर गिरधारी दास महाराज ने कहा कि 'श्रीराम महायज्ञ केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज में सद्भाव, संस्कार, आध्यात्मिक जागृति और लोककल्याण की भावना को सुदृढ़ करने का माध्यम है।' महायज्ञ की समाप्ति पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों महिलाओं, युवाओं एवं श्रद्धालुओं ने भोजन प्रसादी ग्रहण की। जस दौरान पूर्व राज्यमंत्री राजेन्द्र यादव, सत्ताईसा राजपूत समाज के पूर्व अध्यक्ष दशरथ सिंह शेखावत, विधायक इन्द्राज गुर्जर, पूर्व प्रधान विक्रम सिंह तंवर, हरिसिंह गुरूजी, किशन लाल शर्मा, बिशन सिंह, उमाशंकर गुप्ता, लालचंद खंडेलवाल, मनीष शर्मा, हंसराज सिंह, राजपाल सिंह सहित बड़ी संख्या में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

# शोध फैलोशिप हेतु आवेदन करने की आज अंतिम तिथि

स्मार्ट हलचल | उदयपुर

माणिक्य लाल वर्मा आदिम जाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा शोध फैलोशिप छात्रवृत्ति हेतु टीएसपी क्षेत्र के एवं बारां जिले के शाहबाद एवं किशनगंज तहसील के निवासी जनजाति पी.एच.डी. शोधार्थियों से आवेदन पत्र आमंत्रित किये हैं। आज आवेदन करने की अंतिम तिथि है।

निदेशक ओपी जैन (आरएएस) ने बताया कि आवेदन 30 जून सायं 5 बजे तक स्वीकार किए जाएंगे। आवेदन के लिए आवेदक की आयु 21 से 35 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। आवेदक या उसके माता-पिता में से कोई भी आयकरदाता नहीं होना चाहिए। नेट/स्लेट उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। चयनित शोधार्थी को 37 हजार रूपये मासिक फैलोशिप 3330/- रूपये मकान किराया देय होगा तथा शोध अवधि हेतु 40 हजार रूपये आकस्मिक निधि के रूप में भुगतान किये जायेगे।

श्री जैन ने बताया कि गलत तथ्यों को पेश कर स्वीकृत हुयी फैलोशिप अथवा समय पर शोध पूर्ण नहीं करने एवं शोध अवधि समाप्ति के 1 वर्ष के भीतर शोध थीसिस पेश नहीं करने पर भुगतान की गयी फैलोशिप की वसूली शोधार्थी से की जाएगी। ताकि सद्भावी शोधार्थियों के समयावधि में शोध पूर्ण करने की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिले। योजना के विस्तृत दिशा-निर्देश जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

## मुसलमानों के धार्मिक स्थलों को अवैध रूप से तोड़े जाने के विरोध में सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

**सांगोद।** सांगोद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राजस्थान बीजेपी की राज्य सरकार द्वारा बिना किसी संवैधानिक तरीके व अनैतिक व कुंडा रूप से राजस्थान के सीमावर्ती थार क्षेत्र बाड़मेर,जैसलमेर व बीकानेर में मुस्लिम समाज के धार्मिक उपासना स्थल मस्जिदों,मदरसे वह दरगाहों को अवैध रूप से तोड़े जाने को लेकर सांगोद उपखण्ड अधिकारी को महामहिम राष्ट्रपति भारत सरकार के नाम राजस्थान कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष एम डी चोपदार के निर्देशानुसार कोटा जिला देहात कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष असरार अहमद के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा जिला देहात कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष असरार अहमद,वक्फ कमेटी सदर मिर्जा मुश्ताक अहमद,जिला देहात अल्पसंख्यक उपाध्यक्ष सलीम अंसारी,महमूद बेग, मोहम्मद शरीफ,शौकत अंसारी ने बताया कि कि हमारा देश सौहार्द व भाईचारे की मिसाल हे यहां पर गंगा जमुना तहजीब देखने को मिलती हैं जो पूरी दुनिया में वसुदेव कुटुम्ब की भावना को सार्थक सिद्ध करती है लेकिन जब से हमारे देश में बीजेपी सरकार सत्ता में आई है तब से मुसलमानों के आस्था के केंद्र धार्मिक स्थान मस्जिद,दरगाह व मदरसों को भेदभावपूर्ण तरीके से तोड़ा जा रहा है हमारे देश के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा बाबरी मस्जिद वह राम मंदिर का फैसला जब आस्था के नाम पर राम मंदिर के हक में दिया गया उसे मुसलमानों ने सहजता से स्वीकार किया जिसे पूरी दुनिया ने देखा हे फिर मुसलमानों की आस्था के केन्द्र मस्जिद,मदरसे वह दरगाहो को क्यों नजरअंदाज किया जा रहा है बिना किसी संवैधानिक तरीके व अनैतिक व कुंठा रूप से राजस्थान के सीमावर्ती थार क्षेत्र बाड़मेर,जैसलमेर,बीकानेर में मुस्लिम समाज के धार्मिक उपासना स्थल मस्जिदों,दरगाहों को भेदभाव पूर्ण अवैध तरीके से तोड़ा जा रहा है अभी कुछ समय पूर्व राजस्थान के जयपुर में सौंदर्यीकरण के नाम पर नूरानी मस्जिद को शहीद कर दिया गया साथ ही विगत कुछ समय पूर्व ही मुसलमानों की आस्था के केंद्र व इबादतगाहो को भेदभाव पूर्ण तरीके से तोड़ा जा रहा है जो की मुस्लिम समाज की आस्था की उपासना को चोट पहुचाने का कार्य करते हुए धार्मिक स्वतंत्रता का हनन किया जा रहा है राजस्थान की बी जे पी सरकार द्वारा मुस्लिम समाज के प्रति भेदभाव पूर्ण कार्यवाही करते हुए राजस्थान के थार सीमावर्ती क्षेत्र व जयपुर आदि जगह मस्जिदों व दरगाहों को टारगेट किया जाकर अनउपयुक्त तरीके से ध्वस्त किया जा रहा है जो पूणतः संविधान द्वारा प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता का हनन है हमारे देश की गंगा जमुना तहजीब,सौहार्द व भाईचारे को बनाए रखते हुए मुसलमानों के आस्था के केंद्रों का संरक्षण कर धार्मिक स्थलों का भी सम्मान किया जाए ! ज्ञापन देते समय युसुफ अली इकबाल सिगीवाला शफीक मोहम्मद चांद भाई निहारगीर रहमान अंसारी डॉ इलियास अंसारी रफीक भाई निहारगीर निसार पठान असलम अंसारी तारीफ पठान रफीक ठेकेदार फरीद शाह शब्बीर बेग दानिश खान सिराज रंगरेज रुस्तम अगवान शरीफ टेलर एफाज हुसैन मोहम्मद दानिश उरफान अंसारी शाहरुख खान शकील टेलर शहजाद अंसारी शाकिर टेलर सलामउद्दीन नासिर पठान शहजाद खान मोहम्मद शाहरुख नौशाद खान जफर अंसारी तस्लीम शाह समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान पर जे.के. सीमेंट को मिला राज्य स्तरीय 'शिक्षा भूषण सम्मान'

स्मार्ट हलचल | निंबाहेड़ा

शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे कार्यों के चलते जे.के. सीमेंट निंबाहेड़ा एवं मांगरोल को राजस्थान सरकार के 30वें राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह-2026 में प्रतिष्ठित 'शिक्षा भूषण सम्मान' से सम्मानित किया गया।

यह सम्मान राजस्थान के उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, प्रारंभिक शिक्षा एवं पंचायती राज विभाग के निदेशक सीताराम जाट तथा अतिरिक्त मुख्य सचिव (शिक्षा) राजेश कुमार यादव ने संयुक्त रूप से प्रदान किया। जे.के. सीमेंट की ओर से फंक्शनल हेड (एचआर) प्रभाकर मिश्रा एवं सेक्शन हेड (सीएसआर) राहुल कुमार ने सम्मान ग्रहण किया।

जे.के. सीमेंट के यूनिट हेड मनीष तोषनीवाल ने कहा कि कंपनी की प्राथमिकता राजकीय विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं का विकास एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देना है। इसी उद्देश्य से आसपास के सरकारी विद्यालयों में भवनों का नवीनीकरण, नए कक्षा-कक्ष एवं बरामदों का निर्माण, शौचालयों की स्थापना तथा विद्यार्थियों के लिए फर्नीचर जैसी आवश्यक सुविधाएं विकसित की गई हैं।

उन्होंने कहा कि यह सम्मान कंपनी की सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत शिक्षा क्षेत्र में निरंतर किए जा रहे प्रयासों का सम्मान है तथा भविष्य में भी जे.के. सीमेंट शिक्षा एवं सामाजिक विकास के क्षेत्र में अपनी सहभागिता जारी रखेगी।

## आकाशीय बिजली से युवक की मौत

स्मार्ट हलचल

**सांगोद।** क्षेत्र के बोरीनाकलां गांव में धान की लगाई पौध में कचरे की सफाई करके वापस घर लौटते वक्त बेणिराम आयु 47 वर्ष पुत्र राधेश्याम निवासी बोरीनाकलां पर बिजली गिरने से मौत हो गई,घटना के दौरान उनकी पत्नी सावित्री भी साथ थी।उनके खेत से दूसरे खेत में पैदल चलने के दौरान ये हादसा हुआ।ये जमीन कृषक बेणिराम ने किसी दूसरे खातेदार से धान की उपज करने के लिए मुनाफा काश्त पर ली थी।

नियति को कुछ ओर ही मंजूर था,बेणिराम ने इस वर्ष बोरीनाकलां के माल में दूसरे खातेदार की जमीन जुपाई पर की थी,इस जमीन में धान की फसल करने की तैयारी में किसान दम्पति जुटा हुआ था,उसके दो पुत्र है,जो दोनों अविवाहित है,सोमवार को बेणिराम व उनकी पत्नी सावित्री खेत में धान के पौध तैयार करने के बाद उसमें हुए कचरे की सफाई करने के लिए गए थे,ताकि धान की फसल अच्छी तरह से हो सकें।ये सोमवार शाम साढे चार बजे करीब धान के पौध में सपफाई कार्य निपटाने के बाद दोनों घर लौट रहे थे,उनके जुपाई वाले खेत से दूसरे खेत में पैदल चल रहे थे,इसी दौरान मौसम बिगडने के बाद अचानक तेज गर्जना के साथ बेणिराम पर बिजली गिर गई,बिजली गिरने से वह झुलस गए तथा अचेत होकर नीचे गिर पडे,आस पास खेतों पर काम कर रहे लोग दौडे तथा उन्हें उपजिला चिकित्सालय सांगोद लेकर आएं,यहां चिकित्सकों ने कृषक बेणिराम को मृत घोषित कर दिया,शव का पोस्ट मार्टम के बाद परिजनों को सुपुर्द कर दिया।बिजली गिरने से किसान बेणिराम की मौत के बाद बोरीनाकलां में सन्नाटा पसरा हुआ है। परिजनों का हाल बेहाल है।

## होली पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर गांव में दहशत फैलाने वाला बीस हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार, महवा पुलिस की बड़ी कामयाबी

**चार महीने से फरार चल रहा था देशराज मीणा उर्फ देशु, सात आरोपी पहले ही हो चुके हैं गिरफ्तार**

स्मार्ट हलचल

**महवा (दौसा)।** महवा थाना पुलिस ने होली के दौरान हुई सनसनीखेज फायरिंग की वारदात में बड़ी सफलता हासिल करते हुए 20 हजार रुपये के इनामी बदमाश देशराज मीणा उर्फ देशु को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पिछले करीब चार महीनों से पुलिस की गिरफ्त से बाहर था और लगातार अपने ठिकाने बदलकर कानून की आंखों में धूल झोंक रहा था। पुलिस मुख्यालय द्वारा उस पर 20 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। आखिरकार महवा पुलिस की सतर्कता, तकनीकी निगरानी और लगातार की गई दबिशों के चलते सोमवार को आरोपी पुलिस के शिकंजे में आ गया।

जानकारी के अनुसार 2 मार्च 2026 को होली के दिन गहनौली गांव में दो पक्षों के बीच हुए आपसी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया था। दिन में हुई कहासुनी के बाद रात करीब 11 बजे आरोपी अपने साथियों के साथ परिवादी के घर पहुंचा और अवैध हथियारों से ताबड़तोड़ फायरिंग कर पूरे गांव में दहशत फैला दी। अचानक हुई गोलियों की आवाज से ग्रामीण सहम गए और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने महवा थाने में मामला दर्ज कराया, जिसके बाद पुलिस ने गंभीर धाराओं एवं आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में विशेष टीम का गठन किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने एक-एक कर सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि वारदात में प्रयुक्त 315 बोर का अवैध देशी कट्टा भी बरामद कर लिया गया। हालांकि मुख्य आरोपी देशराज मीणा पुलिस के लिए लगातार चुनौती बना हुआ था और गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था।

महवा थाना पुलिस ने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया, तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया और कई स्थानों पर लगातार दबिश दी। लंबे समय तक चली तलाश के बाद पुलिस को आरोपी की सटीक सूचना मिली, जिसके आधार पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वारदात की पूरी साजिश कैसे रची गई थी और क्या इसमें अन्य लोगों की भी भूमिका रही है।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ पहले भी आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस उसके आपराधिक इतिहास की भी जांच कर रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि वह किन-किन मामलों में संलिप्त रहा है।

यह पूरी कार्रवाई जयपुर रेंज पुलिस महानिरीक्षक राहुल प्रकाश (आईपीएस), दौसा पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित (आईपीएस), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं वृत्ताधिकारी महवा के निर्देशन में महवा थाना प्रभारी महेंद्र सिंह के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने अंजाम दी। पुलिस अधिकारियों ने इसे क्षेत्र में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की महत्वपूर्ण सफलता बताया है।

## खेत में उगाये 233 गांजे के पौधे व 530 ग्राम गांजा जब्त, एक गिरफ्तार

**चित्तौड़गढ़।** ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत भादसोड़ा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ग्राम चाकुड़ा स्थित एक खेत में अवैध रूप से उगाए गए 233 गांजे के पौधे एवं 530 ग्राम गांजा जब्त कर खेत मालिक महिपाल सिंह को गिरफ्तार किया।

पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि महानिरीक्षक रेंज उदयपुर गौरव श्रीवास्तव द्वारा चलाये जा रहे ऑपरेशन त्रिनेत्र के अन्तर्गत अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध कार्यवाही की जा रही है। इसी अभियान के तहत एएसपी मुकुल शर्मा के निर्देशन एवं डीएसपी भदेसर विनोद कुमार के पर्यवेक्षण में रविवार को भादसोड़ा थानाधिकारी महेन्द्रसिंह के नेतृत्व में एएसआई जीवन सिंह, हेड कांस्टेबल बालुराम, कांस्टेबल बबलु, प्रकाश, शान्तिलाल, चालक कांस्टेबल रतनलाल की टीम ने मुखबिर की सूचना पर चाकुड़ा गांव में चाकुड़ी मार्ग पर महिपाल सिंह पिता नारायण सिंह के खेत पर छापा मारा। जहां खेत में सुखे व हरे गांजे के कुल 233 पौधे एवं 530 ग्राम गांजा मिला, जिसे जब्त कर खेत मालिक महिपाल सिंह को गिरफ्तार किया गया।

## पत्नी और प्रेमी को पति की हत्या के आरोप में आजीवन कारावास

स्मार्ट हलचल

**भवानी मंडी।** अपर जिला एवं सेशन न्यायालय ने आज अपने ऐतिहासिक फैसले में कलयुगी पत्नी तथा उसके प्रेमी को पति की हत्या के आरोप में आजीवन कारावास की सजा से दंडित किया अपार लोग अभियोजक हेमराज शर्मा ने बताया कि अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश, भवानीमण्डी राजीव दत्तात्रेय जी द्वारा ग्राम सांगोरिया थाना सुनेल में पत्नी द्वारा अन्य व्यक्ति के साथ मिलकर पति की हत्या के प्रकरण में थाना सुनेल पर मुकदमा संख्या 204/2024 धारा 103(1), 3(5), 238 (ए) भारतीय न्याय संहिता में दर्ज किया गया था।

प्रथम सूचना रिपोर्ट मृतक शिवराज सिंह आत्मज धनसिंह राजपूत निवासी सांगोरिया के भाई नरेन्द्र सिंह द्वारा दर्ज करवाई गई थी। जिसमें बताया कि सुबह लगभग 6 बजे उसकी भतीजी अदिति उसे बुलाने आई जिस पर वह उसके भाई के मकान पर गया और वहां देखा कि उसका भाई चार पाई पर लेटा हुआ था जिसके सिर से खून बह रहा था और हाथ में हिटर की स्प्रिंग लिपटी हुई थी। इत्यादि उक्त रिपोर्ट पर थाना सुनेल द्वारा बाद अनुसंधान नियमानुसार आरोप पत्र न्यायालय में पेश किया गया।

अभियोजन पक्ष की ओर से न्यायालय में कुल 23 गवाहों के बयान लेखबद्ध करवाये गये व 65 दस्तावेज व 08 आर्टिकल प्रदर्शित करवाये गये। दोनों पक्षों की सुनवाई के उपरान्त माननीय न्यायालय द्वारा थाना सुनेल ने एफ.आई.आर. नम्बर 204/2024 धारा 103(1), 3(5) 238(ए) भारतीय न्याय संहिता में प्रकरण आरोपी किरण कुंवर पत्नी शिवराज सिंह निवासी सांगोरिया थाना सुनेल एवं सुरेन्द्र सिंह उर्फ सुन्दर सिंह पुत्र गोपाल सिंह जाति राजपूत निवासी सांगोरिया थाना सुनेल को दोषी मानते हुये अपराध धारा 103(1), 3(5) भारतीय न्याय संहिता में आजीवन कारावास व 20,000/-रूपये, धारा 238(ए) भारतीय न्याय संहिता में 07 वर्ष कठोर कारावास 10,000/-रूपये अर्थदण्ड से दण्डित किया।

## कोटा मंडल आरपीएफ की बड़ी कार्रवाई: 4,50,000 का चोरी का सामान बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार

**हरिद्वार एक्सप्रेस के कोच एम-1 से हुई थी चोरी, सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पकड़ा गया आरोपी**

स्मार्ट हलचल| कोटा

कोटा मंडल की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) टीम ने एक यात्री की चोरी हुई संपत्ति, जिसका अनुमानित मूल्य लगभग 4,50,000 है, बरामद करते हुए मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त कोटा श्री पवन श्रीवास्तव के दिशा-निर्देशन में संपन्न हुई। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक एवं जनसम्पर्क अधिकारी श्री सौरभ जैन ने बताया कि रेल मदद पोर्टल पर दर्ज शिकायत में बताया गया कि ट्रेन संख्या 19020 हरिद्वार एक्सप्रेस के कोच एम-1 से एक महिला यात्री का पर्स चोरी हो गया। पर्स में एक सोने का मंगलसूत्र, तीन जोड़ी सोने की बालियां, दो जोड़ी अंगूठियां तथा लगभग 50,000 रुपये नकद रखे थे।

इस संबंध में जीआरपी कोटा द्वारा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 305(सी) के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया गया। जांच के दौरान निरीक्षक प्रभारी, आरपीएफ रामगंजमंडी द्वारा बांद्रा टर्मिनस से संबंधित कोच की सीसीटीवी फुटेज प्राप्त की गई। फुटेज के विश्लेषण में एक संदिग्ध व्यक्ति को कोच एम-1 से चोरी का पर्स ले जाते हुए देखा गया।

इसी फुटेज के आधार पर सहायक सुरक्षा आयुक्त-प्रथम श्री यशवंत सिंह, कोटा के निर्देशन में आरपीएफ मंडल टीम ने आरपीएफ रामगंजमंडी एवं जीआरपी कोटा के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए आरोपी को आरएमए (रामगंजमंडी) स्टेशन से पकड़ा। पूछताछ में आरोपी ने ट्रेन संख्या 19020 हरिद्वार एक्सप्रेस के कोच एम-1 से चोरी की घटना को स्वीकार कर लिया तथा चोरी की संपत्ति बरामद कराने पर सहमति दी। पहचान की पुष्टि के बाद जीआरपी कोटा ने आरोपी को गिरफ्तार कर पुलिस रिमांड पर लिया। आरोपी की निशानदेही पर एक सोने का मंगलसूत्र, सोने की बालियां, सोने की अंगूठियां तथा लगभग 18,500 रुपये नकद बरामद किए गए। बरामद संपत्ति का कुल अनुमानित मूल्य 4,50,000 है।

आरोपी की पहचान चंदर शोंधिया, उम्र 21 वर्ष, निवासी गुना (मध्य प्रदेश) के रूप में हुई है। इस सफल कार्रवाई में निरीक्षक विजय सिंह , उप निरीक्षक सुमित रघुवंशी (मंडल टीम), हेड कांस्टेबल सीताराम, हेड कांस्टेबल मनोज कुमार तथा कांस्टेबल सत्यव्रत की सराहनीय भूमिका रही। यात्रियों से अपील की जाती है कि वे यात्रा के दौरान अपने सामान एवं कीमती वस्तुओं की सुरक्षा स्वयं सुनिश्चित करें तथा किसी भी संदिग्ध घटना की सूचना तत्काल रेल मदद हेल्पलाइन या निकटतम आरपीएफ पोस्ट पर दें।

## अंडर-17 बॉयज और अंडर-14 गर्ल्स दोनों टीमें बनीं चैंपियनबूंदी

स्मार्ट हलचल| बूंदी

केंद्रीय विद्यालय बूँदी के खेल इतिहास में आज का दिन स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो गया है। केन्द्रीय विद्यालय की खेल टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो अलग-अलग वर्गों में खिताबी जीत हासिल की है।अंडर-17 बॉयज वर्ग के बेहद कड़े और रोमांचक फाइनल मुकाबले में केवी बूंदी के लड़कों ने जयपुर नंबर 2 को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की।

वहीं दूसरी ओर, अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए अंडर-14 गर्ल्स वर्ग के फाइनल में बूंदी की बालिकाओं ने केवी जोधपुर की मजबूत टीम को पराजित कर चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया।इस दोहरी सफलता पर पूरे विद्यालय परिसर में उत्सव का माहौल है।

विद्यालय प्रशासन ने इसे खिलाड़ियों के कड़े अनुशासन, कोच व खेल शिक्षकों के अद्वितीय समर्पण और पूरे केवी परिवार की सामूहिक मेहनत का परिणाम बताया है।

सभी विजेताओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई हैं।

## अवार्ड सेरेमनी में चमका कोटा: लायंस क्लब कोटा ने जीते 27 प्रांतीय सम्मान, सोनल नंदवाना बनीं 'बेस्ट प्रेसिडेंट'

**प्रांतीय सम्मान समारोह में कोटा का परचम, सोनल नंदवाना को मिला 'बेस्ट प्रेसिडेंट' अवॉर्ड**

स्मार्ट हलचल|कोटा

सेवा, नेतृत्व और सामाजिक सरोकारों में उल्लेखनीय योगदान के दम पर लायंस क्लब कोटा ने एक बार फिर प्रदेश स्तर पर अपनी सशक्त पहचान स्थापित की है। लांयस क्बल इंटरनेशनल के डिस्ट्रिक्ट 3233श्र-2 के सत्र 2025-26 के प्रांतीय पुरस्कार वितरण समारोह में लांयस क्बल कोटा ने विभिन्न सेवा प्रकल्पों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कुल 27 प्रतिष्ठित प्रांतीय पुरस्कार अपने नाम किए और सोनल नंदवाना को बेस्ट प्रेसिडेंट प्रसिडेंट का खिताब मिला।

समारोह में एमजेएफ लायन सोनल नंदवाना को उनके नेतृत्व, नवाचारपूर्ण कार्यशैली और वर्षभर किए गए उत्कृष्ट सेवा कार्यों के लिए 'बेस्ट प्रेसिडेंट' सम्मान से नवाजा गया। उन्हें इंटरनेशनल मेडल, प्रशस्ति पत्र, सम्मान ट्रॉफी तथा विशेष प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया। समारोह के दौरान कोटा के वीडीजी-1 एमजेएफ लायन सी. पी. विजयवर्गीय को भी जिले की ओर से उनके उल्लेखनीय योगदान और संगठनात्मक नेतृत्व के लिए विशेष सम्मान प्रदान किया गया।

सोनल नंदवाना ने बताया कि लायंस क्लब कोटा को फूड फॉर हंगर, डायबिटीज जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण, नेत्र चिकित्सा एवं ऑपरेशन, महिला सशक्तिकरण, रोजगार सृजन सहित अनेक जनकल्याणकारी सेवा प्रकल्पों में उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। क्लब की यह उपलब्धि वर्षभर समाजहित में किए गए निरंतर सेवा कार्यों का प्रमाण मानी गई।

यह सम्मान प्रांतपाल रामकिशोर गर्ग, पीएमसीसी रोशन सेठी ने प्रदान किया। विजयनगर में आयोजित इस भव्य प्रांतीय पुरस्कार समारोह में विभिन्न जिलों के लायंस पदाधिकारी एवं सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

इसके अतिरिक्त वर्षभर उत्कृष्ट सेवा, सक्रिय सहभागिता और संगठन को सशक्त बनाने में योगदान देने वाले क्लब के कई सदस्यों को 'आउटस्टैंडिंग मेंबर अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। सम्मानित सदस्यों में एमजेएफ अशोक नुवाल, एमजेएफ सुधाकर बहेड़िया, सुनील आनंद, अमित शर्मा, राम मदनानी, एमजेएफ लायन सर्वेश्वर काबरा, शशि भंडारी, प्रभा विजय, राजकुमार लड्ढा, वीरेंद्र विजय, मुकेश विजयवर्गीय, कुसुम विजय, लक्ष्मीकांत पारीक, पवन परेता, आनंद राठी तथा प्रमोद विजय शामिल रहे।

## जिला पुलिस अधीक्षक की पहल पर तालेड़ा में हुआ विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन, शिविर में 102 यूनिट रक्त संग्रहित

स्मार्ट हलचल| बूंदी

जिला पुलिस अधीक्षक अवनीश कुमार शर्मा की पहल पर रविवार को पुलिस उपाधीक्षक कार्यालय तालेड़ा परिसर में विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक चले इस शिविर में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, व्यापारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, युवाओं तथा आमजन ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर मानव सेवा का संदेश दिया।

जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ-साथ समाज में स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित शिविर में सभी वर्गों और समुदायों के लोगों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। पुलिस उपाधीक्षक राजेश टेलर ने बताया कि शिविर के दौरान कुल 102 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। यह रक्त आपातकालीन परिस्थितियों में जरूरतमंद मरीजों के उपचार में उपयोगी सिद्ध होगा। बड़ी संख्या में युवाओं की भागीदारी ने कार्यक्रम को विशेष रूप से प्रेरणादायक बना दिया।

इस अवसर पर उपखंड अधिकारी बनवारी लाल बेरवा एवं पुलिस उपाधीक्षक राजेश टेलर

ने स्वयं स्वैच्छिक रक्तदान कर आमजन को रक्तदान के लिए प्रेरित किया।

रक्तदान शिविर में तालेड़ा व्यापार मंडल अध्यक्ष जितेंद्र जैन, पूर्व प्रधान राजेश रायपुरिया, मंडल अध्यक्ष राजेंद्र चौधरी सहित अनेक गणमान्य नागरिकों, व्यापारियों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों एवं युवाओं ने भी बढ़-चढ़कर रक्तदान किया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि एक यूनिट रक्त कई लोगों का जीवन बचाने में सहायक बन सकता है। इसलिए प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान करना चाहिए। रक्तदान न केवल जरूरतमंदों के लिए जीवनदायी है, बल्कि यह समाज में सेवा, सहयोग और मानवीय संवेदनाओं को भी मजबूत करता है। शिविर के सफल आयोजन के लिए उपस्थित लोगों ने बूंदी पुलिस, जिला पुलिस अधीक्षक अवनीश कुमार शर्मा, प्रशासनिक अधिकारियों, सामाजिक संगठनों एवं सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया।

# प्रधानमंत्री मोदी की विदेशी यात्राएँ भारत के लिए अर्थलाभदायक?

सौरभ वार्ष्णेय

**प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राएँ पिछले एक दशक से भारतीय राजनीति और कूटनीति के केंद्र में रही हैं। समर्थकों के लिए ये यात्राएँ भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक हैं, जबकि आलोचक इन्हें अत्यधिक प्रचार आधारित और महँगी कूटनीति मानते हैं। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या इन यात्राओं से वास्तव में भारत को ठोस लाभ मिला है?**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राएँ केवल औपचारिक कूटनीतिक कार्यक्रम नहीं रहीं, बल्कि उन्होंने भारत की वैश्विक पहचान, आर्थिक हितों और सामरिक प्रभाव को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का कार्य किया है। वर्ष 2014 में सत्ता संभालने के बाद से लेकर जून 2026 तक प्रधानमंत्री मोदी लगभग 100 विदेश यात्राएँ कर 78 देशों का दौरा कर चुके हैं। यह आँकड़ा स्वयं इस बात का प्रमाण है कि भारत ने बीते एक दशक में विश्व मंच पर अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राएँ पिछले एक दशक से भारतीय राजनीति और कूटनीति के केंद्र में रही हैं। समर्थकों के लिए ये यात्राएँ भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक हैं, जबकि आलोचक इन्हें अत्यधिक प्रचार आधारित और महँगी कूटनीति मानते हैं। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या इन यात्राओं से वास्तव में भारत को ठोस लाभ मिला है?

भारत की विदेश नीति आज केवल सीमाओं की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापार, निवेश, ऊर्जा सुरक्षा, तकनीक, रक्षा सहयोग और वैश्विक प्रभाव बढ़ाने का माध्यम भी बन चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने कार्यकाल में अमेरिका, यूरोप, खाड़ी देशों, अफ्रीका तथा हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के साथ संबंधों को नई दिशा देने का प्रयास किया है। हाल की उनकी सेशेल्स हिंद महासागर में स्थित एक खूबसूरत द्वीपीय देश है। यात्रा भी समुद्री सुरक्षा, ब्लू इकोनॉमी और हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक भूमिका को मजबूत करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इन यात्राओं का सबसे बड़ा लाभ आर्थिक क्षेत्र में दिखाई देता है। वैश्विक कंपनियों के साथ संपर्क बढ? से भारत में निवेश आकर्षित हुआ है। डिजिटल अर्थव्यवस्था, सेमीकंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और विनिर्माण क्षेत्र में भारत को नई संभावनाएँ मिली हैं। हाल के वर्षों में अनेक वैश्विक कंपनियों ने भारत में बड़े निवेश की घोषणाएँ की हैं, जिससे रोजगार और औद्योगिक विकास को गति मिलने की उम्मीद है।

रणनीतिक दृष्टि से भी भारत की स्थिति पहले की तुलना में अधिक सशक्त हुई है। हिंद महासागर क्षेत्र में भारत अपनी उपस्थिति मजबूत कर रहा है और छोटे द्वीपीय देशों के साथ

रक्षा एवं समुद्री सहयोग बढ़ा रहा है। सेशेल्स को भारत निर्मित गश्ती पोत सौंपना इसी नीति का हिस्सा है।

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की स्वीकार्यता भी बढ़ी है। अनेक देशों ने भारत की वैश्विक भूमिका का समर्थन किया है तथा भारत को एक उभरती महाशक्ति के रूप में देखा जाने लगा है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की भारतीय दावेदारी को भी विभिन्न देशों का समर्थन प्राप्त हो रहा है।

हालाँकि, विदेश यात्राओं की सफलता का मूल्यांकन केवल स्वागत समारोहों और समझौतों की संख्या से नहीं किया जा सकता। यह भी देखना आवश्यक है कि कितने समझौते धरातल पर उतरते हैं, कितना निवेश वास्तव में आता है और उससे देश के आम नागरिक को कितना लाभ मिलता है। कुछ मामलों में व्यापारिक विवाद, वैश्विक तनाव और भू-राजनीतिक चुनौतियाँ भी भारत के सामने बनी हुई हैं।

आधुनिक विश्व व्यवस्था में सक्रिय कूटनीति किसी भी उभरती शक्ति के लिए अनिवार्य है। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं ने भारत की अंतरराष्ट्रीय पहचान को मजबूत किया है, नए साझेदार बनाए हैं और भारत को वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में अधिक प्रभावशाली स्थान दिलाने का प्रयास किया है। लेकिन इन यात्राओं की वास्तविक सफलता का पैमाना यही होगा कि वे देश की अर्थव्यवस्था, रोजगार, सुरक्षा और आम नागरिक के जीवन में कितनी सकारात्मक परिवर्तनकारी भूमिका निभाती हैं।

विदेश नीति का अंतिम उद्देश्य राष्ट्रीय हितों की पूर्ति होना चाहिए। यदि विदेश यात्राएँ निवेश, तकनीक, ऊर्जा सुरक्षा और रणनीतिक शक्ति के रूप में भारत को लाभ पहुँचा रही हैं, तो उन्हें केवल राजनीतिक दृष्टि से नहीं बल्कि राष्ट्रीय विकास की व्यापक रणनीति के रूप में देखा जाना चाहिए। भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका इसी संतुलित और परिणामोन्मुख कूटनीति पर निर्भर करेगी।

आलेख के बीच में

**सेशेल्स यात्रा: हिन्द महासागर में सहयोग और सामरिक साझेदारी की नई दिशा**

भारत और सेशेल्स के बीच संबंध केवल कूटनीतिक औपचारिकताओं तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे साझा समुद्री हितों, सुरक्षा सहयोग और विकास की साझी आकांक्षाओं पर आधारित हैं। सेशेल्स की यात्रा दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊँचाइयों तक ले जाने के साथ-साथ हिन्द महासागर क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि के साझा लक्ष्य को भी मजबूती प्रदान करेगी। हिन्द महासागर आज वैश्विक व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति और सामरिक प्रतिस्पर्धा का प्रमुख केंद्र बन चुका है। विश्व व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी समुद्री मार्ग से होकर गुजरता है। ऐसे में इस क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता केवल तटीय देशों के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी विश्व अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। सेशेल्स, भौगोलिक दृष्टि से छोटा द्वीपीय राष्ट्र होने के बावजूद हिन्द महासागर की समुद्री सुरक्षा व्यवस्था में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। भारत ने हमेशा सागर अर्थात सिक्योरिटी एंड ग्रोथ फॉर ऑल इन द रीजन की नीति के माध्यम से हिन्द महासागर क्षेत्र में सहयोग, विश्वास और साझा विकास को प्राथमिकता दी है। इसी नीति के तहत भारत ने सेशेल्स के साथ रक्षा, समुद्री निगरानी, तटरक्षक सहयोग, क्षमता निर्माण तथा आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में निरंतर साझेदारी विकसित की है। समुद्री डकैती, अवैध मछली पकड?, तस्करी और अन्य समुद्री अपराधों से निपटने में भी दोनों देशों का सहयोग महत्वपूर्ण साबित हुआ है।

सेशेल्स की यात्रा इस बात का संकेत है कि भारत अपने पड़ोसी और मित्र देशों के साथ संबंधों को केवल रणनीतिक नजरिये से नहीं देखता, बल्कि उन्हें विकास के विश्वसनीय भागीदार के रूप में भी मान्यता देता है। स्वास्थ्य, शिक्षा, डिजिटल कनेक्टिविटी, अक्षय ऊर्जा और ब्लू इकोनॉमी जैसे क्षेत्रों में सहयोग की व्यापक संभावनाएँ मौजूद हैं। विशेष रूप से ब्लू इकोनॉमी के क्षेत्र में दोनों देश समुद्री संसाधनों के सतत उपयोग और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। आज जब हिन्द महासागर क्षेत्र में वैश्विक शक्तियों की सक्रियता बढ़ रही है, तब भारत और सेशेल्स के बीच मजबूत होते संबंध क्षेत्रीय संतुलन और सामूहिक सुरक्षा के लिए भी आवश्यक हैं। यह साझेदारी किसी प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि सहयोग, विश्वास और साझा हितों पर आधारित व्यवस्था को मजबूत करने का प्रयास है। छोटे द्वीपीय देशों की विकास संबंधी चुनौतियों और जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटने में भारत की भूमिका एक विश्वसनीय मित्र और विकास सहयोगी के रूप में उभर रही है। सेशेल्स यात्रा दोनों देशों के संबंधों को और अधिक प्रगाढ़ बनाएगी। इससे हिन्द महासागर क्षेत्र में समुद्री सहयोग को नई गति मिलेगी तथा एक सुरक्षित, शांतिपूर्ण और समृद्ध हिन्द महासागर के निर्माण की साझा दृष्टि को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति होगी। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में ऐसी साझेदारियाँ ही क्षेत्रीय स्थिरता, आर्थिक प्रगति और दीर्घकालिक शांति की आधारशिला सिद्ध होंगी।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

## संपादकीय

### पासपोर्ट फीस बढ़ी और नागरिकता पर सवाल

विदेश में उच्च शिक्षा ग्रहण करने, रोजगार पाने या फिर भ्रमण का सपना संजोने वाले लोगों को अब पासपोर्ट बनवाने के लिए अपनी जेब और अधिक ढीली करनी पड़ेगी। सरकार ने पासपोर्ट के आवेदन शुल्क में बढ़ोतरी कर दी है, जिसके तहत अब 36 पन्नों के सामान्य पासपोर्ट के लिए 1,500 रुपए की जगह 2,500 रुपए का भुगतान करना होगा, जबकि तत्काल सेवा के लिए 3,500 रुपए के बजाय 5,000 रुपए देने होंगे। सरकार की ओर से शुल्क बढ़ोतरी का कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया गया है, लेकिन इसका असर निश्चित रूप से उन आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर पड़ेगा, जिनके बच्चों को विदेश में उच्च शिक्षा हासिल करने के अवसर मिलते हैं। साथ ही उन श्रमिकों पर भी अतिरिक्त बोझ पड़ेगा, जो विदेश में रोजगार के जरिए अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारना चाहते हैं। इसी के साथ पासपोर्ट को नागरिकता का प्रमाण न मानने को लेकर भी विवाद पैदा हो गया है। सड़कों से लेकर राजनीतिक गलियारों तक यह सवाल उठने लगा है कि आखिर नागरिकता साबित करने के लिए कौन सा दस्तावेज जरूरी है। इसमें दो राय नहीं कि भारतीय विद्यार्थियों का विदेश जाकर उच्च शिक्षा ग्रहण करने में खासा रुझान देखा जाता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2025 में 12 लाख से अधिक भारतीय विद्यार्थी विभिन्न देशों में उच्च शिक्षा हासिल कर रहे थे, लेकिन अब इन छात्रों की संख्या में गिरावट देखी जा रही है। विदेशी शिक्षा संस्थानों में बढ़ती फीस और वीजा नियमों में की जा रही सख्ती से देश के छात्रों के कदम ठिठक रहे हैं। ऐसे में पासपोर्ट के आवेदन शुल्क में बढ़ोतरी उनके इरादों को और कमजोर कर सकती है। इसी तरह विदेश में रोजगार के लिए जाने वाले श्रमिक वर्ग पर भी इसका विपरीत असर पड़ने की आशंका है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2024 में करीब साढ़े तीन लाख भारतीय श्रमिक विदेश गए थे। ऐसे में यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या आर्थिक स्थिति के आधार पर पासपोर्ट आवेदन शुल्क में रियायत नहीं दी जा सकती है। सरकार का मकसद केवल राजस्व अर्जित करना ही नहीं, बल्कि आम लोगों की आर्थिक सुरक्षा पर ध्यान देना भी होना चाहिए।

## चिंतन-मनन

### जीवन में दर्द अस्थायी होता है

एक राजा ने अपने सभी सलाहकारों को बुलाया और कहा, मैं चाहता हूं कि मैं अंदर से स्थिर बना रहूं। जीवन के उतार-चढ़ाव मेरा संतुलन बिगाड़ देते हैं। तुम कोई ऐसी चीज बताओ जिससे दुख की अवस्था से गुजरते हुए मैं खुशी पा सपूं और जब मैं आनंद की अवस्था में होऊं, तो वह चीज मुझे दुखों की याद दिलाती रहे। ऐसी चीज खोजो जो मैं अपने पास रख सपूं ताकि मेरे चारों ओर कुछ भी घटता रहे, पर मैं शांत-स्थिर रह सपूं। सभी सलाहकार मिलकर बैठे और उन्होंने विचार-विमर्श किया। अंत में वे एक बक्सा लेकर राजा के पास गए- महाराज, आप इस बक्से को खोलें। राजा ने उसे खोला तो उसमें एक छोटी अंगूठी मिली। उन्होंने राजा से कहा, इस पर जो लिखा है,उसे पढ़ें। अंगूठी पर लिखा था- यह समय भी बीत जाएगा। इन पांच सादे लफ्जों से राजा को बड़ी मदद मिली। हमें भी संतुलन बनाए रखने में इनसे मदद मिल सकती है। जब हम बहुत आनंद में हों, तब याद रखने की जरूरत है कि चीजें हर समय ऐसी नहीं रहेंगी और जब खुशहाल वक्ति गुजर जाए तो हमें निराश या हतोत्साहित नहीं होना चाहिए। हमें ये पांच सादे लफ्ज याद दिला सकते हैं कि दर्द अस्थायी है और खुशहाली फिर लौट आएगी। सभी जीवन में उतार-चढ़ाव का सामना करते हैं। ये जीवन के अभिन्न अंग हैं। इनसे बचा नहीं जा सकता। प्रश्न यह है कि जीवन-पथ पर जब हम ऊंच-नीच का सामना करेंगे तो क्या हम मन की शांति खोकर अस्थिर हो जाना चाहेंगे ? अगर हम खुद को जिंदगी में घटने वाली हर घटना से प्रभावित होने देंगे तो हम आनंद की ऊंचाइयों से घोर निराशा की गहराइयों में पहुंच जाएंगे लेकिन अगले ही क्षण वापस आनंद की अवस्था में होंगे। इस लगातार बदलाव से अक्सर भय, तनाव और आतंक पैदा होता है क्योंकि हमें कभी यह पता नहीं होता कि आगे क्या होगा। समय के साथ, भय और तनाव की यह अवस्था हमारे स्वभाव का हिस्सा बन जाती है और हम शांत या तनाव रहित नहीं हो पाते। ध्यान और प्रार्थना के द्वारा हम शांत स्थान पर पहुंच सकते हैं। हमारे अंतर में समस्त दैवी खजाने हैं। हम मात्र शरीर और मन नहीं हैं, बल्कि हम आत्मा हैं। आत्मा ज्योति, प्रेम और आनंद से भरपूर है। यह हर समय प्रभु से जुड़ी रहती है। सृजनात्मक शक्ति यानी प्रभु और आत्मा एक ही तत्त्व के बने हैं। अगर हम प्रतिदिन अपना कुछ समय अंतरात्मा की शांति में व्यतीत करें तो हम आनंद के एक स्थान से जुड़ जाएंगे। तब बाहरी परिस्थितियां प्रभावित नहीं करेंगी। अगली बार हमें दुख-दर्द हो तो हम याद रखें, यह समय भी बीत जाएगा।

# एनडीए कुनबे में सांसद बढ़े पर बढ़ गया अंदरूनी असंतोष

दिलीप कुमार पाठक

भारतीय राजनीति में इस समय एक बड़ा विरोधाभास देखने को मिल रहा है। विपक्ष के सांसदों की टूट-फूट से सत्ताधारी एनडीए का कुनबा लगातार बड़ा हो रहा है। ऊपरी तौर पर ऐसा लगता है कि सरकार पहले से कहीं अधिक मजबूत और सुरक्षित हो चुकी है। लेकिन जब हम दिल्ली के राजनीतिक गलियारों और संसद के आंकड़ों की गहराई में जाते हैं, तो कहानी कुछ और ही नजर आती है। बाहर से ताकतवर दिख रही इस सरकार के भीतर तनाव की एक नई लहर दौड़ गई है।

साल 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा अपने दम पर बहुमत का जादुई आंकड़ा नहीं छू सकी थी। तब एनडीए ने 293 सीटों के साथ सरकार का गठन किया था। सरकार को टिकाए रखने के लिए 272 सांसदों की जरूरत होती है। हाल के दिनों में विपक्षी खेमे, खासकर टीएमसी और शिवसेना, जैसे दलों से सांसदों के पाला बदलने के कारण अब एनडीए का आंकड़ा 313 के पार पहुंच चुका है। सीधे गणित से देखें तो अविश्वास प्रस्ताव के जरिए इस सरकार को गिराना विपक्ष के लिए पूरी तरह असंभव है। सरकार गिरने का कोई तात्कालिक खतरा नहीं है, इसलिए सरकार के पूरी तरह अस्थिर होने का दावा तकनीकी रूप से गलत साबित होता है। लेकिन असली पेंच सरकार के बने रहने का नहीं, बल्कि उसके कामकाज और आंतरिक तालमेल का है। सरकार का कुनबा तो बढ़ रहा है, लेकिन इसके साथ ही गठबंधन के भीतर तनाव भी चरम पर पहुंच गया है। इस समय सबसे बड़ी अटकलें मंत्रिमंडल में बड़े फेरबदल को लेकर लगाई जा रही हैं। बाहर से आए दिग्गज नेताओं को संतुष्ट करने के लिए उन्हें सरकार में जगह देनी होगी। इसकी वजह से मौजूदा कई मंत्रियों पर भारी दबाव देखा जा रहा है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज है कि नए चेहरों को एडजस्ट करने के लिए कई पुराने और कद्दावर मंत्रियों की छुट्टी की जा सकती है या उनसे भारी-भरकम मंत्रालय छीने जा सकते हैं। इस संभावित फेरबदल की वजह से मंत्रियों और मूल पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच असंतोष की आग सुलगने लगी है। पुराने नेताओं को लगने लगा है कि बरसों तक पार्टी के लिए खून-पसीना बहाने के बाद भी, ऐन मौके पर दलबदलुओं को तवज्जो दी जा रही है। तनाव का दूसरा बड़ा कारण गठबंधन की छोटी और क्षेत्रीय पार्टियों में देखा जा रहा है। नीतीश कुमार की जेडीयू और चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी जैसे दल अब अपने राजनीतिक अस्तित्व को लेकर गहरे संकट और चिंता में हैं। दरअसल, जब एनडीए के पास 293 सीटें थीं, तब इन छोटे दलों की बैसाखियों के बिना सरकार एक कदम भी नहीं चल सकती थी। लेकिन अब विपक्ष से आए सांसदों के कारण सरकार का अपना आंकड़ा 313 पार कर गया है। इस नए समीकरण ने छोटे दलों की सौदेबाजी की ताकत को लगभग खत्म कर दिया है। उन्हें डर है कि भाजपा अब उनके क्षेत्रीय हितों को नजरअंदाज कर सकती है, जिससे उनके राज्यों में उनका वजूद ही खतरे में पड़ जाएगा।इस राजनीतिक उठापटक के बीच, हालिया विवादों ने सरकार की सुशासन की छवि पर भी दबाव बना दिया है। अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे में चोरी का बड़ा मामला सामने आने से जहां एक तरफ धार्मिक और राजनीतिक बहस छिड़ गई है, वहीं दूसरी तरफ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से जुड़ा भूमि आवंटन का ताजा प्रकरण भी विपक्ष के हाथों में बड़ा मुद्दा बन गया है। इन दोनों ही गंभीर मामलों ने भाजपा को रक्षात्मक मुद्रा में ला खड़ा किया है, जिससे संगठन के भीतर का आपसी तनाव और अधिक गहरा गया है। इस पूरे दलबदल के पीछे सरकार की अपनी एक बड़ी रणनीति भी छिपी है। सरकार संसद में मनमाने और कड़े बिल पारित कराना चाहती है। भाजपा का मुख्य एजेंडा सिर्फ सरकार चलाना नहीं, बल्कि परिसीमन और एक देश, एक चुनाव जैसे बड़े संवैधानिक सुधारों को लागू करना है। इन ऐतिहासिक बदलावों के लिए संसद में दो-तिहाई बहुमत यानी 362 सीटों की जरूरत होती है। सरकार इसी जादुई आंकड़े को छूने के लिए विपक्ष में तोड़फोड़ कर रही है। हालांकि, इतने सांसदों को जोड़ने के बाद भी सरकार अभी दो-तिहाई के आंकड़े से दूर है, जिससे विधायी स्तर पर उसकी राह अब भी आसान नहीं दिखती। कुल मिलाकर देखें तो यह दावा पूरी तरह सही है कि सांसदों के आने से एनडीए का संख्या बल तो बढ़ा है, लेकिन सरकार के भीतर आंतरिक तनाव और असंतोष अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच गया है। सरकार की उम्र भले ही लंबी हो गई हो, लेकिन मंत्रियों की कुर्सी छिनने का डर, पुराने नेताओं की नाराजगी, क्षेत्रीय दलों के अस्तित्व का संकट और हालिया भ्रष्टाचार के आरोप इस सरकार की राजनीतिक स्थिरता को अंदर ही अंदर खोखला कर रहे हैं।

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

# राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस- आंकड़ों से आत्मनिर्भरता तकः सांख्यिकी की बढ़ती शक्ति

योगेश कुमार गोयल

आंकड़ों से भविष्य गढ़ने का विज्ञान है सांख्यिकी...

हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में सांख्यिकी (स्टैटिस्टिक्स) के उपयोग को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 29 जून को 'राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस' मनाया जाता है। आर्थिक नियोजन और सांख्यिकी के क्षेत्र में प्रो. प्रशांत चंद्र महालनोबिस द्वारा दिए गए उत्कृष्ट योगदान को देखते हुए भारत सरकार द्वारा उनकी जयंती को राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस मनाने के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया था और इस आशय की अधिसूचना भारत के राजपत्र में 5 जून 2007 को प्रकाशित की गई थी। 'राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस' का वर्ष 2026 का विषय है 'प्रशासनिक डेटा की क्षमता को उजागर करना', जो इस तथ्य को रेखांकित करता है कि सरकारी विभागों द्वारा प्रतिदिन एकत्र किए जाने वाले विशाल प्रशासनिक आंकड़े केवल अभिलेख नहीं हैं बल्कि वे नीति निर्माण, सेवा वितरण, पारदर्शिता, जवाबदेही और समावेशी विकास के सबसे प्रभावी उपकरण बन सकते हैं। 29 जून 1893 को कलकत्ता में जन्मे प्रो. पी.सी. महालनोबिस जाने-माने भारतीय सांख्यिकीविद् थे, जिन्होंने 'महालनोबिस दूरी' तैयार करने के अलावा दूसरी पंचवर्षीय योजना में औद्योगीकरण के लिए भारत की रणनीति तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने दो डेटा सेटों के बीच तुलना का एक माप तैयार किया था, जिसे अब 'महालनोबिस दूरी' के रूप में जाना जाता है। प्रो. महालनोबिस ने 17 दिसम्बर 1931 को कलकत्ता में भारतीय सांख्यिकी संस्थान की स्थापना की थी, जिसे 1959 में राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित किया गया। 1950 में उन्होंने राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण तथा सांख्यिकीय गतिविधियों के समन्वय के लिए केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन की स्थापना की।

प्रो. महालनोबिस एक प्रशिक्षित भौतिक विज्ञानी थे, जिन्होंने अपने शिक्षक डब्ल्यू एच मैकाले के कहने पर 'बायोमेट्रिका' नामक एक किताब पढ़ी और वह किताब पढ़ने के बाद ही उनका रुझान सांख्यिकी की ओर होने लगा था। उसके बाद ही उन्होंने पता लगाया कि मौसम विज्ञान और मानव विज्ञान सहित विभिन्न क्षेत्रों में सांख्यिकी का उपयोग किया जा सकता है। यही उनके वैज्ञानिक जीवन में बेहद महत्वपूर्ण क्षण साबित हुआ। भारत में एंथ्रोपोमेट्री अथवा मानव माप के अध्ययन के क्षेत्र में वे अग्रणी थे और उन्होंने बड़े पैमाने पर नमूना सर्वेक्षण तथा नमूनाकरण विधियों के डिजाइन में भी सहायता की। उन्होंने फेल्डमैन-महालनोबिस मॉडल बनाया, जो आर्थिक विकास का एक नव-मार्क्सवादी मॉडल था, जिसका उपयोग भारत की दूसरी पंचवर्षीय योजना में किया गया, जिसने देश में तेजी से औद्योगीकरण को बढ़ावा दिया। उन्होंने भारत के पहले योजना आयोग में भी काम किया और उन्हें उनके महत्वपूर्ण कार्यों के लिए पद्म विभूषण सहित कई पुरस्कार मिले। बड़े पैमाने पर नमूना सर्वेक्षण करने के लिए उन्होंने नई तकनीकों का आविष्कार किया और अव्यवस्थित नमूने की विधि का उपयोग करके एकड़ और फसल की पैदावार की गणना की। लोगों के विभिन्न समूहों की सामाजिक आर्थिक स्थितियों की तुलना करने के लिए उन्होंने फ्रैक्टाइल ग्राफिकल विश्लेषण नामक एक सांख्यिकीय पद्धति भी तैयार की। बाढ़ नियंत्रण के लिए उन्होंने सांख्यिकी को आर्थिक नियोजन में भी लागू किया। 28 जून 1972 को कलकत्ता में प्रो. महालनोबिस का निधन हो गया। सांख्यिकी के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय कार्यों और योगदान के सम्मान में ही हर साल 29 जून को राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस मनाया जाता है।

माना जाता है कि सांख्यिकी की उत्पत्ति हजारों वर्ष पूर्व की गई जनगणना में हुई थी लेकिन एक विशिष्ट वैज्ञानिक अनुशासन के रूप में इसे 19वीं शताब्दी की शुरूआत में आबादी, अर्थव्यवस्थाओं और नैतिक कार्यों के अध्ययन के रूप में और बाद में उस शताब्दी में ऐसी संख्याओं के विश्लेषण के लिए गणितीय उपकरण के रूप में विकसित किया गया था। राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस सही मायनों में लोगों को यह समझाता है कि नीतियों को आकार देने और तैयार करने में सांख्यिकी किस प्रकार मदद करती है और इस दिवस को मनाते हुए यह उम्मीद की जाती है कि यह आयोजन सामाजिक-आर्थिक नियोजन और नीति निर्माण में सांख्यिकी की भूमिका के बारे में विशेषकर युवा वर्ग में जागरूकता बढ़ाएगा। प्राकृतिक आपदाओं की जानकारी के संबंध में रिपोर्ट भेजने के लिए हम प्रायः कुछ एजेंसियों अथवा विभागों की घोषणाओं पर ही भरोसा करते हैं। दरअसल भूकम्प, मौसम और ज्वालामुखी संबंधी भविष्यवाणियों की गणना सांख्यिकीय तरीकों की एक श्रृंखला के माध्यम से ही की जाती है। रिकॉर्ड और फॉमूर्ले के बगैर हम यह अनुमान ही नहीं लगा सकते कि नवीनतम तूफान या कोई बड़ा भूकम्प कब आएगा और ऐसे में हम इसके अभाव में समय रहते आवश्यक सावधानियां नहीं बरत सकते। इसके लिए आंकड़े ही हमें सचेत करते हैं ताकि हम आपातकालीन स्थिति के लिए पहले से ही बेहतर तैयारी कर सकें, जिससे जान-माल का नुकसान न्यूनतम हो सके।

सांख्यिकी अनुभवजन्य डेटा एकत्र करने, विश्लेषण करने, व्याख्या करने और प्रस्तुत करने के तरीकों के विकास और अध्ययन से संबंधित विज्ञान है। यह गणित की वह शाखा है, जिसमें आंकड़ों का संग्रहण, प्रदर्शन, वर्गीकरण और उसके गुणों के आकलन का अध्ययन किया जाता है। सांख्यिकी एक गणितीय विज्ञान है, जिसमें किसी वस्तु, अवयव, तंत्र अथवा समुदाय से संबंधित आंकड़ों का संग्रह, विश्लेषण, व्याख्या या स्पष्टीकरण और प्रस्तुति की जाती है। सांख्यिकी की सहायता से ही देश में अशिक्षा, बेरोजगारी, अपराध, भिक्षावृत्ति इत्यादि विभिन्न सामाजिक समस्याओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की जाती है, साथ ही इन समस्याओं के समाधान के उपाय तथा वे उपाय कहां तक सफल हुए हैं, इनका पता भी सांख्यिकी की मदद से ही लगाया जा सकता है। सांख्यिकी में आंकड़े दो प्रकार के होते हैं, वर्णनात्मक और अनुमानात्मक, जिनका उपयोग ज्यादातर रिकॉर्ड रखने, संभावनाओं की गणना करने और ज्ञान प्रदान करने के लिए किया जाता है। यह हमें संख्याओं और अन्य मात्रात्मक जानकारी के माध्यम से दुनिया को थोड़ा बेहतर ढ़ंग से समझने में मदद करता है, अर्थात ऐसी संख्याएं, जो किसी तथ्य पर प्रकाश डालती हों, आंकड़े कहलाती हैं। आंकड़े सदैव संख्या में ही व्यक्त किए जाते हैं और यह गणनात्मक होते हैं। आंकड़ों का संग्रहण किसी पूर्व निश्चित उद्देश्य के लिए ही किया जाता है, हालांकि आंकड़ों का संकलन करते समय उनकी शुद्धता एवं सत्यता पर विशेष ध्यान दिया जाना जरूरी होता है।

# घर ले आएं लक्ष्मी चरण पादुका

**न-संपदा की प्राप्ति हेतु लक्ष्मी के पूजन का विधान है। ऐसा माना जाता है कि दीपावली की रात लक्ष्मी जी घर में आती हैं। इसीलिए लोग दहलीज से लेकर घर के अंदर जाते हुए लक्ष्मी जी के पांव बनाते हैं। इसी मान्यता के चलते हम लक्ष्मी जी को स्थाई करने हेतु घर में लक्ष्मी जी के चरणों का प्रतीक लक्ष्मी चरण पादुका स्थापित करते हैं।**

लक्ष्मी जी के चरणों का रहस्य : शास्त्रों के अनुसार महालक्ष्मी के चरणों में सोलह शुभ चिन्ह होते हैं। यह चिन्ह अष्ट लक्ष्मी के दोनों पावों से उपस्थित 16 (षोडश) चिन्ह है जो के 16 कलाओं का प्रतीक हैं। शास्त्रों में मां लक्ष्मी को षोडशी भी कहकर पुकारा जाता है। ये सोलह कलाएं हैं 1.अन्नमया, 2. प्राणमया, 3.मनोमया, 4.विज्ञानमया, 5. आनंदमया, 6.अतिशयिनी, 7. विपरिनाभिमी, 8.संक्रमिनी, 9.प्रभवि, 10. कुंथिनी, 11 विकासिनी, 12.मर्यदिनी, 13. सन्हालादिनी, 14.आह्लादिनी, 15.परिपूर्ण, 16.स्वरुपवस्थित।

शास्त्रों में चंद्रमा की सोलह कलाओं का भी वर्णन आता है। चंद्रमा की सोलह कलाएं हैं अमृत, मनदा, पुष्प, पुष्टि, तुष्टि, ध्रुति, शाशनी, चंद्रिका, कांति, ज्योत्सना, श्री, प्रीति, अंगदा, पूर्ण और पूर्णामृत का उल्लेख है। वास्तवकिता में ये सोलह कलाएं सोलह तिथियां हैं जिसके क्रम में अमावस्या एकम से लेकर चतुर्दशी तथा पूर्णिमा। लक्ष्मी चरण पादुका के लक्ष्मी के षोडशी रूप के 16 चिन्ह इस प्रकार हैं 1 प्राण, 2.श्री, 3.भू, 4.कीर्ति, 5.इला, 5 लीला, 6.कांति, 7.विद्या, 8 विमला, 8.उत्कर्शिनी, 9.ज्ञान, 10 क्रिया, 11.योग, 12.प्रहवि, 13.सत्य, 14.इसना 15. अनुग्रह, 16.नाम। अष्ट लक्ष्मी के दोनों चरणों में इस सोलह कलाओं के प्रतीक चिन्ह स्थापित होते है। सोलह कलाओं वाली श्री लक्ष्मी षोडशी का रहस्य : जो श्री विद्या सोलह कलाएं प्रदान करे वही षोडशी है। लक्ष्मी का यह स्वरुप ऐश्वर्य, धन, पद जो भी चाहिए सभी कुछ प्रदान करता है। इनके श्री चक्र को श्रीयंत्र कहा जाता है। इनका एक नाम श्री महा त्रिपुरा सुंदरी यां ललिता भी है। त्रिपुरा समस्त भुवन मे सर्वाधिक सुन्दर है। महालक्ष्मी का यह स्वरुप जीव को शिव बना देता है। यह श्री कुल की विद्या है। इनकी पूजा से साधक को पूर्ण समर्थ प्राप्त होता है। लक्ष्मी चरण पादुका इन्हीं ललिता श्री देवी के चरणों का प्रतीक है जिसमें सोलह चिन्ह बने होते हैं। लक्ष्मी चरण पादुका जहां भी स्थापित कि जाती है वहां से समस्याओं का नाश होता है। इसकी स्थापना से धनाभाव खत्म होकर स्थाई धन संपत्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। इसे मकान, दुकान, आफिस या कहीं भी दरवाजे पर चिपकाना भी शुभ होता है। अष्ठ धातु से निर्मित यह चरण पादुका सुख-समृद्धि हेतु निश्चित ही उपयोगी सामग्री है।

# घर-कार्यस्थल पर न रखें श्रीगणेश की ये मूर्तियां

भगवान श्रीगणेश मंगलकारी देवता हैं। जहां श्रीगणेश का नित पूजन-अर्चन होता है, वहां रिद्धि-सिद्धि और शुभ-लाभ का वास होता है। वास्तु शास्त्र में भगवान श्रीगणेश को महत्वपूर्ण स्थान प्रदान किया गया है। धन से संबंधित जो भी बाधाएं आती हैं उसका दोष घर अथवा दुकान में ही मौजूद होता है। बहुत कुछ ऐसा होता है जिनकी अनजाने में अनदेखी हो जाती है। वास्तु दोष-विघ्न दूर करते हैं विनायक। जिस घर के मुख्य द्वार पर भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा या तस्वीर होती है, वहां रहने वालों की दिनों-दिन उन्नति होती है। आम, पीपल और नीम से बनी श्रीगणेश की मूर्ति घर के मुख्य दरवाजे पर लगाएं। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है। घर के मुख्य द्वार पर चौखट के ऊपर भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा या तस्वीर लगानी चाहिए। उनके आस-पास सिंदूर से उनकी दोनों पत्नियों के नाम रिद्धि-सिद्धि लिखने की परम्परा है। घर में पूजा के लिए भगवान श्रीगणेश की शयन या बैठी हुई मुद्रा में मूर्ति शुभ मानी जाती है। कार्यस्थल पर खड़ी हुई मुद्रा में भगवान श्रीगणेश की मूर्ति लगाएं। इससे स्फूर्ति और उमंग बनी रहती है। ध्यान रहे कि खड़े हुए श्रीगणेश जी के दोनों पैर जमीन को स्पर्श करते हुए हों। इससे कार्य में स्थिरता आती है। घर में भगवान श्रीगणेश का चित्र लगाते समय ध्यान रखें कि चित्र में मोदक या लड्डू और चूहा अवश्य होना चाहिए। घर में भगवान श्रीगणेश की ज्यादा मूर्तियां या तस्वीरें नहीं होनी चाहिए।

# इनकी शरण में गए थे भगवान के ये अवतार

भगवद् गीता जी में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं, विगतेच्छा भय क्रोधो य : सदा मुक्त एव स : जो इच्छा, भय और क्रोध से रहित है वह सदा मुक्त ही है। इस उपरोक्त ज्ञान रूप तप से पवित्र होकर बहुत से भक्त भगवान के स्वरूप को प्राप्त कर चुके हैं। जो मनुष्य सदैव कामनाओं के अधीन रहता है उसमें सदैव भय व्याप्त रहता है। कामनाओं में विघ्न पड़ने से क्रोध उत्पन्न होता है और क्रोध से विवेक रूपी ज्ञान शक्ति का नाश होता है।

इसलिए हे अर्जुन। न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते इस संसार में ज्ञान के समान पवित्र करने वाला नि :संदेह कुछ भी नहीं है। भगवान के नाम का आश्रय लेने वाला सदैव भय मुक्त रहता है। असुरराज रावण, जिसे ब्रह्मा जी से वर प्राप्त था, भगवान शिव की जिस पर विशेष कृपा थी, समस्त देवतागण, नवग्रह जिसके अधीन थे। केवल भगवान श्री राम नाम का आश्रय लेकर ज्ञानियों में अग्रगण्य श्री हनुमान जी ने उसकी लंका को भस्मीभूत कर दिया। बाली पुत्र अंगद ने अपने प्रभु के नाम के बल पर ही रावण की सभा में बड़े-बड़े योद्धाओं को अपने पृथ्वी पर जमाए हुए पैर को हिलाने के लिए आमंत्रित किया। भय मुक्त अंगद के मुख पर जो आत्मविश्वास था, वह केवल भगवद् नाम की ही कृपा थी जिस कारण रावण सहित सभी योद्धाओं को अपमानित होना पड़ा था। जब तक मनुष्य के मन में भय समाया रहता है तब तक उसमें निश्चयात्मिका बुद्धि का अभाव रहता है। जब तक अर्जुन के मन में युद्ध के प्रति भय था, कि कहीं उसके हाथों अपने गुरुजनों का वध हो जाने से, अधर्म न हो जाए, वह इस निर्णय को लेने में अक्षम थे कि युद्ध करने, अथवा न करने में सही विकल्प कौन-सा है। भगवान की शरण प्राप्त करने से ही वह श्रेष्ठ निर्णय लेने में सफल रहे, जब उन्होंने स्वयं को भगवान का शिष्य मान लिया। शिष्यस्तेहं शाधि मां त्वां प्रपन्नम। इस प्रकार अर्जुन ने सभी प्रकार से भगवान की शरण प्राप्त कर ली।

मनुष्य जीवन में निर्णय-अनिर्णय की स्थिति सदैव बनी रहती है। विवेक शक्ति से युक्त होकर ही मनुष्य सही निर्णय का चुनाव करता है। भय से युक्त मन में विवेक शक्ति का अभाव होता है। मार्कण्डेय ऋषि मां भगवती से अभय प्रदान करने के लिए स्तुति करते हैं : सर्व स्वरूपे सर्वेशे सर्वशक्ति समन्विते। भयभयस्राहि नो देवि दुर्गे देवि नमोस्तुते। हे मां! आप सर्वस्वरूपा, सर्वेश्वरी, सभी शक्तियों से सम्पन्न हैं। आप मुझे भय से मुक्त करें। हे देवि! आपको नमस्कार है। मां आदि शक्ति सभी प्रकार के भय का नाश करने वाली है।

षोड वर्ष के बालक मार्कण्डेय ने मृत्यु को समीप जान, जब मृत्युंजय भगवान शिव जी की चंद्रशेखरमाश्रय मम किं करिष्यति वै यम : से स्तुति कर भगवान शिव को प्रसन्न कर न केवल आश्रय प्राप्त किया अपितु भगवान शिव से अमरत्व भी प्राप्त किया। भय नाम अंधकार का है। यह अंधकार अज्ञानता, अश्रद्धा और संशययुक्त बुद्धि से उत्पन्न होता है। इसी से जीव का नाश होता है।

योगी और भोगी दोनों को अंतिम समय का भय होता है परन्तु दोनों के भय में अंतर है। भोगी जीवन भर सांसारिक पदार्थों का संग्रह करता है ताकि बुढ़ापे के समय उसका जीवन कष्टमय न हो। योगी जीवन पर्यन्त यह अभ्यास करता है कि प्रयाण काल (शरीर छोड़ते समय) में उसकी चित्त वृत्ति परमात्मा में स्थिर रहे क्योंकि यह नियम है कि परमेश्वर के ध्यान के अभ्यास रूप योग से युक्त, दूसरी ओर न जाने वाले चित्त से निरंतर चिंतन करता हुआ मनुष्य परम प्रकाश रूप दिव्य पुरुष को अर्थात परमेश्वर को ही प्राप्त होता है। जटायु, बाली, भीष्म पितामह ने अंतिम समय में अपनी चित्त वृत्तियों को भगवान के श्रीमुख पर स्थिर कर परमधाम प्राप्त किया।

**श्री राम चंद्र कृपालु भज मन।**
**हरण भव भय दारूणम**

भगवान श्री राम अत्यंत कृपालु हैं तथा सांसारिक बंधनों के भय से मुक्त करने वाले हैं इसलिए हे मन। तू केवल उनका नाम ही भज।

**वंदे विष्णुं**

सभी लोकों के एकमात्र स्वामी भव भय हरने वाले भगवान विष्णु की हम वंदना करते हैं। उपरोक्त स्तुतियों में भय से मुक्ति हेतु ही भगवान की वंदना भक्तों द्वारा की जाती है। काक भुशुण्डि जी श्रीराम की कृपा से, भागवत प्रवक्ताओं में अग्रगण्य शुकदेव मुनि जी भगवान श्री कृष्ण जी की कृपा से ही निर्भय होकर इस संसार में विचरण करते हैं। माया के बंधन में बंधा जीव सदैव भय से युक्त रहता है। केवल भगवद् नाम का आश्रय ही जीव की बुद्धि को निर्भय बनाता है। उसके लिए आवश्यक है कि मनुष्य भगवान की दिव्य लीलाओं का स्वाध्याय करे अथवा श्रवण परायण होकर रसास्वादन करे। कलिकाल में केवल गोविंद नाम ही सब प्रकार के भय का नाश करने वाला है।

# पीपल की पूजा का रहस्य

दधीचि पुत्र पिप्पलाद ने जब माता से अपने पिता की देवताओं द्वारा अस्थियां मांगे जाने और उनसे बने वज्र से अपने प्राण बचाने का पौराणिक विवरण सुना तो उनके मन में देवताओं के प्रति घृणा उपजी। मैं इनसे पिता को 'सताने' का बदला लूंगा। ऐसा संकल्प करके पिप्पलाद तप करने लगे। कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव प्रकट हुए और बोले, वर मांगो।

पिप्पलाद ने नमन किया और बोले, प्रभु! अगर आप मुझ पर प्रसन्न हैं तो कृपा करके अपना रौद्र रूप प्रकट कीजिए और इन देवताओं को जलाकर भस्म कर दीजिए। शिव यह अनुरोध सुन कर स्तब्ध रह गए, परंतु वचन तो पूरा करना ही था। देवताओं को जलाने के लिए तीसरा नेत्र खोलने का उपक्रम करने लगे। इस आरंभ की प्रथम परिणति यह हुई कि पिप्पलाद का रोम-रोम जलने लगा। वह चिल्लाए और बोले, प्रभु! यह क्या हो रहा है? देवता नहीं, उल्टा मैं ही जला जा रहा हूं। शिव ने कहा, देवता तुम्हारी देह में ही समाए हुए हैं। अवयवों की शक्ति उन्हीं की सामर्थ्य है। देव जलें और तुम अछूते बचे रहो यह तो संभव नहीं है। पिप्पलाद ने अपनी याचना वापस ले ली तो शिव ने कहा, देवताओं ने त्याग का अवसर देकर तुम्हारे पिता को कृत-कृत्य और तुम्हें गौरवान्वित किया है। मरण तो होता ही है, न तुम्हारे पिता बचते और न काल के ग्रास से वृत्रासुर बचा रहता। यश, गौरव प्राप्त करने का लाभ प्रदान करने के लिए देवताओं के प्रति कृतज्ञ होना ही उचित है। पिप्पलाद का भ्रम दूर हो गया। उनकी तपस्या आत्म-कल्याण की दिशा में मुड़ गई। पिप्पलाद को ही पीपल कहते हैं। उनके त्याग, साधना और परोपकार की भावना के कारण उन्हें पूजा जाने लगा। पीपल समस्त वृक्षों में सबसे पवित्र इसलिए माना गया है क्योंकि स्वयं भगवान श्रीहरि विष्णु पीपल में निवास करते हैं। श्रीमद् भागवत गीता में स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने अपने श्रीमुख से उच्चारित किया है कि,वृक्षों में मैं 'पीपल' हूं।

स्कंद पुराण के अनुसार पीपल के मूल (जड़) में विष्णु, तने में केशव, शाखाओं में नारायण, पत्तों में भगवान हरि और फलों में समस्त देवताओं से युक्त भगवान सदैव निवास करते हैं। ऑक्सीजन 'प्राण-वायु' कही जाती है। प्रत्येक जीवधारी ऑक्सीजन लेता है व कार्बन डाईआक्साइड छोड़ता है। ऑक्सीजन देने के अतिरिक्त पीपल में अनेक विशेषताएं हैं जैसे इसकी छाया सर्दी में गर्मी देती है और गर्मी में शीतलता देती है। इसके अतिरिक्त पीपल के पत्तों से स्पर्श करने से वायु में मिले संक्रामक वायरस नष्ट हो जाते हैं। इसकी छाल, पत्तों और फल आदि से अनेक प्रकार की रोगनाशक दवाएं बनती हैं। इस दृष्टि से भी पीपल पूजनीय है।

# भगवान शिव ने कब, कहां और किसे दिया अमरत्व का वरदान

भारत विभिन्न संस्कृति और धर्मों का घर है। हमारे देश में भिन्न-भिन्न धर्मों को मानने वाले लोग रहते हैं। भारत के प्रसिद्ध धार्मिक पूजा स्थलों में से एक अमरनाथ धाम है। अमरनाथ हिंदुओं का प्रमुख तीर्थस्थल है। कश्मीर राज्य के उत्तर पूर्व से 135 हजार मीटर की दूरी पर अमरनाथ की गुफा स्थित है। अमरनाथ गुफा भगवान शिव के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है। कहा जाता है कि इसी गुफा में भगवान शिव ने मां पार्वती को अमर कथा का रहस्य बताया था। एक बार पार्वती द्वारा अमर होने की कथा सुनने की जिद्द करने पर भगवान शिव पार्वती को अमर कथा सुनाने के लिए समुद्रतल से 13,600 फुट की ऊंचाई पर स्थित इस स्थान पर लाए। गुफा में प्रवेश करने से पहले भगवान शिव ने अपने गले में सुशोभित नाग और सिर पर सजे चांद को उतार दिया। ताकि माता पार्वती के अलावा कोई और कथा न सुन सके। यहां आकर उन्होंने माता पार्वती को कथा सुनानी आंरभ की लेकिन माता को कथा के मध्य में ही नींद आ गई। इस दौरान इस गुफा में कबूतरों के दो बच्चों ने जन्म लिया, जिन्होंने अमर कथा सुन अमरता प्राप्त की। जब शिव जी को यह ज्ञात हुआ तो वह क्रोधित हो गए और उन्हें मारने के लिए आगे बढ़े। तभी कबूतरों ने भगवान शिव को कहा कि अगर वे उन्हें मारेंगे तो अमर कथा झूठी साबित हो जाएगी। तब शिव जी ने अपने क्रोध को शांत कर उन्हें वरदान दिया कि युगों-युगों तक तुम दो कबूतरों का जोड़ा शिव-पार्वती का प्रतीक बन कर इस गुफा में निवास करेगा। उसी समय से यह स्थान अमरनाथ गुफा के नाम से प्रचलित हुआ। मान्यता है कि इन कबूतरों के दर्शन करने से शिव-पार्वती के दर्शनों जितना पुण्य मिलता है। इनके दर्शनों से वंचित रहने वाले हर व्यक्ति की यात्रा असफल मानी जाती है।

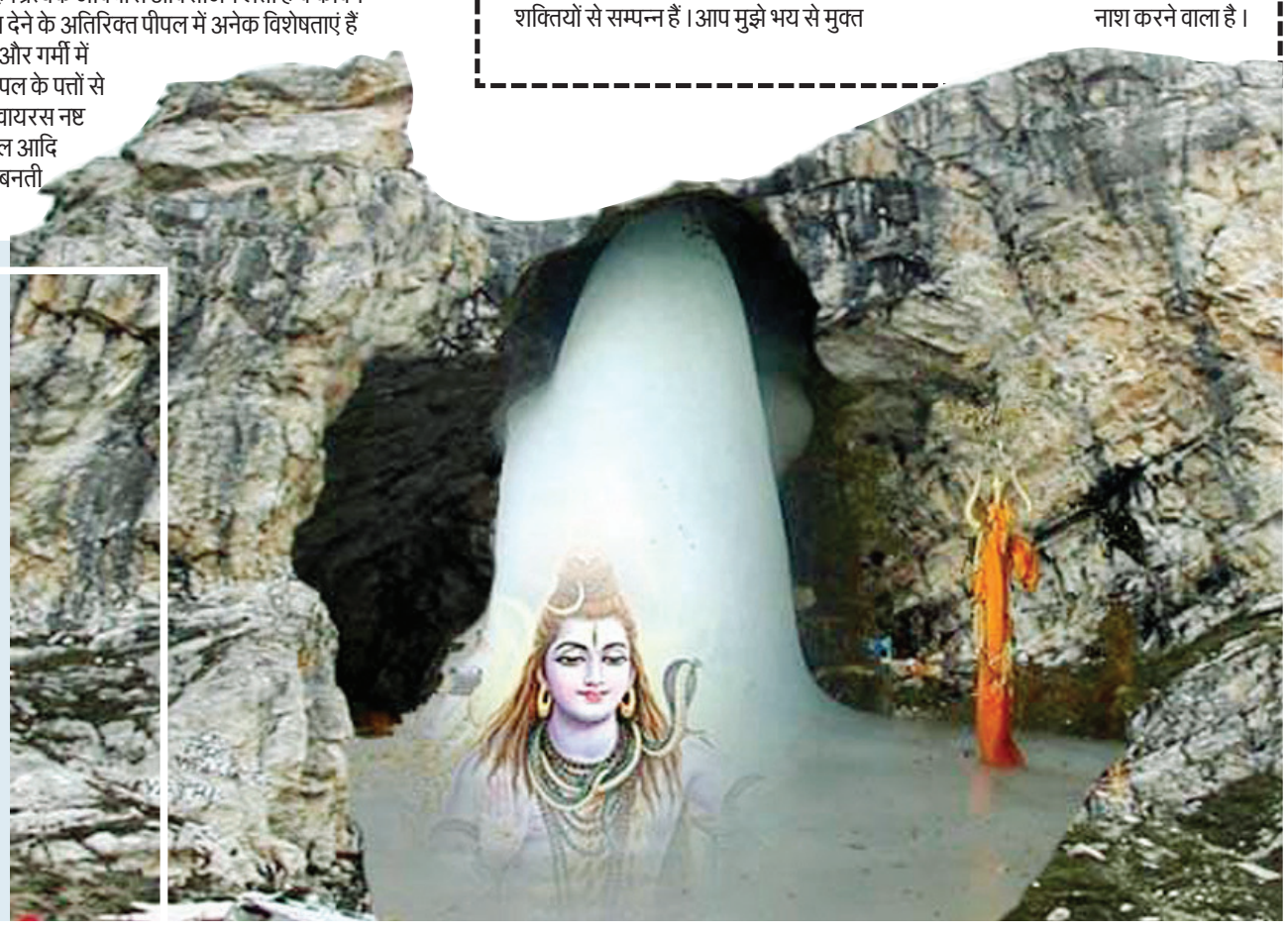

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com